हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● सोमवार ● 21.07.2025 ● वर्ष : 15 ● अंक : 357 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

एक नजर

मणिपुर में 76 करोड़ की हेराइन और मेथ की गोलियां बरामद

मणिपुर : मणिपुर के जिरीबाम जिले में सुरक्षा बलों द्वारा चलाए गए संयुक्त नदी गश्ती अभियान में करीब 76 करोड़ रुपये मूल्य की हेरोइन और मेथ की गोलियां जब्त की गई हैं। अभियान के दौरान एक व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया गया है। अभियान से जुड़े अधिकारियों के अनुसार असम राइफल्स, मणिपुर पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की संयुक्त टीम ने चौधरीखाल और सावोमफाई के बीच बहने वाली बाराक नदी पर गश्त शुरू की। गश्ती के दौरान एक संदिग्ध नाव को नदी से गुजरते देखा गया। जवानों द्वारा रोके जाने पर नाविक ने भागने की कोशिश की, लेकिन पीछा कर नाव को रोक लिया गया। तलाशी लेने पर उसमें से 616 साबुनदानी बरामद की गई, जिनमें गई हेरोइन रखी हुई थी। पुलिस ने नाव से होरोईन के साथ-साथ 50 हजार मेथ की गोलियां भी बरामद की है। पुलिस ने अभियान के दौरान एक व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया है, जिसकी पहचान असम के सिलचर निवासी के रूप में हुई है। अधिकारियों के मुताबिक, जब्त किए गए मादक पदार्थों की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 76 करोड़ रुपये आंकी गई है। आशंका है कि ये ड्रग्स अंतरराष्ट्रीय सीमा पार से लाकर मणिपुर की नदियों के जरिए तस्करी की जा रही थी। हाल के महीनों में यह उत्तर-पूर्व भारत में मादक पदार्थों की सबसे बड़ी बरामदगियों में से एक मानी जा रही है।

आप विधायक अनमोल गगन का इस्तीफा नामंजूर

चंडीगढ़ : पंजाब में सक्रिय राजनीति संन्यास लेने और विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा देने वाली खरड़ विधायक अनमोल गगन मान का इस्तीफा आम आदमी पार्टी ने नामंजूर कर दिया है। रविवार को आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा ने विधायक अनमोल गगन से उसके आवास पर पहुंचकर मुलाकात की और उन्हें पार्टी के फैसले को सुनाया। इसके बाद आआपा प्रदेश अध्यक्ष अमन अरोड़ा ने बताया कि अनमोल गगन पार्टी के लिए काम करती रहेंगी। अनमोल गगन मान ने शनिवार को विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा देने के साथ ही सक्रिय राजनीति से संन्यास लेने का ऐलान किया था।

संसद का मानसून सत्र आज से, सर्वदलीय बैठक में कई विपक्षी दल हुए शामिल

संसद सुचारू रूप से चलाना हम सबकी जिम्मेदारी : किरेन रिजिजू

कांग्रेस ने पीएम मोदी के विदेश दौरे की टाइमिंग पर उठाया सवाल

एजेंसी

नयी दिल्ली : संसद के आगामी मानसून सत्र से पहले रविवार को सरकार ने सर्वदलीय बैठक हुई। बैठक सुबह 11:00 बजे संसद भवन एनेक्सी के मुख्य समिति कक्ष में शुरू हुई। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में सरकार सभी राजनीतिक दलों से संसद के दोनों सदनों के सुचारु संचालन चलाने को लेकर बातकी। बता दें कि इस सत्र में केंद्र सरकार 8 विधेयक पेश करने की योजना बना रही है।

इस बैठक में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता भाग लिया, जहां सरकार का प्रतिनिधित्व संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू और उनके कनिष्ठ मंत्री अर्जुन राम मेघवाल शामिल हुए। कांग्रेस के गौरव गोगोई और जयराम रमेश, राकांपा-शरद पवार की सुप्रिया सुले, द्रमुक के टी.आर. बालू और आरपीआई (ए) नेता एवं केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले भी बैठक में शामिल हुए। संसद का यह मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होकर 21 अगस्त तक चलेगा, जिसमें कुल 21 बैठकें होंगी। गौरतलब है कि 12 अगस्त से 18 अगस्त के बीच कोई बैठक

निर्धारित नहीं की गई है।

कांग्रेस ने पूछे तीन सवाल

सर्वदलीय बैठक में शामिल होने के बाद कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा, इस बार हमें पहले से अधिक उम्मीद है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संसद के माध्यम से देश को संबोधित करेंगे। कई अहम मुद्दे हैं जिन पर सरकार को अपनी बात रखनी चाहिए। पहला मुद्दा पहलगाम का है और उस पर उपराज्यपाल द्वारा दिए गए बयान भी गंभीर हैं। काफी समय बीत चुका है और अब सरकार को इस पर स्पष्ट रूप से अपनी स्थिति संसद में रखनी चाहिए।

उन्होंने कहा, दूसरा मुद्दा अमेरिकी राष्ट्रपति के हालिया बयान से जुड़ा है, जो भारत की गरिमा और हमारी सेना की वीरता पर सवाल उठाने का है। इसका जवाब सिर्फ भारत के प्रधानमंत्री ही दे सकते हैं। तीसरा अहम मुद्दा मतदान के अधिकार और चुनाव प्रक्रिया से जुड़ा है। आज जब चुनाव आयोग विभिन्न राजनीतिक दलों से संवाद से बच रहा है, स्पष्टता नहीं दे रहा है, तो आगामी राज्य चुनावों और लोकतांत्रिक ढांचे पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री की यह जिम्मेदारी बनती है कि वे संसद में आकर सरकार का पक्ष रखें।

गोगोई ने कहा कि तीसरी बात ये है कि हमारे वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने एक बहुत ही संवेदनशील मुद्दा उठाया है। चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ हमारी सीमा पर जो दो-मोर्चे की धुरी बन गई है, वह बहुत महत्वपूर्ण है। इसलिए यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हम रक्षा और विदेश नीति पर बात करें। प्रधानमंत्री मोदी का इस सदन में आना और इन तीनों विषयों पर अपने विचार रखना बहुत महत्वपूर्ण होगा।

आप ने उठाया झुग्गियों का मुद्दा

सर्वदलीय बैठक में शामिल होने के बाद आप सांसद संजय सिंह कहते हैं, मैं सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे जेपी नड्डा से अनुमति लेकर किसी अन्य महत्वपूर्ण बैठक में जा रहा हूं। मैंने अपनी पार्टी की ओर से जो मुद्दा उठाया है, वह यह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति बार-बार कह रहे हैं कि उन्होंने ट्रेड डील के नाम पर सीजफायर करवाया, सरकार को इस पर स्पष्टीकरण देना चाहिए। दिल्ली में झुग्गियां तोड़ी गईं और मैंने यह मुद्दा उठाया है और सरकार को इसे रोकना चाहिए। बिहार में एसआईआर की यह कवायद बंद होनी चाहिए... अगर सरकार जवाब नहीं देती है, तो हम सदन के अंदर और बाहर सवाल उठाएंगे।

इससे पहले मीडिया को संबोधित करते हुए मंत्री रिजिजू ने कहा था कि सरकार महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मामलों और लंबित विधेयकों पर चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा, संसद शुरू होने वाली है। संसद में जो भी मुद्दा आएगा, हम उसे सुनेंगे। कल खरगे जी और राहुल जी के साथ मेरी बहुत अच्छी बैठक हुई। मैं अन्य विपक्षी दलों के नेताओं के साथ नियमित बैठकें करता रहता हूं। एक संसदीय मंत्री होने के नाते, सभी के साथ समन्वय बनाए रखना मेरी जिम्मेदारी है।

सरकार 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा को तैयार

नयी दिल्ली : संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया कि बैठक में सरकार ने सभी राजनीतिक दलों की बातें सुनीं। विपक्ष की मांग थी पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा के वक्त पीएम मोदी भी सदन में मौजूद रहें। इस पर रिजिजू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सदन में मौजूद रहते हैं, भले ही वे सीधे बहस में हिस्सा न लें, लेकिन वे हमेशा संसद परिसर में मौजूद रहते हैं।

चाईबासा में सुरक्षाबलों की कार्रवाई तेज, 14 आईईडी किया बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चाईबासा : जिले में सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के खिलाफ अपने अभियान को तेज करते हुए रविवार को एक बड़ी सफलता हासिल की है। झारखंड जगुआर, सीआरपीएफ, चाईबासा पुलिस और सरायकेला पुलिस के संयुक्त अभियान में 14 इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) बरामद किए गए। प्रत्येक आईईडी का वजन लगभग दो किलो था। ये आईईडीचाईबासा और सरायकेला जिले की सीमा पर स्थित कुचाई के जंगली पहाड़ी क्षेत्र कोचांग के पाससे बरामद किए गए। सुरक्षाबलों ने सभी बरामद आईईडी को मौके पर ही नष्ट कर दिया। चाईबासा पुलिस द्वारा रविवार को दी गई जानकारी के अनुसार, पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन कोगुप्त सूचना मिली थी कि भाकपा माओवादी के नक्सलियों ने पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला जिले के सीमावर्ती जंगली क्षेत्र में भारी मात्रा में गोला-बारूद छिपा रखा है इस गोला-बारूद का उपयोग सुरक्षाबलों को निशाना बनाने के लिए किया जाना था। इस सूचना के आधार पर, सुरक्षाबलों ने तुरंत एक विस्तृत सर्च अभियान शुरू किया, जिसके परिणाम स्वरूप इन 14 आईईडी की बरामदगी हुई। सुरक्षाबलों द्वारा भाकपा माओवादी संगठन के शीर्ष नेताओं और उनके दस्ते के सदस्यों केखिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

त्वरित भुगतान में ग्लोबल लीडर बना भारत, जून में यूपीआई से हुआ 24 लाख करोड़ रुपये का लेनदेन : आईएमएफ

नयी दिल्ली : भारत त्वरित भुगतान में दुनिया में ग्लोबल लीडर के रूप में उभरा है। यूपीआई से अकेले जून माह में 24.03 लाख करोड़ रुपये का लेनदेन 18.39 अरब ट्रांजैक्शन के माध्यम से हुआ है। यह जानकारी अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की ओर से रविवार को जारी किए गए नोट में दी गई। बीते महीने सालाना आधार पर यूपीआई लेनदेन की संख्या में 32 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। पिछले साल जून में यूपीआई लेनदेन की संख्या 13.88 अरब थी। आईएमएफ की रिपोर्ट में बताया गया कि वर्तमान में भारत में सभी डिजिटल लेनदेन में यूपीआई की हिस्सेदारी 85 प्रतिशत और दुनिया भर में सभी रियल टाइम डिजिटल भुगतानों में यूपीआई की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत है। रिपोर्ट में आगे कहा गया कि अब यह प्रतिदिन 64 करोड़ से ज्यादा लेनदेन संभालता है, जो वीजा जैसी वैश्विक दिग्गज कंपनियों से कहीं ज्यादा है, जो प्रतिदिन लगभग 63.9 करोड़ लेनदेन संभालती हैं।

दशरथ मांझी का कच्चा घर अब बनेगा पक्का

एजेंसी

गया : बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दशरथ मांझी को सांकेतिक रूप से ही सही सीएम की कुर्सी पर बैठाने का काम जरूर किया, लेकिन लालू, नीतीश या जीतनराम मांझी ने पिछले 35 वर्षों में उनके कच्चे मकान को पक्का नहीं करवा पाये। अब राहुल गांधी यह काम करवा रहे हैं। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी कुछ महीने पूर्व बिहार आए थे। तब उन्होंने 'माउंटेन मैन' दशरथ मांझी से मुलाकात की थी। राहुल गांधी जब गया जी में 'माउंटेन मैन' के परिवार के लोगों से मिलने गए थे तब उनके कच्चे मकान की दयनीय हालत देखी थी। उस समय उन्होंने दशरथ मांझी के बेटे भगीरथ मांझी से वादा किया था हमारी ओर से आपका पक्का घर बनवाया जाएगा। राहुल गांधी ने बिहार से दिल्ली लौटने के बाद अपने वादे को निभाने की जिम्मेदारी उठाई। उनकी पहल से अब 'माउंटेन मैन' दशरथ मांझी के गांव में उनके परिवार वालों के लिए पक्का मकान बन रहा है। यह दशरथ मांझी के परिवार के लिए सबसे बड़ी खुशी के तौर पर है।

मांझी ने कहा था, 'कच्चे मकान में क्या दिक्कत है'

दशरथ मांझी के परिवार का कहना है कि कई बड़े नेता और अभिनेता उनके घर आए, लेकिन जो काम राहुल गांधी ने किया वह अब तक किसी ने नहीं किया। बिना किसी घोषणा और दिखावे के राहुल गांधी ने 'पर्वत पुरुष' दशरथ मांझी के परिवार के लिए एक ऐसा कदम उठाया, जिसकी किसी को उम्मीद भी नहीं थी। दशरथ मांझी के बेटे भगीरथ मांझी ने कहा कि राहुल गांधी के पहले भी कई नेताओं की उन लोगों से मुलाकात हुई थ। भगीरथ मांझी ने कहा कि यहां तक कि उनकी ही जाति से आने वाले जीतन राम मांझी से जब उनकी मुलाकात हुई थी, तब उन्होंने पक्का मकान की जरूरत को बताया था।

नक्सल मोर्चे पर तैनात सुरक्षा बलों के जवानों का बंद कराया गया सोशल मीडिया अकाउंट

एजेंसी

जगदलपुर : छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग के अंदरूनी इलाकों के नक्सल मोर्चे पर तैनात सुरक्षा बलों की रणनीतिक गोपनीयता को बनाए रखने के लिए एक सख्त कदम उठाया गया है। इसके तहत नक्सल प्रभावित जिलों में तैनात सुरक्षाबल के जवानों को इंटरनेट और सोशल मीडिया से दूर रहने के लिए निर्देशित किया गया है। ऑपरेशन के दौरान मोबाइल उपयोग भी सीमित कर दिया गया है। जवान केवल आपातकालीन या आधिकारिक संपर्क के लिए ही फोन का प्रयोग कर सकेंगे। वीडियो बनाना, फोटो लेना और रिकार्डिंग पूरी तरह प्रतिबंधित कर दी गई है। आपरेशन के बाद मोबाइल की जांच भी अनिवार्य कर दी गई है। जिससे

की किसी भी प्रकार की नक्सल विरोधी अभियान की जानकारी किसी अन्य को नहीं मिल सके। बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने रविवार को बताया कि ऑपरेशन के दौरान जवानों की सुरक्षा सर्वोपरि है। इंटरनेट मीडिया के जरिए आपरेशन की सूचनाएं लीक होने से न केवल रणनीति विफल हो सकती है, बल्कि जवानों की जान भी खतरे में पड़ सकती है। अब सभी जवानों के इंटरनेट मीडिया हैंडल की जिलास्तर पर समीक्षा कर उन्हें हटाया गया है। पुलिस के अनुसार बस्तर संभाग के सातों नक्सल प्रभावित जिलों दंतेवाड़ा, बीजापुर, नारायणपुर, सुकमा, कोंडागांव, कांकेर और बस्तर में तैनात सुरक्षाबलों के जवानों के सभी इंटरनेट मीडिया अकाउंट अब डिलीट करा दिए गए हैं। जवानों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वे फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब जैसे किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफार्म से दूरी बनाए रखें और भविष्य में कोई भी ऑपरेशनल जानकारी साझा न करें। इस निर्णय के पीछे मुख्य वजह पिछले दिनों हुए ऑपरेशन से जुड़ी संवेदनशील जानकारियों का इंटरनेट मीडिया के जरिए लीक होना, बताया जा रहा है। नक्सलियों के शीर्ष कैडर के नक्सली संगठन के महासचिव बसव राजू के मारे जाने के बाद जवानों द्वारा पोस्ट किए गए आपरेशनल वीडियो मिलियन्स व्यूज बटोर रहे थे, जिनमें हथियार, जंगल मार्ग, मुठभेड़ स्थल और यहां तक कि घायल या मारे गए नक्सलियों की तस्वीरें भी शामिल थीं।

समंदर के बीचोबीच धू-धू कर जलने लगा इंडोनेशियाई जहाज, 280 लोग हैं सवार, जान बचाने को पानी में कूदे

एजेंसी

इंडोनेशिया : इंडोनेशिया में यात्रियों से भरे एक जहाज में आग लग गई। आग लगने के बाद केएम बार्सिलोना वीए जहाज में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और लोग जान बचाने के लिए समुद्र में कूदने लगे। यह हादसा उत्तरी सुलावेसी के तालिस द्वीप के समीप हुआ। बताया जा रहा है कि इस जहाज में 280 से ज्यादा लोग सवार थे। आग लगने की पूरी घटना को कई यात्रियों ने अपने मोबाइल में कैद किया। बता दें कि जहाज में दोपहर करीब 1.30 बजे आग लगी। हालांकि अभी तक आग किन कारणों से लगी है उसका पता नहीं चल पाया

है। वहीं इंडोनेशियाई खोज और बचाव दल ने लोगों को निकालने का प्रयास शुरू किया। इस हादसे में कम से कम तीन लोगों के मौत होने की भी खबर सामने आई है।

इस पूरी घटना का सोशल मीडिया पर वीडियो भी वायरल हो रहे है। वीडियो में जहाज के निचले डेक से गहरा काला धुआं उठता हुआ नजर आ रहा है और कुछ ही मिनटों में आग की लपटें ऊपरी डेक तक पहुंच गईं। यात्री घबराहट में इधर-उधर भागने लगे। कई यात्रियों ने लाइफ जैकेट पहनकर समुद्र में छलांग लगा दी, जबकि कुछ माता-पिता अपने बच्चों को गोद में लिए जहाज पर ही रुके रहे।

मछुआरों ने बचाई जान

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में नजर आ रहा है कुछ लोग मदद के लिए चिल्ला रहे है, क्योंकि आग की लपटों ने पूरे जहाज को घेर लिया है। जहाज से काली धुआं आसमान में उठता भी दिखाई दे रहा है। वहीं मछुआरों ने कुछ जीवित बचे लोगों को पानी से बचाया और अपनी नौकाओं से किनारे तक लाए।

150 लोगों को बचाया

प्रांतीय खोज एवं बचाव कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी वेरी अरियान्टो ने शिन्हुआ को बताया कि तीन लोग मारे गए है और करीब 150 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया। उन्हें संयुक्त बचाव दल और स्थानीय मछुआरों की नौकाओं द्वारा बचाया गया।

नाव पलटने से 38 लोगों की हुई थी मौत

बता दें कि एक दिन पहले ही वियतनाम में एक पर्यटक नाव के पलटने से 38 लोगों की मौत हो गई थी। इंडोनेशिया में यात्री जहाजों में ओवरलोडिंग और सुरक्षा मानकों की अनदेखी जैसी समस्याएं आम हैं, जो ऐसी दुर्घटनाओं को और घातक बनाती हैं।

चीन ने तिब्बत में ब्रह्मपुत्र पर शुरू किया दुनिया का सबसे बड़ा बांध निर्माण

एजेंसी

नयी दिल्ली : चीन ने तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर एक विशाल बांध का निर्माण शुरू कर दिया है। यह प्रोजेक्ट दुनिया का सबसे बड़ा बांध बनने वाला है, जिसकी लागत करीब 167.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर है। इस प्रोजेक्ट का आकार चीन के पहले बनाए गए थ्री गॉर्जेस बांध से भी कहीं बड़ा होगा। चीन ने इसे तिब्बत के न्यिंगची शहर के पास ब्रह्मपुत्र नदी के निचले हिस्से में शुरू किया है। इस विशाल बांध के कारण भारत में सुरक्षा और पर्यावरण की चिंताएं तेज हो गई हैं। आइए जानते हैं इस प्रोजेक्ट और भारत के लिए इसकी संभावित चुनौतियों के बारे में विस्तार से।

चीन के इस नए बांध का निर्माण तिब्बत के न्यिंगची क्षेत्र में ब्रह्मपुत्र नदी पर हो रहा है। यह बांध पांच हाइड्रो पावर स्टेशनों का समूह होगा, जिसकी कुल लागत लगभग 1.2 ट्रिलियन युआन यानी 167.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर आंकी गई है। इसे चीन का सबसे बड़ा और दुनिया का सबसे विशाल इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट माना जा रहा है। यह प्रोजेक्ट थ्री गॉर्जेस बांध से भी बड़ा होगा, जिसे अब तक विश्व का सबसे बड़ा बांध माना जाता था। चीन ने 2015 में तिब्बत में जम हाइड्रो पावर स्टेशन शुरू कर दिया था, जिसकी लागत 1.5 बिलियन डॉलर थी। उस प्रोजेक्ट के बाद यह नया बांध उससे भी कई गुना बड़ा है। इसे चीन के प्रधानमंत्री ने न्यिंगची में भूमि पूजन के साथ औपचारिक रूप से शुरू किया।

एक नजर

पूर्व मंत्री सत्यानंद भोक्ता पहुंचे डमडोईया गांव

चतरा : राज्य के पूर्व मंत्री सत्यानंद भोक्ता रविवार को चतरा सदर प्रखंड के ग्राम डमडोईया पहुंचे। वे पूर्व 20 सूत्री प्रखंड उपाध्यक्ष उपेंद्र दांगी की माता के श्राद्ध कार्यक्रम में शामिल हुए। भोक्ता ने दिवंगत के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने की प्रार्थना की। उन्होंने शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और कहा कि दुख की इस घड़ी में वे परिवार के साथ हैं। कार्यक्रम में राजद जिलाध्यक्ष नवल किशोर यादव भी उपस्थित थे।

जेल से रिहा हुए चित्तरंजन महतो जेएलकेएम कार्यालय में हुआ स्वागत

झिमरी : सरायकेला में लव जिहाद के विरोध में हुए जनआंदोलन के दौरान गिरफ़्तार किए गए सामाजिक कार्यकर्ता चित्तरंजन महतो को आज जेल से रिहाई प्राप्त हुई। इस अवसर पर झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के ईचागढ़ विधानसभा प्रधान कार्यालय में एक विशेष स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। स्वागत समारोह में पार्टी के केंद्रीय सचिव गोपेश्वर महतो ने चित्तरंजन महतो को अंगवस्त्र भेंट कर उनका अभिनंदन किया और उनके संघर्ष, साहस और सामाजिक प्रतिबद्धता को सलाम किया। उन्होंने कहा कि, चित्तरंजन महतो जैसे कार्यकर्ताओं की संघर्ष को जेएलकेएम कभी नहीं भूलेगा। यह रिहाई न्याय की दिशा में एक सकारात्मक संकेत है, लेकिन असली लड़ाई अब भी जारी है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवा मोर्चा के कार्यकर्ता, स्थानीय ग्रामीण, पार्टी पदाधिकारी एवं सामाजिक प्रतिनिधि उपस्थित थे। सभी ने एक स्वर में यह संकल्प लिया कि जेएलकेएम अन्याय और असामाजिक तत्वों के खिलाफ शांतिपूर्ण लेकिन सशक्त संघर्ष करता रहेगा। पार्टी ने यह भी स्पष्ट किया कि वह पूरे मामले पर नजर बनाए हुए है और सभी निर्दोष लोगों की रिहाई तक कानूनी व जनांदोलनों के माध्यम से लड़ाई जारी रखेगी। कार्यक्रम में उपस्थित गोपेश्वर महतो केंद्रीय सचिव, विद्रोही बिष्णु केंद्रीय उपाध्याय युवा मोर्चा, पूर्णशशि महतो चांडिल प्रखंड अध्यक्ष, आकाश महतो केंद्रीय महामंत्री युवा मोर्चा, सुरेश महतो, पंकज महतो, दिनेश, हेमंत महतो, रामबिलास, मौसम , निक्की तंतूबाई, लालटू, संतोष, बीटू एवं सैकड़ों पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद थे।

नदी में डूबने से एक की मौत

खूंटी : तपकारा थाना क्षेत्र की बुदुनदाय नदी में डूबने से शनिवार को जॉन टोपनो(52) की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार लतौली गांव निवासी जॉन टोपनो शनिवार की शाम को नदी की ओर गया था और नदी की तेज धार में बह गया। कुछ लोगों की नजर उस पर पड़ी और उसे निकालने का प्रयास किया गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव का रविवार को सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम कराने के बाद व्यजनों को सौंप दिया। घटना की जानकारी मिलने पर तोरपा के विधायक सुदीप गुड़िया रविवार को सुबी लतौली गांव पहुंचे और जॉन के परिवार वालों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। उन्होंने पीड़ित परिवार को खाद्य सामग्री भी उपलब्ध कराई। अधिकारियों से बात कर पीड़ित परिवार को अविलंब मुआवजा देने का निर्देश दिया।

हर नागरिक की समस्या मेरी जिम्मेदारी, विकास कार्यों में कोई ढिलाई बर्दाश्त नहीं होगी : विधायक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : सदर विधानसभा क्षेत्र से विधायक प्रदीप प्रसाद ने अपने क्षेत्र के दौरे के क्रम में रविवार को कृष्णापुरी वार्ड संख्या 7 का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के नागरिकों के साथ चौपाल लगाई और वहां उपस्थित लोगों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। क्षेत्रवासियों ने अपने जीवन से जुड़ी कई महत्वपूर्ण समस्याओं को उनके समक्ष रखा, जिनमें मुख्य रूप से गली-नाली की जर्जर स्थिति, सड़कों की खराब दशा, बिजली आपूर्ति की समस्या और कई स्थानों पर स्ट्रीट लाइट व खंभों की कमी जैसी बुनियादी परेशानियां शामिल रहीं। स्थानीय नागरिकों ने विधायक को बताया की इन समस्याओं के कारण उन्हें रोजमर्रा के जीवन में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों की बातों को ध्यानपूर्वक सुनने के बाद विधायक ने मौके पर ही संबंधित विभागों के अधिकारियों को फोन कर इन समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा की क्षेत्र की जनता की समस्याओं का समाधान उनकी प्राथमिकता में शामिल है। विधायक प्रदीप प्रसाद ने बातचीत के दौरान कहा की सदर विधानसभा का प्रत्येक नागरिक उनके परिवार का हिस्सा है और उनका कर्तव्य है की वे हर व्यक्ति की समस्याओं को अपनी समस्या समझकर उसका समाधान कराएं। उन्होंने आश्वासन दिया की सभी समस्याओं का समाधान शीघ्र ही किया जाएगा ताकि क्षेत्र की जनता को राहत मिल सके और विकास की धारा निरंतर बहती रहे। अपने दौरे के दौरान विधायक कृष्णापुरी क्षेत्र के निवासी केपी यादव जी आवास पर भी पहुँचे, जहां उन्होंने लोगों के साथ चाय पर चर्चा की और क्षेत्र की अन्य जमीनी समस्याओं से भी अवगत हुए। उन्होंने उपस्थित लोगों से क्षेत्र की प्रगति और विकास कार्यों पर फीडबैक लिया और यह भरोसा दिलाया की विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मौके पर समाजसेवी बाटेश्वर मेहता, केपी यादव, किशोर कुमार, राजेश कुमार, नरेश कमार, धनेश्वर प्रसाद, मंटु कुमार, बसंत कुमार, जेपी सिह सहित सैकडों की संख्या मे लोग उपस्थित थे।

हरियाली ही जीवन का आधार है : प्रदीप प्रसाद

हजारीबाग : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए वर्ष 2025 में एक लाख इक्यावन हजार पौधे लगाने और वितरित करने का संकल्प लिया है। इस संकल्प के तहत वे न केवल स्वयं पौधे लगाएंगे बल्कि आम नागरिकों को भी प्रेरित करेंगे की वे अपने घरों और आस-पास के क्षेत्रों में पौधे लगाकर हजारीबाग को हरा-भरा बनाने में सहभागी बनें। रविवार को इस अभियान के तहत मटवारी गांधी मैदान में विधायक प्रदीप प्रसाद ने सैकड़ों नागरिकों के बीच फलदार पौधों का वितरण किया। कार्यक्रम में आम, अमरूद, कटहल, आंवला समेत विभिन्न प्रकार के पौधों का वितरण किया गया। पौधों को प्राप्त करते हुए नागरिकों ने संकल्प लिया की वे इन पौधों को अपने बच्चों की तरह पालेंगे और उनकी उचित देखभाल कर हजारीबाग की हरियाली को संरक्षित करेंगे। इस अवसर पर विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा की हरियाली ही जीवन का आधार है। पौधा लगाना केवल एक कर्म नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक अमूल्य धरोहर छोड़ने का प्रयास है।

श्रावणी मेला को लेकर खैरातरी में विवाद गहराया, बड़कागांव समिति ने मांगी सुरक्षा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव बुढ़वा महादेव शांति सह विकास समिति करणपुरा क्षेत्र बड़कागांव का द्वंद बुढ़वा महादेव विकास समिति कांडतरी के बाद अब खैरातरी के ग्रामीणों के बीच विवाद शुरू हो जाने का मामला प्रकाश में आया है। इस संबंध में बुढ़वा महादेव शांति सह विकास समिति सह श्रावणी मेला समिति कर्णपुरा क्षेत्र बड़कागांव द्वारा बड़कागांव थाना प्रभारी के नाम एक आवेदन देते हुए खैरातरी के ग्रामीण पर बुढ़वा महादेव महुदी पहाड़ मंदिर प्रांगण में श्रावणी मेला मे अशांति फैलाने की आशंका सहित कई गंभीर आरोप लगाते हुए सुरक्षा की मांग की गई है। दिए गए आवेदन में कहा गया है कि बुढ़वा महादेव शांति सह विकास समिति वर्षों से मंदिर प्रांगण में विकास योजनाएं जैसे यज्ञ मंडप, मंदिर परिषद शुद्धिकरण, शिवरात्रि में शिव बारात, श्रावणी मेला का आयोजन करता आ रहा है। लेकिन इस वर्ष खैरातरी का कुछ उपद्रवी सावन के पहले ही लाइट साउंड लगाकर मनोहर प्रसाद सिंहा, बालेश्वर महतो एवं सरजू महतो द्वारा अवैध चंदा के नाम पर वसूली शुरू कर दिया गया है। जबकि श्रावणी मेला के लिए बुढ़वा महादेव शांति सह विकास समिति के नेतृत्व में श्रावणी मेला समिति कर्णपुरा क्षेत्र बड़कागांव का गठन किया गया जिसमें अध्यक्ष विकास कुमार, सचिव हुलास प्रसाद दांगी कोषाध्यक्ष राम चरित्र प्रसाद दांगी सहित कई लोग संरक्षक एवं सदस्य हैं। उक्त उपद्रवियों द्वारा अवैध चंदा वसूली पर समिति खासे नाराज है। साथ ही साथ खैरातरी के कथा कथित उक्त व्यक्तियों द्वारा श्रावणी मेला में अशांति फैलाते हुए मारपीट करने की प्रबल संभावना है। इस प्रबल संभावना को देखते हुए उक्त लोगों पर कार्रवाई करने की मांग की गई है। आवेदन का प्रतिलिपि अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पुलिस निरीक्षक, अंचलाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, रेंजर एवं चिकित्सा प्रभारी बड़कागांव को दी गई है। इस संबंध में बुढ़वा महादेव महुदी पहाड़ हनुमान मंदिर एवं गेट निर्माण समिति खैरातरी के अध्यक्ष मनोहर सिंहा, सचिव कामेश्वर महतो एवं कोषाध्यक्ष बालेश्वर महतो ने कहा है कि हम लोग 2008 से मंदिर प्रांगण में श्रावणी मेला का आयोजन गांव के चंदा के सहयोग करते आ रहे हैं। मंदिर के प्रांगण में दान पेटी रखा हुआ है जिसमें जिनको सहयोग देना होता है वह स्वेच्छा से देते हैं। क्षेत्र में किसी प्रकार की कोई चंदा चिट्ठा हम लोग नहीं करते हैं। इस वर्ष भी मंदिर प्रांगण से लेकर द्वारपाल होते हुए हथिया पत्थर तक लाइटिंग की व्यवस्था हम लोग द्वारा किया गया।

जन्म एवं मृत्यु निबंधन पर पंचायत सचिवों को दिया गया प्रशिक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह के निदेशानुसार रविवार को प्रमंडलीय पंचायत प्रशिक्षण केंद्र, जबरा, हजारीबाग में जिले के सभी पंचायत सचिवों को जन्म एवं मृत्यु निबंधन से संबंधित महत्वपूर्ण प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य पंचायत स्तर पर जन्म एवं मृत्यु निबंधन की प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी एवं सटीक बनाना था। प्रशिक्षण सत्र का संचालन जिला सांख्यिकी पदाधिकारी मुलिन मरांडी द्वारा किया गया, जिसमें उन्होंने निबंधन अधिनियम की धाराओं, नियमों एवं कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही, अमरनाथ गुप्ता एवं प्रकाश कुमार (कंप्यूटर ऑपरेटर) द्वारा तकनीकी प्रशिक्षण भी दिया गया, जिसमें निबंधन प्रणाली में ऑनलाइन प्रविष्टि, डेटा प्रबंधन एवं पोर्टल उपयोग की प्रक्रिया पर विशेष बल दिया गया। इस अवसर पर जिला पंचायती राज पदाधिकारी रजत अनूप कश्यप सहित सभी प्रखंड सांख्यिकी प्रवेक्षक उपस्थित रहे। जिला प्रशासन द्वारा भविष्य में भी इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से पंचायत प्रतिनिधियों और कर्मियों को अद्यतन जानकारी प्रदान कर सेवाओं की गुणवत्ता को और बेहतर करने की दिशा में कार्य करेगा।

प्रदेश कांग्रेस के उप प्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष आज आएंगे हजारीबाग

प्रदेश उप प्रभारी प्रदेश अध्यक्ष

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : संगठन सृजन 2025 के तहत कार्मल स्कूल चौक स्थित पैराडाइज बैक्वेट हॉल में 21 जूलाई दिन सोमवार को पूर्वाह्न 11 बजे जिला कांग्रेस कमिटी के तत्वावधान में हजारीबाग, रामगढ़, चतरा, कोड़रमा जिला के प्रखंड पर्यवेक्षक प्रखंड अध्यक्ष तथा मंडल अध्यक्षों का एकदिवसीय प्रशिक्षण शिविर कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। आयोजित प्रशिक्षण शिविर कार्यक्रम में अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के सचिव सह झारखंड प्रदेश कांग्रेस के उप प्रभारी डॉ. सिरीबेला प्रसाद तथा झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश जी झारखंड प्रदेश कांग्रेस के मीडिया चेयरमैन सतीश पाल मुंजनी के अतिरिक्त झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के कई पदाधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे।

पेड़ों की कटाई और बारिश बनी भूस्खलन की वजह, मिर्जापुर पहाड़ बना खतरा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : कर्णपुरा संवेदक संघ की बैठक शनिवार को बड़कागांव आर एंड आर कॉलोनी ढेंगा में की गई। बैठक की अध्यक्षता कर्णपुरा संवेदक संघ के अध्यक्ष लीलाधन प्रजापति एवं संचालन संघ के सचिव मुजाहिद खान के द्वारा किया गया। बैठक में मुख्य रूप से संघ की मजबूती सहित कई मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया।बैठक की अध्यक्षता कर रहे कर्णपुरा संवेदक संघ के अध्यक्ष लीलाधन प्रजापति ने एनटीपीसी बाहरी लोगों को टेंडर देने का कार्य कर रही है। जबकि 50 लाख तक का कार्य स्थानीय संवेदक को देना अनिवार्य है। बाहरी संवेदक को टेंडर देने के मामले को लेकर संवेदक संघ के द्वारा नाराजगी जताई गई। और एनटीपीसी से मांग किया गया कि स्थानीय संवेदकों को 50 लाख तक का कार्य देने के अपील की गई। और कहा गया कि यदि कंपनी स्थानीय संवेदक को कार्य नहीं देती है तो मजबूर होकर आंदोलन किया जाएगा। जिसकी जवाब दे ही कंपनी की होगी। बैठक में मुख्य रूप से संवेदक संघ के अध्यक्ष लीलाधन प्रजापति, सचिव मुजाहिद खान, बादल कुमार, अभिषेक कुमार, दयानंद कुमार, आदित्य कुमार, पंकज कुमार, मनोज कुमार, उमेश कुमार, विपिन कुमार, शिवम कुमार, मोहम्मद तस्दीक, मोहम्मद इसराफिल, रविंद्र कुमार एंव मुकेश कुमार सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे। उक्त आशय की जानकारी प्रेस विज्ञती जारी कर सचिव मुजाहिद खान के द्वारा दी गई।

हजारीबाग श्रम विभाग ने प्रवासी श्रमिकों के सर्वेक्षण और पुनर्वास पर कार्यशाला का किया आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : श्रम अधीक्षक, हजारीबाग के अध्यक्षता में आज विष्णुगढ़ प्रखंड में प्रवासी श्रमिकों के मुद्दे पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में मुखिया, पंचायत समिति और वार्ड सदस्यों के साथ बातचीत की गई और प्रवासी श्रमिकों के अधिकारों और समस्याओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने और श्रमधान पोर्टल पर प्रवासी श्रमिकों के निबंधन पर चर्चा की गई। कार्यशाला का उद्देश्य प्रवासी श्रमिकों को उनके अधिकारों के प्रति सजग करना और उन्हें अपने हितों की रक्षा करने में मदद करना था। श्रम विभाग के अधिकारियों ने झारखंड भवन एवं अन्य सनिर्माण कर्मकार कल्याण श्रमिक, असंगठित श्रमिक, प्रवासी श्रमिक और अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी श्रमिकों के मुद्दों पर चर्चा की और उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक किया। झारखण्ड प्रवासी नियंत्रण कक्ष की टीम लीडर शशि लकड़ा के द्वारा पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन दिया गया। इसमे उन्होंने लोगों को बताया कि नियंत्रण कक्ष अंतर्राज्यीय प्रवासी एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कार्य कर रहे श्रमिकों को उनके समस्या से संबंधित कार्य करती है। उन्होंने बताया कि राज्य के बाहर किसी अन्य राज्य में प्रवासी श्रमिकों की दुर्घटना में मृत्यु होती है तो राज्य सरकार की प्रवासी योजना के तहत दो लाख रुपये देय है इसमें पचास हजार रुपये शव लाने हेतु दी जाती है। सामान्य मृत्यु में भी शव लाने के लिए पचास हजार रुपये देय है। वहीं अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी मजदूर की मृत्यु किसी अन्य देश में दुर्घटना से हो जाती है तो मृतक मजदूर के आश्रित को पाँच लाख रुपये देय है। योजना के लाभ लेने हेतु मृतक श्रमिक के मृत्यु प्रमाण पत्र, पोस्टमार्टम प्रमाण पत्र श्रम कार्यालय में जमा करना जरूरी है। इस अवसर पर विष्णुगढ़ के प्रखंड विकास पदाधिकारी अखलेश कुमार, श्रम अधीक्षक हजारीबाग अनिल कुमार रंजन शिखा लकड़ा, राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष, श्रम विभाग और सामाजिक कार्यकर्ता असलम अंसारी मौजूद थे । उन्होंने प्रवासी श्रमिकों के मुद्दों पर चर्चा की और उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए श्रम विभाग के अधिकारियों की सराहना की। कार्यशाला में उपस्थित मुखिया, पंचायत समिति और वार्ड सदस्यों ने अपने विचार व्यक्त किए और प्रवासी श्रमिकों के मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने श्रम विभाग के अधिकारियों से अनुरोध किया कि वे प्रवासी श्रमिकों के लिए और अधिक जागरूकता अभियान चलाएं और उन्हें उनके अधिकारों के प्रति सजग रहें।

संक्षिप्त खबरें

कंपनी स्थानीय नहीं बाहरी संवेदक को दे रहा है कार्य : अध्यक्ष

बड़कागांव : कर्णपुरा संवेदक संघ की बैठक शनिवार को बड़कागांव आर एंड आर कॉलोनी ढेंगा में की गई। बैठक की अध्यक्षता कर्णपुरा संवेदक संघ के अध्यक्ष लीलाधन प्रजापति एवं संचालन संघ के सचिव मुजाहिद खान के द्वारा किया गया। बैठक में मुख्य रूप से संघ की मजबूती सहित कई मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया। बैठक की अध्यक्षता कर रहे कर्णपुरा संवेदक संघ के अध्यक्ष लीलाधन प्रजापति ने एनटीपीसी बाहरी लोगों को टेंडर देने का कार्य कर रही है। जबकि 50 लाख तक का कार्य स्थानीय संवेदक को देना अनिवार्य है। बाहरी संवेदक को टेंडर देने के मामले को लेकर संवेदक संघ के द्वारा नाराजगी जताई गई। और एनटीपीसी से मांग किया गया कि स्थानीय संवेदकों को 50 लाख तक का कार्य देने के अपील की गई। और कहा गया कि यदि कंपनी स्थानीय संवेदक को कार्य नहीं देती है तो मजबूर होकर आंदोलन किया जाएगा। जिसकी जवाब दे ही कंपनी की होगी। बैठक में मुख्य रूप से संवेदक संघ के अध्यक्ष लीलाधन प्रजापति, सचिव मुजाहिद खान, बादल कुमार, अभिषेक कुमार, दयानंद कुमार, आदित्य कुमार, पंकज कुमार, मनोज कुमार, उमेश कुमार, विपिन कुमार, शिवम कुमार, मोहम्मद तस्दीक, मोहम्मद इसराफिल, रविंद्र कुमार एंव मुकेश कुमार सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे। उक्त आशय की जानकारी प्रेस विज्ञती जारी कर सचिव मुजाहिद खान के द्वारा दी गई।

संस्कृत विभाग के पूर्ववर्ती छात्रों का मिलन समारोह का हुआ आयोजन

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग में शनिवार को पूर्ववर्ती छात्रों का मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ अंजुम आरा ने की। पूर्ववर्ती छात्रों का स्वागत पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ नकुल पाण्डेय ने किया। मौके पर पूर्ववर्ती छात्रों ने अपने अनुभवों से द्वितीय एवं चतुर्थ समसत्र के छात्रों का मार्गदर्शन किया। सर्वप्रथम +2 शिक्षिका सुभाषिनी कुमारी ने अपने अनुभवों एवं विद्यालय में संस्कृत शिक्षकों के समक्ष आने वाली परेशानियों से सबको अवगत कराया। +2 शिक्षिका सुनीता कुमारी ने अपने अनुभव कथन में अपने संघर्ष को बताया। इसके बाद +2 शिक्षक सुनील कुमार ने अपने वक्तव्य में विद्यालयों में विद्यार्थियों के संस्कृत के प्रति हो रहे अरुचि से अवगत कराया। +2 शिक्षक अभय कुमार पांडेय ने अपनी सफलता से विद्यार्थियों को अवगत कराया तथा उनका मार्गदर्शन किया। डॉ सुबोध कुमार साहु, सहायक प्राध्यापक, ने अपने जीवन के अनुभवों को साझा करते हुए विभाग के विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। +2 शिक्षिका मोनिका कुमारी ने अपने संघर्ष एवं मेहनत से विद्यार्थियों को परिचित कराया। +2 शिक्षक पप्पू कुमार यादव ने अपने अनुभवों से विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर द्वितीय एवं चतुर्थ समसत्र की छात्राओं ने नाटक की प्रस्तुति दी। इसके बाद डॉ नकुल पाण्डेय ने अपने आशीर्वचनों से पूर्ववर्ती एवं वर्तमान छात्रों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने मुख्य रूप से +2 शिक्षकों को आ रही समस्याओं को दूर करने हेतु मार्गदर्शन किया। इसके उपरान्त विभागाध्यक्ष डॉ अंजुम आरा ने अपने अध्यक्षीय भाषण में पूर्ववर्ती छात्रों को आशीर्वाद दिया तथा उनको विभाग के विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करने हेतु धन्यवाद दिया। मंच संचालन चतुर्थ समसत्र के विद्यार्थी सुरज कुमार एवं गणेश कुमार ने किया।

देवघर के बाबा बैद्यनाथ धाम में श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

देवघर : सावन माह के शुरू होते ही देवघर के विश्व प्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ धाम में लगातार श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। रविवार को सुबह दसवें दिन सुबह 04 :17 से मंदिर का पट खुलते ही जलार्पण शुरू हो गया है। बाबा बैद्यनाथ की नगरी देवघर में शिवभक्तों की गूंज से पूरा रूट लाइन गुंजायमान है और सभी कांवरिया कतारबद्ध होकर बाबा का जयघोष करते हुए जलार्पण के लिए निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। देश के हर कोने और विदेश से भी भक्त भोलेनाथ को जलार्पण करने आ रहे है। जिला प्रशासन के अनुसार शनिवार रात श्रद्धालुओं की कतार बीएड कॉलेज तक पहुंच गई थी, जिसके बाद तड़के सुबह 04 :19 बजे से जलार्पण शुरू हुआ। शनिवार रात तक जलार्पण करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 1,90,161 थी। साथ ही बाह्य अर्घा के माध्यम से 48,965, आंतरिक अर्घा से 1,29,756 एवं शीघ्र दर्शनम कूपन 11440 से श्रद्धालुओं ने जलार्पण किया था। वहीं, उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा की ओर से रविवार को जानकारी दी गई है कि सावन मेला के अवसर पर प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों और कर्मियों की ओर से अपनी अस्वस्थता का कारण दिखाते हुए मेला ड्यूटी से विमुक्ति का अनुरोध पत्र काफी संख्या में प्राप्त हो रहे हैं। ऐसे में असैनिक शल्य चिकित्सक-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी को निर्देश दिया गया है कि इस निमित्त एक त्रिसदस्यीय मेडिकल बोर्ड का गठन करते हुए उपायुक्त कार्यालय को इसकी सूचना उपलब्ध करायी जाए, ताकि पूर्व अस्वस्थता के आधार पर प्रतिनियुक्ति से मुक्त किये गये दण्डाधिकारी, कर्मी (सूची संलग्न) को मेडिकल बोर्ड के समक्ष उपस्थित होकर अस्वस्थता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने का निर्देशित किया जा सके। साथ ही आगे इस प्रकार के आवेदन प्राप्त होने पर संबंधित पदाधिकारियों, कर्मियों का मेडिकल बोर्ड के माध्यम से अस्वस्थता प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराये जाने के पश्चात ही आवश्यक निर्णय लिया जा सकेगा। इस प्रकार विमुक्त किये गये दण्डाधिकारी, कर्मी एवं अन्य अभ्यावेदनकर्ता को मेडिकल बोर्ड की ओर से निर्गत अस्वस्थता प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं किये जाने पर वे नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई के पात्र होंगे।

लातेहार जिला मुख्यालय में पहुंचा जंगली हाथी

लातेहार : लातेहार जिला मुख्यालय में रविवार को अचानक एक जंगली हाथी आ धमका। शहरी क्षेत्र में जंगली हाथी को देखकर अफरा- तफरी मच गई थी। लगभग 5 घंटे के मशक्कत के बाद वन विभाग की टीम ने हाथी को जिला मुख्यालय से बाहर खदेड़ा गया। वर्तमान समय में उक्त हाथी लातेहार सदर थाना क्षेत्र के तरवाडीह गांव के आसपास भटक रहा है। मिली जानकारी के अनुसार रविवार की सुबह शहर के धरमपुर के एरिया में अचानक जंगली हाथी को देखकर लोगों में हड़कंप मच गया था। जंगली हाथी के द्वारा यहां एक महिला के घर के बाहर बाउंड्री को तोड़ दिया गया। शहर में हाथी आने की सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम तत्काल वहां पहुंची और जंगली हाथी को शहर से बाहर खदेड़ने का प्रयास किया। इसके बाद हाथी लातेहार पुलिस लाइन के पास पहुंचकर वहां भी एक घर के बाउंड्री को तोड़ दिया। हाथी को देखने के लिए लोगों की काफी संख्या में भीड़ लग जाने के कारण हाथी को भगाने में वन विभाग को काफी मुश्किल हो रही थी। बाद में पुलिस के सहयोग से लोगों की भीड़ हटाई गई। उसके बाद हाथी को शहर से निकाला गया। बाद में हाथी लातेहार रेलवे स्टेशन के ट्रैक से होते हुए तरवाडीह की ओर चला गया। इधर इस संबंध में लातेहार वन क्षेत्र पदाधिकारी नंदकुमार महतो ने कहा कि जंगली हाथी अपने झुंड से भटक कर आ गया है।

राज्य में पॉक्सो कोर्ट का काम भी अफसर ही कर रहे : अजय साह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के लातेहार जिले के एक मिशनरी स्कूल में सामने आए बड़े स्तर पर यौन अपराध के मामले को लेकर भाजपा ने झारखंड सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि राज्य में पॉक्सो कोर्ट का काम भी अफसर ही कर रहे है। रविवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में प्रेसवार्ता के दौरान प्रदेश प्रवक्ता अजय साह ने कहा कि राज्य के वरिष्ठ पदाधिकारी, विशेष रूप से शिक्षा सचिव और जिला प्रशासन, पूरे प्रकरण को दबाने और लीपापोती करने का प्रयास कर रहे हैं। साह ने स्पष्ट किया कि पॉक्सो एक्ट की धारा 19 और 21 के अनुसार, यदि किसी नाबालिग के साथ यौन अपराध की जानकारी किसी को भी होती है तो उसे लिखित रूप में पुलिस को सूचित करना अनिवार्य है।

साथ ही, पुलिस को यह मामला 24 घंटे के भीतर सीडब्ल्यूसी (चाइल्ड वेलफेयर कमेटी) और पॉक्सो कोर्ट में दर्ज करना होता है।

उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के शंकर किसनराव खाडे बनाम महाराष्ट्र राज्य मामले का हवाला देते हुए कहा कि यदि यौन हिंसा की जानकारी होने के बावजूद लिखित सूचना नहीं दी जाती है तो संबंधित व्यक्ति पर पॉक्सो एक्ट की धारा 21 के तहत आपराधिक मामला बनता है। उन्होंने प्रेसवार्ता के दौरान एक ऑडियो क्लिप सुनाते हुए कहा कि छात्राओं ने साफ तौर पर आरोप लगाए हैं कि स्कूल के एक फादर द्वारा पिछले दो वर्षों से यौन अपराध किया जा रहा है, वह भी एक से अधिक छात्राओं के साथ। इसके बावजूद अब तक पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज नहीं किया गया है, जो कानून की खुली अवहेलना है। प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि पॉक्सो एक्ट की किस धारा के तहत शिक्षा सचिव या अन्य अफसर जांच और निर्णय का अधिकार रखते हैं? क्यों एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी पॉक्सो कोर्ट में मामला दर्ज नहीं हुआ? उन्होंने मांग की कि इस गंभीर यौन हिंसा के मामले में तत्काल पॉक्सो एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज की जाए. इसके अलावा झारखंड हाई कोर्ट के ह्लजुवेनाइल जस्टिस कम पॉक्सो कमिटीह्व की निगरानी में पूरे प्रकरण की जांच हो। उन्होंने कहा कि जो भी पदाधिकारी मामले को दबाने में संलिप्त पाए जाएं, उनके खिलाफ पॉक्सो एक्ट की धारा 21 और अन्य आपराधिक धाराओं के तहत सख्त कार्रवाई की जाए।

एक नजर

मांडर में दर्ज की गई 140 मिमी बारिश

रांची : राजधानी रांची के मांडर में पिछले 24 घंटे के दौरान सबसे अधिक 140.2 मिलीमीटर बारिश रिकार्ड की गई। मौसम विभाग के अनुसार आनेवाले कुछ दिनों में राज्य के विभिन्न इलाकों में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होने की संभावना है। विभाग की ओर से रविवार को दी गई जानकारी के अनुसार 21 और 22 जुलाई को राज्य के कुछ स्थानों पर गर्जन के साथ हल्की बारिश और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की आशंका है। वहीं 23 जुलाई को राज्य के पश्चिमी और दक्षिणी इलाकों में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की आशंका है इसके अलावा कुछ इलाकों में 30 से 40 किलोमीटर की रफ्तार से तेज हवा चलने की आशंका है। इधर, रविवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से बादल छाए रहे। हालांकि इस दौरान बारिश नहीं हुई। रविवार को रांची में अधिकतम तापमान 30.7 डिग्री, जमशेदपुर में 35.4, डाल्टनगंज में 33.8, बोकारो में 32.2 और चाईबासा में अधिकतम तापमान 36.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

श्री श्याम मन्दिर में शिवलिंग का हुआ महारुद्राभिषेक

रांची : श्री श्याम मन्दिर में रविवार को सावन मास पर मन्दिर में विराजमान शिवलिंग का महारुद्राभिषेक किया गया। इस अवसर पर भोले बाबा के सभागृह और पूरे शिव परिवार का भव्य श्रृंगार किया गया। श्री श्याम मण्डल के अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश बागला ने सपत्नीक संकल्प पूजन कराया। रूद्राभिषेक प्रधान आचार्य पंडित श्याम सुंदर भारद्वाज के दिशा निर्देशन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाएं एवं पुरुष शिव भक्ति में लीन दिखे। क्रमवार मण्डल के सभी सदस्य और उपस्थित भक्तजन ने रूद्राभिषेक में भाग लिया। ओम नमः शिवाय के जाप से पूरा मन्दिर परिसर शिव मय हो गया। रूद्राभिषेक के सम्पन्न होने पर भोले बाबा का महाआरती और प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में धीरज बंका, राजेश सारस्वत, विवेक ढांढनीयां, प्रदीप अग्रवाल, विकाश पाडिया, महेश सारस्वत, प्रियांश पोद्दार, राजेश सारस्वत, नितेश लखोटिया मौजूद थे।

नागपुरी भाषा परिषद के अध्यक्ष बने प्रमोद राय

रांची : नागपुरी भाषा, साहित्य और संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए कार्यरत नागपुरी भाषा परिषद की बैठक रविवार को परिषद के पंडरा स्थित कार्यालय में सम्पन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से परिषद की नई कार्यकारिणी कमेटी का गठन किया गया। कमेटी में प्रमोद कुमार राय को अध्यक्ष, डॉ उमेश नंद तिवारी, हरिनंदन महली और राकेश रमन को उपाध्यक्ष, डॉ शकुंतला मिश्र को महामंत्री, डॉ संजय कुमार षाडंगी को संयुक्त सचिव, डॉ सुखदेव साहू और रामदेव बड़ाइक को सचिव, डॉ रामकुमार को कोषाध्यक्ष और डॉ कोरनेलियुस मिंज को मीडिया प्रभारी बनाया गया। वहीं पद्मश्री मुकुंद नायक, डॉ कुमारी वासंती, क्षितिश कुमार राय, धनेन्द्र प्रवाही, डॉ प्रमोद कुमार राय, मनोहर महंती को संरक्षक मनोनीत किया गया। कार्यकारिणी के सदस्य के रूप में डॉ कारनेलियुस मिंज, डॉ सुभाष साहू, डॉ मनोज कच्छप, डॉ संतोष कुमार भगत, रविंद्र ओहदार, बुद्धेश्वर बड़ाइक, डॉ अंजुलता साहू, डॉ सुनीता टोप्पो, डॉ युगेश कुमार महतो, मीना कुमारी, जलेश्वर महतो, दीपक राणा, नवल किशोर, तबरेज अंसारी को मनोनीत किया गया।

झारखंड में आप करेगी नई राजनीतिक संस्कृति का निर्माण : गोयल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : आम आदमी पार्टी (आप) के राज्य प्रभारी शिवचरण गोयल और सह प्रभारी सुशील सिंह के सम्मान में रविवार को धुर्वा स्थित पुराने विधानसभा के सभागार में समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर झारखंड के सभी जिलों से पदाधिकारियों सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान शिवचरण गोयल ने पार्टी कार्यकर्ताओं की समस्याओं और सुझावों को सुना। उन्होंने झारखंड में पार्टी के संगठन को सुदृढ़ और जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने पर जोर देते हुए कई महत्वपूर्ण रणनीतिक उपाय सुझाए। गोयल ने कहा कि झारखंड की जनता बदलाव चाहती है, और आप पार्टी उनकी आवाज बनकर यहां एक नई राजनीतिक संस्कृति का निर्माण करेगी। सह प्रभारी सुशील सिंह ने कहा दिल्ली कि इसी तर्ज पर झारखंड में भी पार्टी को

मजबूत करना होगा। उन्होंने कार्यकर्तओं का आह्वान करते हुए कहा कि हमें झारखंड के हर गांव-गली में पार्टी की सक्रिय उपस्थिति दर्ज करानी है। पार्टी प्रदेश मीडिया प्रभारी प्रभात शर्मा ने कहा कि यह समारोह पार्टी के प्रति जनता के विश्वास और कार्यकर्ताओं के समर्पण का प्रतीक है। हम शीघ्र ही प्रभारी के मार्गदर्शन में जमीनी स्तर पर संपर्क अभियान शुरू करेंगे। इस अवसर पर मुख्य रूप से नरेंद्र चौबे, अजय भगत, हरि सिंह, कुमार राकेश रईस, अफरीदी, सूर्य प्रकाश, कौशल किशोर सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे।

हटिया विस्थापित समिति का एलान, विस घेराव व चरणबद्ध आंदोलन की तैयारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : हटिया विस्थापित परिवार समिति ने आगामी मानसून सत्र के दौरान सकड़ों विस्थापित ने झारखंड विधानसभा घेराव करने की घोषणा की है। यह निर्णय रविवार को कुटे में आयोजित बैठक में लिया गया। बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष पंकज शाहदेव ने की। बैठक में किया गया कि अब संघर्ष तेज किया जाएगा और विस्थापित परिवार अपने हक, अधिकार और अस्तित्व की रक्षा के लिए क्रमबद्ध आंदोलन करेंगे। आंदोलन के प्रथम चरण में विधानसभा का घेराव किया जाएगा, जबकि दूसरे चरण में कोर केपिटल क्षेत्र में स्थापित सभी सरकारी और गैर सरकारी संस्थानों में रोजगार को लेकर जोरदार घेराबंदी की जाएगी। हर गांव में बैठकें की जाएंगी, रणनीति बनेगी और सभी घरों तक संदेश पहुंचाया

जाएगा। पंकज शाहदेव ने कहा कि बिना संघर्ष के अधिकार नहीं मिलता। हमें अपने लक्ष्य के लिए एकजुट होकर आगे बढ़ना होगा। समिति के महासचिव और झामुमो नेता कलाम आजाद ने कहा कि घेराव केवल विधानसभा तक सीमित नहीं रहेगा। आईआईएम, गेल इंडिया सहित सभी संस्थानों को यह स्पष्ट करना होगा कि स्थानीय विस्थापितों को रोजगार देना उनकी जिम्मेदारी है। यदि ऐसा नहीं हुआ तो चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा। समिति के सचिव महावीर मुंडा ने कहा कि जब तक हमें अधिकार नहीं मिलेगा तबतक हम चैन से नहीं बैठेंगे। हमें दी गई जमीन के बदले न्याय चाहिए, न कि छलावा। स्थानीय लोगों ने एचईसी सप्लाई कर्मियों के साथ हो रहे अन्यायपूर्ण व्यवहार की आलोचना करते हुए उनके आंदोलन को अपना पूर्ण समर्थन और सहयोग देने की घोषणा की। बैठक को तरुण शाहदेव, विजय सिंह, प्रमोद सिंह, भाई त्रिपाठी, कालीचरण लोहार, बीजू महतो, विनोद सिंह, मनोज पाठक, मनोज बैठा सहित कई वक्ताओं ने संबोधित किया।

सावन मिलन समारोह में शालिनी अखौरी बनी सावन क्वीन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : सावन माह के पावन अवसर पर गणेशाला डांस अकादमी की ओर से रविवार को डोरंडा स्थित साउथ ऑफिस पारा में रंगारंग सावन मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह दौरान आयोजित प्रतियोगिता में शालिनी अखौरी को सावन क्वीन का खिताब मिला। मौके पर शिव भजन और नृत्य से देर शाम महफिल संगीतमय रही। मौके पर बतौर मुख्य अतिथि सांस्कृतिक कार्य विभाग की सलाहकार डॉ अर्चना सिन्हा ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। समारोह की अध्यक्षता गणेशाला डांस अकादमी की निदेशक सावित्री घोष ने की। अपने

संबोधन में उन्होंने कहा कि सावन सिर्फ प्रकृति का उत्सव नहीं, बल्कि स्त्री शक्ति, सौंदर्य और संस्कृति का उत्सव है। इस आयोजन का उद्देश्य हमारी परंपराओं से जुड़ाव बनाए रखना और महिलाओं को एक मंच प्रदान करना है। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रही सावन क्वीन प्रतियोगिता, जिसमें रांची की विभिन्न संस्थाओं और मोहल्लों से आई महिलाओं ने भाग लिया। शालिनी अखौरी को सावन क्वीन का खिताब मिला, जबकि शर्मिष्ठा चक्रवर्ती द्वितीय और अनामिका पांडे तृतीय स्थान पर रहीं। इस अवसर पर उपस्थित सभी महिलाओं ने पारंपरिक हरे वस्त्र पहन कर सावन की परंपरा और भगवान शिव की प्रियता को श्रद्धा भाव से सम्मानित किया। हरे रंग की सजीव आभा से सजी यह शाम एक सुंदर सांस्कृतिक छटा बिखेर रही थी।

फ्रांस के रोटरी क्लब का प्रतिनिधिमंडल पहुंचा रांची, बालिकाओं को करेगा सशक्त

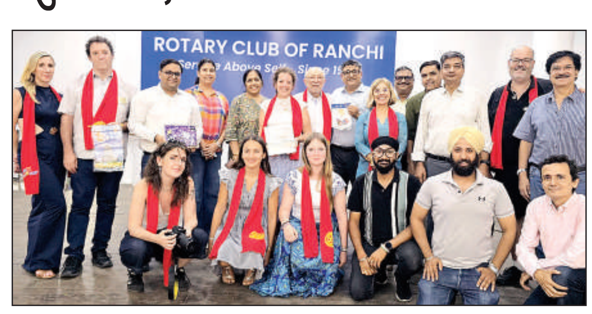

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रोटरी क्लब ऑफ कॉसडे मिडी क्वेर्सी, फ्रांस का एक प्रतिनिधिमंडल रविवार को झारखंड की राजधानी रांची पहुंचा। यह ग्रामीण बालिकाओं को सशक्त करेगा। प्रतिनिधिमंडल का स्वागत रोटरी क्लब ऑफ रांची के अध्यक्ष अमित अग्रवाल एवं क्लब के सदस्यों ने किया। इसके बाद फ्रांस के रोटरी क्लब और रोटरी क्लब रांची के साथ बैठक हुई। इसका मुख्य उद्देश्य झारखंड के रूक्का गांव में युवा फांउडेशन के माध्यम से ग्रामीण बालिकाओं को फुटबॉल प्रशिक्षण एवं शैक्षिक सहयोग प्रदान करने के लिए आपसी सहभागिता स्थापित कर सशक्त करना है। फ्रांसीसी प्रतिनिधियों ने बताया कि इस अभियान के लिए वित्तीय सहायता रोटरी फांउडेशन से जुटाई जाएगी, जिसमें रांची क्लब का सक्रिय सहयोग अपेक्षित है।

ओबीसी आरक्षण में घपला करने की साजिश में लगे हैं झामुमो-कांग्रेस : आजसू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : आजसू पार्टी ने झारखंड में नगर निकाय चुनावों में ओबीसी आरक्षण देने के लिए आवश्यक ट्रिपल टेस्ट प्रक्रिया में व्यापक गड़बड़ी का आरोप लगाया है। पार्टी मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रवीण प्रभाकर और संजय मेहता ने कहा कि झामुमो-कांग्रेस ओबीसी आरक्षण में घपला करने की साजिश रच रहे हैं। प्रभाकर ने कहा कि ट्रिपल टेस्ट के संबंध में लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही हैं कि डोर टू डोर सर्वे नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि ट्रिपल टेस्ट की रिपोर्ट सार्वजनिक करने से पहले

राज्य सरकार इस टेस्ट की प्रक्रिया की पूरी जानकारी जनता को उपलब्ध कराये, क्योंकि इसमें पारदर्शिता और निष्पक्षता का अभाव दिख रहा है। उन्होंने सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शानुसार नगर निकाय चुनावों में ओबीसी आरक्षण के लिए ट्रिपल टेस्ट अनिवार्य है, जिसमें डोर-टू-डोर सर्वे के माध्यम से पिछड़े वर्ग की जनसंख्या, सामाजिक-आर्थिक स्थिति और राजनीतिक प्रतिनिधित्व का आकलन किया जाना है। प्रभाकर ने कहा कि विभिन्न नगर निकाय क्षेत्रों से यह जानकारी सामने आ रही है कि धरातल पर सर्वे हुआ ही नहीं है और राज्य सरकार बंद कमरे में रिपोर्ट तैयार करवा रही है। ताकि पिछड़ों का हक मारा जा सके। वहीं युवा नेता संजय मेहता ने कहा कि सरकार बताए कि ट्रिपल टेस्ट में संग्रह किए गए डाटा को सरकार कैसे सत्यापित करेगी। संस्थाओं का चयन किस आधार पर किया गया है और कैसे किया गया है। ट्रिपल टेस्ट का सैंपल कैसे संग्रह किया जा रहा है कौन कर रहा है यह बताया जाए। मेहता ने कहा कि राज्य सरकार के ट्रिपल टेस्ट में पारदर्शिता नहीं दिखती। पहले तो राज्य सरकार पिछड़ों को आरक्षण दिए बिना ही नगर निकाय चुनाव करवाना चाहती थी, लेकिन जब आजसू सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी सुप्रीम कोर्ट से आदेश लेकर आ गए तो ट्रिपल टेस्ट की प्रक्रिया शुरू की गई। मौके पर मीडिया संयोजक परवाज खान और युवा आजसू संयोजक बबलू महतो भी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

भाकपा माओवादी आज से करेंगे स्मृति सभा तीन को बंद का ऐलान

रांची : प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी के पूर्वी रीजनल ब्यूरो ने 20 जुलाई से 3 अगस्त तक झारखंड में स्मृति सभा आयोजित करने का ऐलान किया है। साथ ही तीन अगस्त को झारखंड, बिहार, उत्तरी छत्तीसगढ़, बंगाल और असम में बंद का आह्वान किया है। पूर्वी रीजनल ब्यूरो प्रवक्ता संकेत ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बंद का आह्वान किया है। माओवादियों ने इस दौरान अपने प्रभाव क्षेत्र में सभाएं और कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बनाई है। राज्य पुलिस प्रवक्ता और आईजी अभियान डॉ. माइकल एस. राज ने बताया कि माओवादियों की योजना की जानकारी मिली है और इसे लेकर सभी नक्सल प्रभावित जिलों को अलर्ट किया गया है। पुलिस सतर्क है और किसी भी हालात से निपटने के लिए तैयार है। माओवादियों के बंद के मद्देनजर बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया गया है। उल्लेखनीय है कि बोकारो के लुगू पहाड़ी पर 21 अप्रैल को पुलिस ने मुठभेड़ में केंद्रीय कमेटी सदस्य प्रयाग मांझी उर्फ विवेक समेत कई माओवादियों को मार गिराया था।

सेल-सीईटी में जुम्बा सत्र और पुरस्कार वितरण समारोह का हुआ आयोजन

रांची : रविवार को सुबह सेल सैटेलाइट टाउनशिप में जुम्बा ग्रूव सत्र आयोजित किया गया। इसमें सेल कर्मचारियों और उनके परिवारों के 77 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सीईटी खेल समिति द्वारा आयोजित इस ऊर्जावान कार्यक्रम का नेतृत्व आकाश सिंह ने किया, जिनकी लय ने दर्शकों को आनंद और जोश से झूमने पर मजबूर कर दिया। चित्रकला और अल्पना प्रतियोगिताओं के लिए एक पुरस्कार वितरण समारोह भी आयोजित किया गया, जिसमें कल्याण और रचनात्मकता के एक जोशीले मिश्रण ने सेल परिवार के भीतर जीवंत उत्सवों, एकता और प्रतिभा पहचान के एक सप्ताह का माहौल तैयार किया। इन प्रतियोगिताओं में सेल-सीईटी समुदाय से 91 रचनात्मक प्रविष्टियाँ आईं, जिनमें संस्कृति, नवाचार और कलात्मक कौशल के विषयों का प्रदर्शन किया गया। सीईटी के कार्यपालक निदेशक एस.के. वर्मा, सुनीता वर्मा, जितेंद्र सलूजा, नीलेश सिन्हा, एस.के. दास, टी.आर. मोहंती और कई अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने इस अवसर को उत्साह और गरिमा प्रदान की। इस कार्यक्रम ने कर्मचारियों एवं उनके परिवारों के लिए स्वास्थ्य की महत्ता को याद दिलाया और नृत्य के माध्यम से समुदाय में लय एवं समरसता लाने पर बल दिया। पुरस्कार समारोह की शोभा सुनीता वर्मा, जितेंद्र सलूजा, नीलेश सिन्हा, टी.आर. मोहंती और सलिल भट्टाचार्य ने बढ़ाई, जिन्होंने पुरस्कार प्रदान किए और प्रतिभागियों की कलात्मकता की सराहना की।

सेवा भारती रांची भाग-4 का श्रावण महोत्सव सह बोल संगम हर्षोल्लास से संपन्न

रांची : रविवार को सेवा भारती,रांची भाग -4 के अन्तर्गत चलने वाले बाल संस्कार केंद्रों के बच्चों का एक दिवसीय श्रावण महोत्सव सह संगम हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर भिन्न भिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित हुई जिसमें बच्चों ने उत्सुकता से भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन दीप मंत्र सरस्वती वंदना के साथ किया गया इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष चंद्रकांत रायपत महानगर सचिव श्याम टोरका, के. के सर डी ए वी स्कूल गांधीनगर एवं भाग 4 के अध्यक्ष उमाशंकर शर्मा, सचिव विनय लाल कोषाध्यक्ष अखिलेश श्रीवास्तव, के द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। बाल संगम में बच्चों के बीच चित्रकला प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रम, नृत्य प्रतियोगिता आयोजित की गई एवं उत्कृष्ट प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। सेवा भारती के श्रावण महोत्सव सह बाल संगम में आए सभी बच्चों को पठन सामग्री भेंट किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि नवीन जायसवाल हटिया विधायक ने कहा कि सेवा भारती के माध्यम से सेवा बस्तियों में संचालित बाल संस्कार केंद्र संस्कार का वातावरण बनाने का अतुलनीय कार्य किया जा रहा है। साथ ही वरिष्ठ अतिथि निर्मल कौर पूर्व आईपीएस कहा कि कार्यों में लगे कार्यकर्ताओं एवं समाज का योगदान सराहनीय है। बच्चों के बाल मन में ही कुशल व्यवहार, संस्कारों का बीजारोपण से कर्तव्यनिष्ठ नागरिक का नवनिर्माण किया जा रहा है। सेवा भारती, रांची महानगर भाग 4 के सचिव विनय लाल ने कहा कि एक दिवसीय श्रावण महोत्सव एवं बाल संगम में बस्ती की मस्ती का आनंददायक कार्यक्रम में शामिल बच्चों ने खूब मस्ती किया साथ ही विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से बच्चों की प्रतिभाओं को निखारने का प्रयत्न किया गया। इस अवसर पर सेवा भारती के गुरु शरण प्रसाद, महानगर भाग 4 के अध्यक्ष उमाशंकर शर्मा, कोषाध्यक्ष, सचिव, मुरारी शर्मा, मीडिया प्रभारी सौरभ कुमार, मनोज कुमार, एवं माधव नगर, केशव नगर, बिरसा नगर के सभी शिक्षिकाएं एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

समर्पण शाखा के शिविर में 50 लोगों के स्वास्थ्य की हुई जांच

रांची : मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा प्रांत कार्यक्रम के तहत रविवार को निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन हरमू रोड स्थित श्याम मंदिर में किया गया। कार्यक्रम में ब्लड शुगर, थायराइड, बीपी और भी अन्य जांच की गई। शिविर से 50 से अधिक लोग लाभान्वित हुए। इस शिविर का आयोजन फोर क्यूर फाउंडेशन के सौजन्य से हुआ। शिविर के आयोजन के लिए संस्था की स्वास्थ्य प्रभारी सोनल शर्मा और संयोजिका राधा ड्रोलिया ने महती भूमिका अदा की। कार्यक्रम में अध्यक्ष पूजा अग्रवाल राधा ड्रोलिया, सोनल शर्मा, स्मिता अग्रवाल, दीपिका मोतीका, पूजा लाडिया सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

एक नजर

फरार अभियुक्त नंदलाल मांझी के तलाश में पुलिस ने जारी किया पोस्टर

बोकारो : हरला थाना क्षेत्र के सेक्टर 9 स्थित पचौरा बस्ती निवासी नंदलाल मांझी, पिता स्वर्गीय मदन मांझी किसी केस के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे हैं। बोकारो न्यायालय के आदेशानुसार पुलिस ने नंदलाल मांझी की गिरफ्तारी के लिए चास एवं उसके घर के पास दो जगहों पर पोस्टर (इस्तहार) चस्पा किया है। पुलिस द्वारा की गई घोषणा में ग्रामीणों से अपील की गई है कि यदि नंदलाल मांझी के बारे में किसी को भी कोई सूचना मिलती है तो तुरंत हरला थाना को सूचित करें। पुलिस का कहना है कि आरोपी की जल्द गिरफ्तारी के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।
पुलिस प्रशासन ने क्षेत्रवासियों से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि किसी भी प्रकार की सूचना गोपनीय रखी जाएगी।

तेज रफ्तार गैस टैंकर ने ली नौ गायों की जान

पूर्वी सिंहभूम : पूर्वी सिंहभूम जिले के बहरागोड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच-18 पर शनिवार देर रात दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। बहरागोड़ा महाविद्यालय के समीप डिवाइडर पर बैठी दस गायें एक तेज रफ्तार एलपीजी गैस टैंकर (रजिस्ट्रेशन नंबर एनएच-01एल-0259) की चपेट में आ गईं। हादसे में नौ गायों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गई।
प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टैंकर टाटा से कोलकाता की ओर जा रहा था। घटना की सूचना मिलते ही बहरागोड़ा और बड़शोल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और टैंकर को जब्त कर लिया।
पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई में जुट गई है। इधर, घटना से आक्रोशित स्थानीय लोगों ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) पर लापरवाही का आरोप लगाया। उनका कहना था कि बाईपास सड़क का गलत डिजाइन और अधूरे निर्माण कार्य के कारण भारी वाहन मुख्य सड़क पर ही चल रहे हैं, जिससे विद्यार्थियों, राहगीरों और स्थानीय नागरिकों की जान हर दिन खतरे में पड़ रही है। लोगों ने अविलंब सड़क निर्माण कार्य पूरा करने और सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की।

जयनगर के ककरचोली में भारत ज्ञान विज्ञान समिति का प्रखंड सम्मेलन संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : भारत ज्ञान विज्ञान समिति का जयनगर प्रखंड स्तरीय सम्मेलन जयनगर प्रखंड के ककरचोली गांव में बालेश्वर राणा के अध्यक्षता में सम्पन्न हुवा। संपन्न हुआ। सम्मेलन में ज्ञान विज्ञान समिति कोडरमा के जिला अध्यक्ष राम रतन अवध्या मुख्य अतिथि एवं जय प्रकाश यादव के रूप विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर गांव के ग्रामीण जन, युवा छात्र-छात्राएं, शिक्षक, महिलाएं सामाजिक कार्यकर्ता, तथा समिति के कार्यकर्ता उपस्थित थे। सम्मेलन में मुख्य अतिथि राम रतन अवध्या ने अपने विस्तृत और प्रेरणादायक भाषण में कहा कि भारत ज्ञान विज्ञान समिति एक जनपक्षीय, जनतांत्रिक और वैज्ञानिक सोच को समाज में स्थापित करने वाली संस्था है। इसका उद्देश्य केवल शिक्षा देना नहीं, बल्कि वैज्ञानिक चेतना और सामाजिक बदलाव को जमीनी स्तर पर साकार करना है। उन्होंने कहा कि आज समाज को अंधविश्वास, जातिवाद, लैंगिक भेदभाव, पर्यावरणीय संकट और पूंजीवादी शोषण से मुक्त करने के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण की जरूरत है। श्री अवध्या ने ग्रामीण विकास में स्थानीय संसाधनों की भूमिका पर बल देते हुए कहा कि जल, जंगल और जमीन के बिना ग्रामीण भारत का सर्वांगीण विकास संभव नहीं है। हमें अपने पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के संतुलन से टिकाऊ विकास के मॉडल तैयार करने होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि आज का युवा वर्ग मोबाइल, इंटरनेट और तकनीक से जुड़ चुका है, लेकिन इसका उपयोग अगर रचनात्मक और सामाजिक बदलाव के लिए नहीं किया गया, तो वह केवल उपभोक्तावादी संस्कृति का हिस्सा बनकर रह जाएगा। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा पास करना नहीं, बल्कि सोचने, प्रश्न करने और समाज के लिए जिम्मेदार नागरिक बनना है। विज्ञान का मतलब केवल प्रयोगशाला तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि वह खेत, खलिहान, घर और जीवन के हर हिस्से में दिखना चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों की भागीदारी पर जोर देते हुए कहा कि सामाजिक बदलाव में महिला सशक्तिकरण की केंद्रीय भूमिका है। श्री अवध्या ने कहा कि समिति झारखंड के गांव-गांव में जाकर शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण और मानवाधिकार जैसे विषयों पर जनजागरण अभियान चलाएगी। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे अपने गांव को केवल विकास का उपभोक्ता नहीं, बल्कि निर्माणकर्ता बनाएं। उन्होंने सभी उपस्थित जनों से आग्रह किया कि वे वैज्ञानिक सोच को अपनाएं, बच्चों को सवाल पूछने के लिए प्रेरित करें, और समाज में समानता, भाईचारा तथा शांति का वातावरण निर्मित करें।

रेलवे स्टेशन पर चार नाबालिग बच्चों को आरपीएफ और बाल सहायता डेस्क ने बचाया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : स्टील सिटी रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ और बाल सहायता डेस्क की सतर्कता से रविवार को चार अलग-अलग मामलों में संकटग्रस्त हालत में पाए गए नाबालिग बच्चों को बचाया गया। पहले मामले में, करीब 1:50 बजे, आरपीएफ पोस्ट बोकारो के अधिकारियों और बाल सहायता डेस्क के कर्मचारियों ने पार्किंग स्थल के निकास द्वार के पास संदिग्ध अवस्था में घूमती 15 वर्षीय लड़की को पाया, जिसने बताया कि वह अपने माता-पिता को बिना बताए घर से भाग निकली थी। दूसरे मामले में, लगभग 8:05 बजे प्लेटफार्म संख्या 01 एक 16 वर्षीय नाबालिग लड़का, जो आसनसोल से सूरत जा रहा था, संकट की स्थिति में मिला। उसने बताया कि वह रोजगार की तलाश में अपने घर से निकल पड़ा था। तीसरे मामले में, दोपहर के 1:20 बजे प्लेटफार्म संख्या 02 पर एक 14 वर्षीय लड़की को अकेले पाया गया, जो बोकारो में अस्थायी रूप से रह रही थी और अपने माता-पिता को बिना बताए घर से निकल आई थी। चौथे मामले में, लगभग 11:00 बजे प्लेटफार्म संख्या 01 पर भी एक 14 वर्षीय लड़का संकटपूर्ण स्थिति में मिला, जिसने पूछताछ में अपने घर से भागने की बात स्वीकार की। चारों बच्चों की पहचान व प्रारंभिक पूछताछ के बाद, सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी कर बच्चों को बाल सहायता डेस्क/चाइल्ड हेल्प डेस्क, बोकारो स्टील सिटी रेलवे स्टेशन की सुरक्षित अभिरक्षा में सौंप दिया गया है।

विधिक सेवा सह सशक्तिकरण शिविर का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार, नई दिल्ली एवं झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देश के अलोक में जिला विधिक सेवा प्राधिकार, कोडरमा के तत्वावधान में चंदवारा प्रखंड मुख्यालय सभागार में विधिक सेवा सह सशक्तीकरण शिविर का आयोजन आज रविवार को किया गया। इस शिविर में हजारों लोगों ने भाग लिया एवं सैकड़ो लाभुकों के बीच सरकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कोडरमा के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार बाल कृष्ण तिवारी व विशिष्ट अतिथि कोडरमा के उपायुक्त ऋतुराज, जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव गौतम कुमार, न्यायाधीश प्रभारी इनचार्ज नमिता मिंज , पुलिस उपाधीक्षक रतिभान सिंह, चंदवारा के प्रखंड विकास पदाधिकारी सुमित कुमार मिश्रा व अंचलाधिकारी अशोक भारती मौजूद थे। सभी अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया। सभी अतिथियों के पहुचते ही झारखण्ड की पहचान मांदर की थाप पर जे एस एल पी एस की महिलाओ द्वारा पारम्परिक रूप से तिलक लगाकर, एवं पुष्प वर्षा कर स्वागत किया वही पारंपरिक मुकुट, माला एवं प्लांट पौट देकर उनका स्वागत किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि बाल कृष्ण तिवारी ने कहा कि कोई भी व्यक्ति साधन के अभाव में न्याय से वंचित नहीं रह सकता तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुँचाने के उद्देश्य से यह शिविर आयोजित किया गया है।

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर में उमड़ी भीड़ 19 लोगों की कान की सर्जरी सफल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : जिला प्रशासन कोडरमा एवं इंपैक्ट इंडिया फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में दिनांक 19 जुलाई, 2025 को बड़ी संख्या में आम नागरिकों ने भाग लेकर विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। शिविर में सुबह से ही लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जो इस बात का प्रमाण है कि यह पहल जिले के नागरिकों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रही है। झुमरीतिलैया स्थित सी०एच० हाई स्कूल परिसर में आयोजित इस शिविर में कुल 532 लोगों ने पंजीकरण कराया। शिविर के अंतर्गत विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य सेवाएं निःशुल्क प्रदान की गईं। इनमें सामान्य स्वास्थ्य जांच जैसे बीपी एवं शुगर की जांच की सुविधा भी शामिल रही, करीब 353 लोगों ने सुगर व बीपी का जाँच कराया। विशेष रूप से ईएनटी संबंधी सेवाओं में नागरिकों की उल्लेखनीय भागीदारी रही। सेवा के लिए कुल 532 पंजीकरण हुए। इनमें से 197 लोगों की पीटीए (प्योर टोन ऑडियोमेट्री) जांच की गई। सुनने में असमर्थ 19 लाभुकों की कान की सर्जरी सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। साथ ही सुनने में असमर्थ 106 लाभार्थियों को श्रवण यंत्र वितरित किए गए। 31 रोगियों को कान संबंधी जटिल समस्याओं के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया, जबकि 25 मरीजों को अगली दिन की सर्जरी हेतु सूचीबद्ध किया गया। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों की टीम द्वारा समर्पित रूप से सेवाएं प्रदान की गईं। दवाइयों का वितरण, आवश्यक परामर्श और जटिल मामलों के लिए रिफरल की व्यवस्था भी की गई।

कारगिल विजय की 26वीं वर्षगांठ पर रक्तदान शिविर का किया आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : रविवार को कारगिल विजय के 26 वे वर्षगाठ के उपलक्ष्य पर कारगिल विजय माह के अन्तर्गत सदर अस्पताल बोकारो में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। उद्घाटन डॉ ऐन पी सिंह सदर अस्पताल सुप्रीटेडेंट के कर कमलों द्वारा किया गया। रक्तदान शिविर के उद्घाटन के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बोकारो महानगर संघचालक रंजीत बर्नवाल जी ने स्वयं रक्तदान करते हुए समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाने की अपील की और पूर्व सैनिक सेवा परिषद बोकारो के निरन्तर 13 वर्षों से लगातार कारगिल माह में आयोजित अलग अलग कार्यक्रमों की सराहना की । रक्तदाताओं में मुख्य रूप से अमित कुमार, अभिषेक कुमार, शत्रुघ्न सिंह, संजीव कुमार, सरयू शर्मा, नीरज कुमार तिवारी, रंजय कुमार सिंह, राकेश मिश्रा, अमरनाथ लाल दाश, अभय कुमार राय सहित अन्य लोगों ने भी रक्तदान किया । वेटेरन राकेश मिश्रा ने सदर अस्पताल के ब्लड बैंक के प्रभारी डॉ मैथिली ठाकुर, धनंजय कुमार व पूरे टीम को धन्यवाद दिया । कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मुख्य रूप से दिनेश्वर सिंह, श्रीकृष्ण सिंह, विनय कुमार, राजीव रंजन सिन्हा, प्रशांत डिवेडी, अशोक कुमार वर्मा, शशि भूषण मिश्रा, गिरी जी सहित अन्य लोगों का सहयोग रहा ।

सेक्टर-5 हटिया विवाद, तीन दिन की जगह पांच दिन बाजार लगाने की मांग तेज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : सेक्टर 4 थाना क्षेत्र अंतर्गत सेक्टर 5 के हटिया में विवाद गहरा गया है। यहां बोकारो स्टील प्लांट प्रबंधन द्वारा विस्थापितों को हटिया लगाने की अनुमति तो दी गई है, लेकिन हफ्ते में केवल तीन दिन–सोमवार, बुधवार और शनिवार–का ही परमिशन मिला है। जबकि, स्थानीय दुकानदार अब पांच दिन हटिया लगाने की मांग कर रहे हैं।

क्या है विवाद

हटिया की जमीन बोकारो स्टील प्लांट के अधीन है और प्लांट विस्तार के लिए अधिग्रहित की गई थी। विस्थापितों को रोजगार देने के उद्देश्य से बीएसएल प्रबंधन ने यह बाजार विस्थापित समिति को सौंपा था।
दुकानदारों से प्रति हटिया 30-40 रूपए शुल्क लिया जाता है, दुकान के क्षेत्रफल के अनुसार। फल, सब्जी और मछली विक्रेता अब तीन की बजाए पांच दिन हटिया लगाने की अनुमति मांग रहे हैं। दुकानदारों का आरोप है कि वे पूरे महीने का पैसा देते हैं और बदले में उन्हें रसीद भी दी जाती है, फिर भी केवल तीन दिन दुकान लगाने की बात समझ से परे है।

विधायक को सौंपी गई शिकायत

दुकानदारों के प्रतिनिधिमंडल ने स्थानीय कांग्रेस विधायक स्वेता सिंह से मुलाकात कर हटिया की अवधि तीन दिन से बढ़ाकर पांच दिन करने और हटिया के आसपास के क्षेत्र में सफाई व्यवस्था बेहतर करने की मांग रखी। वहीं, कुछ दुकानदारों ने आरोप लगाया कि विधायक की ओर से कहा गया है–तीन दिन के अतिरिक्त केवल महिलाएं दुकान लगाएंगी, पुरुषों को दुकान लगाने की अनुमति नहीं होगी, जिससे दुकानदारों में असंतोष है। हालांकि, विधायक स्वेता सिंह का बयान अब तक सामने नहीं आया है।

बस स्टैंड में वाहनों से अवैध वसूली की शिकायत के बाद छापेमारी, सात गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : कोडरमा जिले में खुले आम बस स्टैंड में चुंगी के नाम मालवाहक वाहनों से अवैध वसूली करने का मामला सामने आया है। इस बाबत बताया जाता है कि जिले के कोडरमा थाना अंतर्गत दिबोर मेघातरी बस स्टैंड में वहां के गुर्गो के जरिये रात में मालवाहक, बड़े वाहनों और बाहरी निजी वाहनों से रात के अंधेरे में चुंगी के रूप में सरकार की ओर से निर्धारित दर से कई गुना अवैध रूप से वसूली की जा रही थी। इसका वीडियो पटना से लौट रहे झुमरीतिलैया के संजीव कुमार ने बनाया। इसे देख जान मारने की नियत से मारपीट और मोबाइल तोड़ने तथा उनकी पत्नी का सोने का चेन छीनने की घटना को अंजाम दिया गया। इस बाबत पत्रकार संजीव कुमार ने कोडरमा थाना में आवेदन देकर कहा कि वे अपनी पत्नी के साथ सीतामढ़ी से लौट रहे थे तभी देखा कि अवैध रूप से दिबोर मेघातरी बस स्टैंड के पास वाहनों की जाम लगी थी और बस स्टैंड में कार्यरत लोगों के जरिये मालवाहक ट्रको सहित दूसरे अन्य वाहनों से नियम विरुद्ध चुंगी की वसूली जबरदस्ती लिए जा रहे थे । इसके बाद उक्त घटना की विडियो क्लिप तैयार की जा रही थी तब बस स्टैंड में कार्यरत 10-15 की संख्या में लोगों ने जान मारने की नियत से मारपीट करते हुए मोबाइल फोन को तोड़ दिया। थाना में दिए आवेदन के बाद कोडरमा पुलिस ने (कांड संख्या 131/ 25) दर्ज कर तत्काल कार्यवाही करते हुए उक्त जगह पर छापेमारी की। इस दौरान वीरेंद्र प्रसाद, सुबोध कुमार, सूरज कुमार, सतीश कुमार ,अविनाश कुमार, सिकंदर रजवार, मंटू कुमार को गिरफ्तार किया गया। कोडरमा थाना प्रभारी विकास कुमार पासवान ने बताया कि थाना में दिए आवेदन के बाद पुलिस ने कार्रवाई की । इसमें सात लोगों को पकड़ा गया है। उल्लेखनीय है कि झारखण्ड - बिहार के बॉर्डर पर संचालित घातरी बस स्टैंड में मालवाहक वाहनों से अवैध वसूली मामले में पुलिस ने दो महीना के अंदर तीसरी बार छापेमारी की। इसके पहले भी की गई छापेमारी में सात लोगों को पकड़ा गया था।

संक्षिप्त खबरें

गुमशुदा अवस्था में एक लड़का व लड़की रेलवे स्टेशन में पाई गई

कोडरमा : कोडरमा स्टेशन पर ड्यूटी में तैनात आरक्षी/ मंजेश दास ब महिला आरक्षी/ नीतू कुमारी कोडरमा स्टेशन एरिया प्लेटफार्म संख्या- 01 के हावड़ा एंड में गस्ती कर रहे थे गस्ती के क्रम में समय लगभग 11: 30 बजे कोडरमा स्टेशन ढक्र01 पर पहुंचे तो एक लड़का व लड़की काफी समय से गुमसुम अवस्था में बैठी हुई दिखाई दिए, जिससे पूछताछ करने पर उन्होंने अपना नाम व पता रमेश कुमार (काल्पनिक) उम्र चौदह वर्ष तथा लड़की अनि(काल्पनिक) ,उम्र- 14 वर्ष दोनों थाना -मुफस्सिल जिला- गया बताएं, आगे पूछताछ के क्रम में उक्त बच्चों ने बताया कि हम दोनों दिल्ली जाने के लिए मातापिता को बिना बताए घर से भाग गए हैं ।तत्पश्चात उन दोनो को समझा बूझाकर सुरक्षित रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट/कोडरमा पर लाया गया तथा महिला आरक्षी नीतू कुमारी के संरक्षण में रखा गया। इसकी सूचना चाइल्ड लाइन कोडरमा को दी गई। कुछ देर उपरांत चाइल्ड हेल्प लाइन के सदस्य लवली कुमारी और चंदन कुमार, रितिक कुमार रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट पर उपस्थित हुए, और दोनों बच्चों से पूछताछ व जांच पड़ताल किए ।बाद उक्त बालक - बालिका की उपस्थापन एवं देखभाल हेतु सही सलामत सुपुर्द कर दिया गया।

पर्यावरण का संरक्षण करना हम सबों का कर्तव्य : डीएसपी

कोडरमा : विश्व पर्यावरण माह के तहत भारत विकास परिषद के तत्वाधान में बचपन प्ले स्कूल हसनाबाद प्रांगण में पौधारोपण सह पर्यावरण को प्लास्टिक मुक्त बनाने को लेकर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुखय अतिथि के रूप से उपस्थित कोडरमा डीएसपी रतीभान सिंह ने कहा कि जीवन जीने के लिए आवश्यक सभी चीजे जैसे शुद्ध हवा, साफ पानी, भोजन और रहने की जगह पर्यावरण से ही प्राप्त होता है। लेकिन आज हमारा पर्यावरण खतरे में है। इसलिए हम सबों को विशेष प्रयास कर पर्यावरण को सुरक्षित रखने का प्रयास करना चाहिए। सभी के प्रयास से ही पर्यावरण को सुरक्षित रखा जा सकता है। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ मनोज कुमार ने कहा कि पर्यावरण के क्षेत्र में हम सबों को प्रयास करने की जरूरत है। भारत विकास परिषद के अध्यक्ष सह अधिवक्ता अरुण कुमार ओझा ने कहा कि जागरूक होकर ही पर्यावरण को बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बेतकीब विकास और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन से पर्यावरण का संकट गहरा रहा है। यही कारण है कि आए दिन किसी न किसी हिस्से में प्राकृतिक तबाही होती रहती है इन सब घटनाओं के मूल में जलवायु परिवर्तन है। मानव द्वारा प्रकृति विरुद्ध की जा रही गतिविधियों के कारण धरती का तापमान लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि सभी के योगदान से पर्यावरण को सुरक्षित रखा जा सकता है। मानव के लगातार दोहन से नदियां सूख रही है। धरती का जलस्तर नीचे जा रहा है। कल - कारखानों एवं गाड़ियों के लगातार प्रयोग से वायु प्रदूषण बढ़ रहा है। इस पर लगाम लगाने की जरूरत है।

लायंस क्लब बोकारो स्टील सिटी ने जरूरतमंदों के बीच बांटी खिचड़ी

बोकारो : लायंस क्लब ऑफ बोकारो स्टील सिटी द्वारा रविवार को 'फूड फॉर हंगर' कार्यक्रम के तहत सेक्टर 1 में 350 जरूरतमंद लोगों के बीच खिचड़ी का वितरण किया गया। क्लब की अध्यक्ष माधवी सिंह ने बताया कि क्लब द्वारा ऐसे कार्यक्रम नियमित रूप से चलाए जाते हैं, ताकि जरूरतमंद लोगों को राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि क्लब समय-समय पर नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर समेत कई सामाजिक सेवा कार्यक्रम आयोजित करता है। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष माधवी सिंह के अलावा दिनेश चड्ढा, मनोरमा चड्ढा, सान्था ऊमेन, जसबीर सलूजा, भूषण गुलाटी, गौरव गुलाटी, अजय केडिया, डॉ. प्रवीण मिश्रा, डॉ. कुनाल, सरिता, वीके सिंह और वेदांत समेत कई सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी सदस्यों ने मिलकर योगदान दिया। क्लब की ओर से आगे भी जरूरतमंदों के लिए ऐसे सेवा कार्य किए जाते रहेंगे।

बिना लाइसेंस अल्ट्रासाउंड संचालन पर शिव हॉस्पिटल सील

बोकारो : चास के आईटीआई मोड़ स्थित शिव हॉस्पिटल के अल्ट्रासाउंड कक्ष को जिला प्रशासन ने देर रात सील कर दिया। यह कार्रवाई चास एसडीओ प्रांजल ढांडा और स्वास्थ्य विभाग की टीम की मौजूदगी में की गई। शिकायत के बाद बड़ी कार्रवाई दो दिन पहले शिव हॉस्पिटल के अल्ट्रासाउंड क्लिनिक में बिना लाइसेंस के अल्ट्रासाउंड संचालन तथा नियमों की अनदेखी कर लिंग जांच की शिकायत जिला प्रशासन को मिली थी। सूचना मिलते ही चास अनुमंडल पदाधिकारी व स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर छापेमारी की ।जांच में अल्ट्रासाउंड कक्ष का कोई वैध लाइसेंस प्रस्तुत नहीं किया गया, जबकि अस्पताल के अन्य क्लिनिकल संचालन का लाइसेंस उपलब्ध था। टीम ने पीसीपीएनडीटी एक्ट और क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट के तहत तत्काल कार्रवाई करते हुए मशीन और संबंधित दस्तावेज जब्त कर अल्ट्रासाउंड कमरे को सील कर दिया। निरीक्षण के दौरान मौके पर अस्पताल के चिकित्सक को बिना लाइसेंस के अल्ट्रासाउंड करते पाया गया, जो गंभीर कानूनी उल्लंघन है और लिंग निर्धारण पर रोक के लिए लागू नियमों के तहत अपराध है।

बारिश ने बिगाड़ी धान की खेती की रफ्तार खेतों में जलजमाव से बढ़ी किसानों की मुश्किलें

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिम सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम जिले में इस साल धान की खेती पर मौसम की मार पड़ रही है। लगातार कई दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश के कारण खेतों में पानी भर गया है, जिससे बिचड़े की रोपाई का कार्य काफी दिनों तक रुका रहा। हालांकि, अब बारिश के बीच थोड़ी राहत मिलने पर किसान तेजी से रोपाई कार्य में जुट गए हैं। रविवार को किसानों ने बताया कि जैसे ही बारिश थमी, उन्होंने खेतों में धान की रोपाई शुरू कर दी है और इस अवसर का भरपूर उपयोग कर रहे हैं। लेकिन कई जगहों पर भारी बारिश से नुकसान भी हुआ है। बिचड़े

तैयार करने के लिए बनाई गई क्यारियां बह गईं, जिससे किसानों को दोबारा क्यारियां तैयार करनी पड़ीं। कुछ गांवों में, जहां धान की छिंटाई की पद्धति से खेती होती है, वहां हालात और खराब हैं। किसानों ने बताया कि बीज अंकुरित होने से पहले ही पानी के बहाव में बह गए, जिससे उन्हें दोबारा बीज खरीदकर बोने की नौबत आ गई है। इसके अलावा, निचले इलाकों में खेतों में जलजमाव के कारण कढ़ाई (निराई-गुड़ाई) का कार्य भी ठप पड़ा है। किसान अब पानी उतरने का इंतजार कर रहे हैं, ताकि खेतों में काम शुरू कर सकें। लगातार बारिश का असर केवल धान की खेती तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सब्जी की खेती पर भी पड़ा है। खेतों में सब्जियां सड़ रही हैं, जिससे बाजार में सब्जियों की आवक घट गई है और दाम बढ़ गए हैं। किसानों का कहना है कि इस वर्ष अनियमित और अत्यधिक वर्षा के कारण खेती का कार्य समय पर शुरू नहीं हो सका, जिसका सीधा असर उनकी फसल की उपज और आमदनी पर पड़ेगा। किसानों ने मांग की है कि इस वर्ष हुए नुकसान की भरपाई के लिए सरकार लैंप्स के माध्यम से फसल बीमा योजना को लागू करे, ताकि किसी प्राकृतिक आपदा की स्थिति में उन्हें कुछ राहत मिल सके।

बाजार में बस स्टैंड की मांग : जनता की परेशानी और जाम की समस्या का समाधान जरूरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : गिरिडीह जिला का सरिया दूसरा सबसे बड़ा बाजार है। और अनुमंडल मुख्यालय, प्रखंड मुख्यालय भी है। सरिया बाजार, रांची-दुमका मुख्य मार्ग पर स्थित है। यह एक महत्वपूर्ण व्यापारिक और प्रशासनिक केंद्र है, जहां से रांची, गिरिडीह, बोकारो और धनबाद के लिए कई बसें और छोटी गाड़ियां चलती हैं। लेकिन इतने बड़े और व्यस्त बाजार में एक स्थायी बस स्टैंड का अभाव स्थानीय लोगों, खासकर महिलाओं, के लिए बड़ी परेशानी का कारण बना हुआ है। सरिया बाजार में बस स्टैंड न होने के कारण बसें और अन्य वाहन झंडा चौक पर ही रुकते हैं, जहां से सवारी उठाई जाती है। इस वजह से दिन में कई बार इस मार्ग पर जाम की स्थिति बन जाती है, जिससे स्कूली बसों और आपातकालीन सेवाओं, जैसे एम्बुलेंस, को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बस स्टैंड के अभाव में यात्रियों को सड़क किनारे इंतजार करना पड़ता है, और खासकर महिलाओं को शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण असुविधा होती है। स्थानीय निवासियों और जनप्रतिनिधियों ने लंबे समय से सरिया में एक स्थायी बस स्टैंड की मांग उठाई है। इस मांग को लेकर बगोदर के विधायक नागेंद्र महतो ने 22 मार्च 2025 को विधानसभा में प्रस्ताव रखा, जिसमें उन्होंने सुझाव दिया कि सरिया के झंडा चौक के समीप पथ निर्माण विभाग की खाली पड़ी जमीन पर बस स्टैंड और सार्वजनिक शौचालय का निर्माण किया जाए।

रांची दुमका मुख्य मार्ग सरिया में दो घंटे रहा जाम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : रविवार की सुबह साढ़े पांच बजे रांची दुमका मुख्य मार्ग के सरिया स्थित रेल गेट संख्या 20 बी 3 टी एवं रेल पटरी के बीच नाले में माल लदे एक 407 वाहन के धंस जाने से इस रोड में करीब दो घण्टे तक लंबा जाम लग गया जिसकी वजह से सड़क मार्ग एवं रेल मार्ग को बाधा पहुंची लंबी दूरी तक चलने वाली बसों के सवारी परेशान दिखे वहीं आधे दर्जन एक्सप्रेस ट्रेनों को कोशन देकर निकाला गया। लोग इसे ओवरब्रिज संवेदक व रेल ट्रैफिक अधिकारी की लापरवाही मान रहे है।

क्या है मामला

दरअसल रविवार की सुबह करीब साढ़े पांच बजे के करीब सरिया होते हुए राजधनवार की ओर जा रही माल लदी 407 वाहन रेल गेट संख्या 20 बी 3 टी एवं रेल पटरी के बीच बने नाले में धंस गई जिससे रेल फाटक बंद नही होने लगा जिसके बाद अफरा तफरी की स्थिति बन गई वाहन अप रेल पटरी से करीब 10 फिट ही दूर होगी नतीजा हुआ कि रेल फाटक के दोनों ओर लंबी जाम लग गई इसी बीच कई महत्वपूर्ण एक्सप्रेस ट्रेनों के गुजरने का समय हो रहा था इसलिए रेल फाटक के स्थान पर चेन लगा दिया गया इसी बीच हजारीबाग रोड आरपीएफ एवं कई अधिकारी पहुंच गए।

दो घण्टे तक जाम रही रांची दुमका मार्ग

407 वाहन फस जाने के कारण दो घण्टे तक सड़क में लंबी जाम लग गई सिलीगुड़ी से रांची, जमुआ से रांची ,धनबाद,हजारीबाग जाने वाली लंबी दूरी वाली बस इस जाम में अटक गई कई कावारियाँ वाहन, ट्रक ,हाईवा व छोटे बड़े वाहनों की लंबी कतार लग गई ।

झारखंड के चार शिक्षाविदों को हरिद्वार में मिला विद्या वाचस्पति सम्मान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : देवभूमि उत्तराखंड के हरिद्वार में कहानिका हिंदी पत्रिका द्वारा आयोजित अखिल भारतीय कवि गोष्ठी सह विद्या वाचस्पति मानद सम्मान समारोह में झारखंड के चार शिक्षाविदों को डाक्टरेट ऑफ लिटरेचर की उपाधि से सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में जमशेदपुर स्थित दिव्य ग्रंथ अध्ययन केंद्र के अध्यक्ष डॉ. अरविंद तिवारी, डॉ. सविता सिंह मीरा, डॉ. निवेदिता श्रीवास्तव गार्गी और डॉ. श्याम कुंवर भारती शामिल हैं। यह समारोह हरिद्वार महानगर निगम की महापौर किरण जैसल की अध्यक्षता में, काशी हिंदी विद्यापीठ के कुलाधिपति एवं काशी विद्यापीठ, वाराणसी के उपकुलाधिपति डॉ. ओमप्रकाश पांडेय की मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। अपने संबोधन में डॉ. पांडेय ने कहा, देशभर के प्रतिष्ठित साहित्यकारों को विद्या वाचस्पति सम्मान देकर हम गौरवान्वित हैं। यह साहित्य सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का सम्मान है। काशी हिंदी विद्यापीठ के कुल सचिव इंद्रजीत तिवारी ने कहा कि संस्थान निरंतर हिंदी साहित्य के योग्य सेवकों को मंच और सम्मान प्रदान करता आ रहा है। कार्यक्रम में देशभर से आए कवियों ने भावविभोर कर देने वाली काव्य प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर डॉ. अरविंद तिवारी ने झारखंड की सांस्कृतिक पहचान को अपने शब्दों में इस प्रकार प्रस्तुत किया:

रामचंद्र की कर्मभूमि हैं
विश्वामित्र का आसन हैं।।
बाल्मीकि का शिक्षण हैं हम
लव-कुश का अभिनंदन हैं।।

कार्यक्रम के माध्यम से न केवल साहित्यिक उत्कृष्टता को पहचान मिली, बल्कि झारखंड की गौरवशाली संस्कृति और प्रतिभा का भी राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान हुआ।

संत जेवियर गर्ल्स इंटर कॉलेज में हुआ जागरूकता कार्यक्रम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिम सिंहभूम : पश्चिम सिंहभूम जिला में सड़क सुरक्षा के महत्व को लेकर संत जेवियर गर्ल्स इंटर कॉलेज में रविवार को विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। लायंस क्लब ऑफ चाईबासा लावण्या और एनजीओ राइज अप के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को सड़क सुरक्षा नियमों, दुर्घटनाओं के कारणों और उनसे बचाव के उपायों की जानकारी देना था, ताकि वे जिम्मेदार नागरिक बन सकें और सुरक्षित यातायात व्यवस्था में योगदान दे सकें। कार्यक्रम में राइज अप के संस्थापक ऋषभ आनंद ने छात्राओं को संबोधित करते हुए सड़क पर सतर्कता और नियमों के पालन की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अक्सर छोटी-छोटी लापरवाहियां और नियमों की अनदेखी ही बड़े हादसों का कारण बन जाती हैं, जिन्हें केवल जागरूकता और सतर्कता से रोका जा सकता है। उन्होंने छात्राओं से अपील की कि वे स्वयं सुरक्षित रहें और अपने परिवार और समाज को भी सड़क सुरक्षा के प्रति सजग करें। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने विषय में गहरी रुचि दिखाई और कई सवाल पूछते हुए चर्चा में सक्रिय भागीदारी की। कॉलेज के प्रधानाचार्य और शिक्षक ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से छात्राओं में सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है और उन्हें जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं की शिक्षा मिलती है। कॉलेज प्रशासन ने भविष्य में भी इस तरह के जागरूकता अभियानों को निरंतर प्रोत्साहित करने की बात कही। इस कार्यक्रम में लायंस क्लब ऑफ चाईबासा लावण्या की अध्यक्ष आरती मोदी, सचिव वरिषा दोदराजका, कोषाध्यक्ष प्रीति दोदराजका, शालिनी सराफ, लेन. खुशी मोदी, मनीषा पिरोजीवाला और खुशबू अग्रवाल सहित क्लब की पूरी टीम उपस्थित रही।

भारत गान महोत्सव 2025 में झारखंड के राहुल सरकार को अनूप जलोटा के साथ गाने का अवसर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : पंडित रविशंकर म्यूजिक फाउंडेशन की ओर से भारत गान महोत्सव 2025 का आयोजन नई दिल्ली में आगामी 31अक्टूबर से 2 नवंबर होना है।तीन दिवसीय भारत गान महोत्सव में फोर्ब्स वर्ल्ड रेकॉर्ड सर्टिफिकेशन सर्विसेज यूके का भी महत्वपूर्ण सहयोग रहेगा। संगीत उत्सव में देशभर के 14 से 80 वर्ष उम्र के 9001 कलाकार एक साथ एक मंच से लाइफ प्रस्तुति देंगे। महोत्सव के लिए लौहनगरी जमशेदपुर के प्रसिद्ध युवा गायक राहुल सरकार को भजन सम्राट अनूप जलोटा के साथ टाइटल सॉन्ग में गाने का मौका मिला। टाइटल सॉन्ग का लॉन्चिंग मुम्बई में अनूप जलोटा के घर से किया गया। संगीत प्रोजेक्ट में

विश्वविख्यात संगीतज्ञ पंडित विश्व मोहन भट्ट, बाँसुरी सम्राट रौनु मजूमदार और संतूर वादक पंडित तरुण भट्टाचार्य सहित अन्य कई दिग्गज कलाकार भी शामिल रहे। यह अद्वितीय संगीत का आयोजन आगामी 31अक्टूबर से दिल्ली में प्रसारित किया जाएगा। देशभर के संगीत प्रोजेक्ट में शामिल होने वाले कलाकारों के नाम गिनीस बुक में दर्ज की जाएगी। शहर के युवा संगीत कलाकार राहुल सरकार के इस उपलब्धि से स्थानीय परिचित लोगो मे हर्ष का माहौल है। इस संगीत प्रोजेक्ट को देशभर के लिए अब तक का सबसे बड़ा समूह गायन माना जा रहा है।शहर के प्रसिद्ध युवा गायक राहुल ने बताया यह परियोजना भारतीय संगीत की समृद्ध विरासत को समर्पित है। इसका उद्देश्य विश्व पटल पर भारत की सांस्कृतिक विविधता और एकता को दर्शाना है। इसकी रिकॉर्डिंग मुम्बई के प्रमुख स्टूडियो में किया गया।श्री सरकार के कहा यह आयोजन देशभर के संगीत प्रेमियों के लिए एक ऐतिहासिक क्षण होगा। जहाँ सुर, ताल और भाव एक साथ गूंजेंगे।ताकि भारतीय संगीत का गौरवपूर्ण स्वरूप सामने आ सके। विश्व स्तरीय संगीत प्रतियोगिता के लिए झारखंड सुप्रसिद्ध गजल गायिका काकुली सरकार को स्टेट हेड बनाया गया। जो झारखण्ड की कलाकारों का प्रतिनिधित्व करेंगे।

एक नजर

उज्ज्वल पाठक और गीता हेंब्रम का झारखंड कबड्डी टीम में चयन

पश्चिम सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम जिले के लिए गौरव का क्षण है, जहां से दो होनहार खिलाड़ियों झ उज्ज्वल पाठक (पुरुष) और गीता हेंब्रम (महिला) का चयन झारखंड कबड्डी टीम में हुआ है। ये दोनों खिलाड़ी 25 से 28 जुलाई तक चंडीगढ़ में आयोजित राष्ट्रीय सीनियर कबड्डी प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। हाल ही में मोराबादी, रांची में आयोजित ट्रायल में राज्य भर से 120 खिलाड़ियों ने भाग लिया था, जिसमें पश्चिमी सिंहभूम के 9 खिलाड़ियों ने अपना दमखम दिखाया। उनके चयन की खबर मिलते ही पूरे जिले में खुशी की लहर दौड़ गई। रविवार को कोल्हान प्रभारी श्यामल दास, झामुमो नगर अध्यक्ष राहुल तिवारी, जिला सचिव अनुपूर्ति प्रदीप कुमार महतो, गौर चंद मुखी, अनूप प्रसाद, शिव मुखी समेत कई खेल प्रेमियों ने दोनों खिलाड़ियों को बधाई और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। खेल प्रेमियों ने उम्मीद जताई कि ये दोनों खिलाड़ी अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से झारखंड और जिले का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन करेगें।

सावन क्वीन का ताज एडवोकेट दीपा सिंह के सिर

पूर्वी सिंहभूम : अंतर्राष्ट्रीय क्षत्रिय वीरांगना फाउंडेशन महासभा की झारखंड प्रदेश इकाई द्वारा सावन उत्सव का भव्य आयोजन रविवार को होटल दयाल इंटरनेशनल, साकची में किया गया। इस कार्यक्रम में वीरांगनाओं के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद मानगो आशियाना अंतरा की एडवोकेट दीपा सिंह को सावन क्वीन 2025 के खिताब से नवाजा गया, जबकि बारीडीह की पूर्णिमा सिंह रनरअप रहीं। कार्यक्रम में वीरांगनाओं ने श्रावण मास और भगवान शिव से जुड़े महत्व पर चर्चा की। इसके साथ ही पारंपरिक कजरी, सावन गीतों, सोलह श्रृंगार और अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सबका मन मोह लिया। उत्सव के बाद उपस्थित सभी ने पारंपरिक व्यंजनों का भी भरपूर लुत्फ उठाया। इस अवसर पर झारखंड प्रदेश वीरांगना की संरक्षक प्रभा सिंह, मुदिता सिंह, पदाधिकारी सरोज सिंह, कोल्हान की कार्यकारी अध्यक्ष कमलेश सिंह, संरक्षक ललिता राय, पूर्वी सिंहभूम की जिलाध्यक्ष सुनंदा सिंह, उपाध्यक्ष कृष्णा सिंह, संगठन की लीगल एडवाइजर एडवोकेट दीपा सिंह, जिला महासचिव माधवी सिंह, उपाध्यक्ष कंचन सिंह, सरायकेला की अध्यक्ष शशिप्रभा सिंह, संरक्षक संजू सिंह, वीरांगना पदाधिकारी कमल सिंह, रेखा सिंह, सरोज सिंह, नीरा सिंह, गीता सिंह, संगीता सिंह, ममता सिंह, मंजू सिंह सहित कई वीरांगनाओं ने हिस्सा लिया और कार्यक्रम को सफल बनाया।

हत्या का खुलासा दो गिरफ्तार

पश्चिम सिंहभूम : सदर थाना क्षेत्र के न्यू कॉलोनी नीमडीह में 14 जुलाई को सुमित सिंह यादव की गोली मारकर हत्या करने के मामले का पुलिस ने रविवार को खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस हत्याकांड में शामिल दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि तीन अन्य फरार आरोपितों की तलाश में लगातार छापेमारी की जा रही है। मृतक सुमित सिंह यादव की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में मृतक के पिता के फर्द बयान के आधार पर 14 जुलाई को सदर थाना में कांड संख्या((56/25) दर्ज किया गया था। पश्चिमी सिंहभूम के पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर चाईबासा के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया, जिसमें सदर थाना और मुफ्फसिल थाना के प्रभारी, पुलिस पदाधिकारी एवं अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

दिवंगत सहायक अध्यापक तरणी सहीस के परिजनों को शिक्षक संघ ने दी सहयोग राशि

पटमदा : सहायक अध्यापक संघ पटमदा की ओर से दिवंगत सहायक अध्यापक स्व तरणी सहीस के परिजन को सहयोग राशि के तौर पर 24 हजार रुपए दिया गया। विगत रविवार को उनका ब्रेन हेमरेज के कारण देहांत हो गया था । उनके परिवार में तीन बेटी और एक बेटा है। संघ के पदाधिकारीयो ने कहा कि सरकार सहायक अध्यापक नियमावली में अनुकम्पा पर अभी तक नौकरी नहीं मिलना हमारे साथ सौतेला व्यवहार है। इस दौरान उज्ज्वल कान्ति दास, संतोष कु महतो , सौरव कु मिश्रा, निमाई भुइंया, गौतम कु गोप, गया सागर महतो,निर्मल महतो आदि उपस्थित थे।

बोड़ाम में बैंक ऑफ इंडिया ने किसान माह के तहत किया पौधरोपण

बोड़ाम : बैंक ऑफ इंडिया के द्वारा किसान माह के तहत आदिवासी उच्च विद्यालय बोड़ाम के प्रांगण में वृक्षा रोपण किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों के। बीच पर्यावरण संरक्षण के महत्व की जानकारी देना। कार्यक्रम में मुख्य रूप से वरीय शाखा प्रबंधक राहुल कुमार, पदाधिकारी गौतम कुमार पाल, ब्रजेश कुमार पांडे, रुमा सेनगुप्ता आदि उपस्थित थे।

बागबेड़ा में आयोजित श्रमिक कार्ड रजिस्ट्रेशन शिविर से सैकड़ों मजदूर हुए लाभान्वित

पूर्वी सिंहभूम : उत्तरी बागबेड़ा पंचायत के नया बस्ती में पिछले एक महीने से आयोजित नि:शुल्क श्रमिक कार्ड रजिस्ट्रेशन शिविर में सैकड़ों मजदूरों ने पंजीकरण कर श्रमिक कार्ड प्राप्त किए। रविवार को आयोजित वितरण कार्यक्रम में पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष राजकुमार सिंह, वर्तमान उपाध्यक्ष पंकज सिंहा, पूर्व जिला पार्षद किशोर यादव, मुखिया गौरी टोप्पो, उपमुखिया मुकेश सिंह और पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता ने संयुक्त रूप से मजदूरों के बीच श्रमिक कार्ड वितरित किए। इस दौरान कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रदीप ठाकुर, विशाल, साजन कुमार, अमन, आनंद, बबलू साहू, दीपक सिंह, दिनकर, सोनू दास और कुंदन का विशेष योगदान रहा। अतिथियों ने कहा कि श्रमिक कार्ड मिलने के बाद मजदूरों को राज्य सरकार की कई कल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ मिलेगा, जिससे वे सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनेंगे। पंचायत प्रतिनिधियों ने बताया कि श्रमिक कार्ड बनवाने के लिए लाभार्थियों को आधार कार्ड, बैंक पासबुक की प्रति, पासपोर्ट साइज फोटो, नॉमिनी का आधार कार्ड और बैंक विवरण जमा करना होता है। उन्होंने कहा कि जो मजदूर अभी वंचित रह गए हैं, उनके लिए आगे भी पंचायत स्तर पर ऐसे शिविर आयोजित किए जाएंगे ताकि सभी असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा का लाभ मिल सके और वे आत्मनिर्भर बन सकें।

पश्चिमी सिंहभूम चाईबासा इलाके से सर्च अभियान में 14 आईईडी और भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद

पश्चिम सिंहभूम : झारखंड पुलिस, सीआरपीएफ, और झारखंड जगुआर की संयुक्त टीम ने पश्चिमी सिंहभूम चाईबासा और सरायकेला-खरसावां जिले के सीमावर्ती जंगली एवं पहाड़ी क्षेत्रों में रविवार को चलाए गए विशेष सर्च अभियान के दौरान नक्सलियों के जरिये छिपाकर रखे गए 14 आईईडी, देशी हैंड ग्रेनेड, अमोनियम नाइट्रेट पाउडर, पटाखा पाउडर और स्टील कंटेनर बरामद किए हैं। बरामद आईईडी का वजन लगभग 2-2 किलोग्राम बताया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, भाकपा (माओवादी) के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु, अनल, असीम मंडल, अजय महतो, सागेन अंगरिया, अश्विन, पिंटु लोहरा, चंदन लोहरा, अमित हांसदा उर्फ अपटन, जयकांत, रापा मुंडा एवं अन्य नक्सली अपने दस्ते के साथ सारंडा और कोल्हान क्षेत्र में विध्वंसक गतिविधियों को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। इसके लिए उन्होंने टोकलो थाना क्षेत्र (पश्चिमी सिंहभूम) और कुचाई थाना क्षेत्र (सरायकेला-खरसावां) की सीमावर्ती पहाड़ियों में विस्फोटक छिपा रखे थे ताकि सुरक्षा बलों के अभियान को बाधित किया जा सके और उन्हें निशाना बनाकर नुकसान पहुंचाया जा सके। पश्चिमी सिंहभूम के पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन ने गुप्त सूचना के आधार पर चाईबासा पुलिस, सरायकेला-खरसावां पुलिस, झारखंड जगुआर और सीआरपीएफ 60 बटालियन की संयुक्त टीम ने सघन तलाशी अभियान शुरू किया। अभियान के दौरान विस्फोटक सामग्री बरामद की गई। सुरक्षा की दृष्टि से सभी आईईडी और अन्य विस्फोटकों को बम निरोधक दस्ते की मदद से मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। एसपी ने बताया कि नक्सलियों की विध्वंसक गतिविधियों को विफल करने और क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे। बरामदगी से यह स्पष्ट होता है कि नक्सली संगठन सुरक्षा बलों को निशाना बनाने के इरादे से फिर सक्रिय हो रहे थे, लेकिन समय रहते उनकी साजिश को नाकाम कर दिया गया।

जंगलराज शब्द कभी विपक्ष का हथियार, अब सत्ता की बेबसी

बिहार में 'जंगलराज' शब्द महज एक आरोप नहीं, बल्कि दशकों से सत्ता बदलने का सबसे कारगर हथियार रहा है। लालू-राबड़ी शासन के वक्त अगर कोई एक लाठी सबसे ज्यादा चली तो वो थी जंगलराज के नाम की। नीतीश कुमार ने इसी के दम पर खुद को 'सुशासन बाबू' के तौर पर गढ़ा और एनडीए की गाड़ी को पटरी पर रखा। लेकिन आज वही जंगलराज फिर से चर्चा में है, फर्क बस इतना है कि बोलने वाले अब विरोधी हैं और चुप रहने वाले सत्ताधारी।बीते दो महीनों की घटनाएँ देखिए राजधानी पटना के बीचों बीच दिनदहाड़े कारोबारी गोपाल खेमका को गोली मार दी जाती है। पुलिस स्टेशन से कुछ ही दूरी पर व्यापारी का मर्डर बताता है कि अपराधियों को अब पुलिसिया कार्रवाई की परवाह नहीं रही। इससे पहले पारस अस्पताल में इलाजरत कुख्यात गैंगस्टर की हॉस्पिटल के अंदर घुसकर हत्या कर दी जाती है। पांच शूटर आते हैं, गोली मारते हैं और आराम से भाग जाते हैं। अस्पताल में सुरक्षा गार्डों की भी हिम्मत नहीं होती और पुलिस पहुँचने से पहले बदमाश फरार हो जाते हैं। बाद में पुलिस ताबड़तोड़ गिरफ्तारी दिखा कर अपनी पीठ थपथपा लेती है, मगर आम लोग सवाल पूछते हैं क्या यही सुशासन है? नीतीश कुमार के लिए ये हालत कितनी मुश्किल हैं, इसका अंदाजा इसी से लगाइए कि जो जंगलराज कभी उनके भाषणों का स्थायी हिस्सा था, वो अब कहीं सुनाई नहीं देता। 18 जुलाई को मोतिहारी में पीएम मोदी की विशाल रैली में भी जंगलराज शब्द मंच से गायब रहा। जबकि यही मंच कभी लालू-राबड़ी शासन को घेरने का सबसे बड़ा हथियार होता था। मोतिहारी में प्रधानमंत्री ने बड़ी-बड़ी परियोजनाओं की सौगात दी, विकास के आंकड़े गिनाए, लेकिन बिहार की सड़कों पर पसरी दहशत पर कुछ नहीं कहा।अब सवाल उठता है कि आखिर ऐसा क्या हुआ कि जंगलराज का जिक्र सत्ता पक्ष के लिए बोझ बन गया? दरअसल ये शब्द अब बूमरैंग बन चुका है। विपक्ष इसे लालू यादव के बीते दौर के बजाय नीतीश के मौजूदा कार्यकाल से जोड़ रहा है। तेजस्वी यादव बार-बार कह रहे हैं कि जब हर रोज मर्डर हो रहे हैं, अस्पतालों में गैंगवार हो रहा है, व्यापारी कत्ल हो रहे हैं तो ये जंगलराज किसका है? सोशल मीडिया पर तेजस्वी ने लिखा 'गुंडे सम्राट बन बैठे हैं और पुलिस अधिकारी बेबस रंक।' यही तंज नीतीश सरकार को सबसे ज्यादा चुभ रहा है। इसका बड़ा कारण यह भी है कि नीतीश सरकार के पास फिलहाल अपराध पर सख्त कार्रवाई का कोई ठोस खाका नजर नहीं आ रहा है। सिवान में एक ही रात में तीन लोगों की हत्या, नालंदा में दोहरी हत्या और पटना में खुलेआम गैंगवार ये सब अलग-थलग घटनाएँ नहीं हैं। ये हालात सरकार की कमजोर पकड़ और पुलिस प्रशासन के ढीले रवैये को दिखा रही हैं। डीजीपी ने हाल ही में कहा कि खेती-किसानी के खाली समय में बेरोजगारी के कारण अपराध बढ़ रहे हैं। सवाल यह है कि अगर अपराध बेरोजगारी से बढ़ रहे हैं तो बीते बीस साल में सरकार ने रोजगार देने के लिए कौन-सी ठोस नीति अपनाई? ऊपर से पुलिस के बड़े अधिकारी अब किसानों को अपराध का कारण बताकर बचना चाहते हैं और विपक्ष इसी बयान को जनता के बीच भुनाने में लगा है। दूसरी तरफ बीजेपी भी उलझन में है। जंगलराज शब्द छेड़ने पर बिहार के वोटर सवाल पूछेंगे कि जब करीब डेढ़ दशक तक आप सत्ता में हिस्सेदार रहे, तो फिर हालात क्यों बिगड़ गए? यही वजह है कि पीएम मोदी ने भी लालू परिवार पर भ्रष्टाचार के वार तो किए, लेकिन जंगलराज की लाठी निकालने से बचते दिखे। एनडीए की पूरी रणनीति अब विकास योजनाओं और केंद्र की सौगातों पर टिकी है ताकि लोग अपराध की बात भूल जाएँ। पर क्या वाकई लोग भूल जाएंगे? यहाँ समाज का नजरिया भी बदल रहा है। पहले जाति ही राजनीति का सबसे बड़ा बंधन थी। लालू यादव की राजनीति इसी जातीय समीकरण के दम पर चमकी। नीतीश ने विकास और कानून-व्यवस्था को जाति से बड़ा मुद्दा बना दिया था। लेकिन अब सुशासन बाबू के राज में ही कानून-व्यवस्था सवालों के घेरे में है। छोटे व्यापारी डरे हुए हैं, बड़े कारोबारी बच्चों को बाहर भेजने की तैयारी में हैं और गांव-कस्बों में अपराधियों के हौसले देखकर लोग खुद को असहाय महसूस कर रहे हैं।

सूडोकु नवताल- 7497

★★★★☆ मध्यम

2	9		3	1			8	
3	6		2		7		9	
		7			6		2	1
	7		1					
1	3			4			7	2
					5		4	
6	2		4			9		
	5		6		9		1	8
	1			5	3		6	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7496 का हल

3	9	7	5	1	4	6	8	2
1	2	8	6	9	3	4	5	7
6	4	5	2	8	7	1	3	9
5	7	3	4	6	9	2	1	8
2	1	9	7	5	8	3	4	6
4	8	6	3	2	1	7	9	5
9	3	2	8	4	6	5	7	1
7	6	1	9	3	5	8	2	4
8	5	4	1	7	2	9	6	3

'ग्रेटर इस्राईल' के निर्माण की राह पर इस्राईल

तनवीर जाफरी

सीरिया की सत्ता की बागडोर इस समय अहमद अल-शरा उर्फ अबू मोहम्मद अल-जुलानी नमक एक ऐसे विवादास्पद व्यक्ति के हाथों में है, जो एक आतंकवादी नेता से सीरिया के अंतरिम राष्ट्रपति की कुर्सी तक पहुंचा है। अलकायदा से निकले जुलानी के आतंकी संगठन हयात तहरीर अल-शाम ल्ळर को संयुक्त राष्ट्र, अमेरिका, यूरोपीय संघ और ब्रिटेन ने आतंकवादी संगठन के रूप में सूचीबद्ध किया था। पहले अमेरिका ने जुलानी पर 10 मिलियन डॉलर का इनाम भी रखा था। बाद में 14 मई 2025 को सऊदी अरब की राजधानी रियाद में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जुलानी से मुलाकात की और सीरिया पर लगे प्रतिबंध हटा दिए, जिससे उनकी सरकार को मान्यता मिली। इस मुलाकात के समय सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान भी मौजूद थे। गौर तलब है कि बशर अल-असद की सरकार का पतन 8 दिसंबर, 2024 को हुआ, जब विद्रोही गुटों, विशेष रूप से अबू मोहम्मद अल-जुलानी के नेतृत्व वाले हयात तहरीर अल-शाम ने सीरिया की राजधानी दमिश्क पर कब्जा कर लिया। इसके बाद राष्ट्रपति बशर अल-असद अपने परिवार के साथ देश छोड़कर रूस चले गये। असद को रूस में राजनीतिक शरण दी गई। विद्रोहियों ने 27 नवंबर, 2024 को शुरू हुए एक तीव्र हमले के बाद, केवल 11 दिनों में ही बिना किसी खूनी संघर्ष के असद सरकार को उखाड़ फेंका था। बशर अल-असद को सत्ता से हटाने व अबू मोहम्मद अल-जुलानी को आतंकी से सीरिया का अंतरिम राष्ट्रपति बनाने तक के सफर में अमेरिका व इस्राईल की महत्वपूर्ण भूमिका थी। अमेरिका व इस्राईल ने ऐसा इसलिये किया था क्योंकि बशर अल-असद का न केवल रूस की ओर झुकाव था बल्कि उन्हें ईरान समर्थित भी माना जा रहा था। इसीलिये शिया सुन्नी मतभेदों का लाभ लेकर कट्टर सुन्नी विचारधारा वाले अबू मोहम्मद अल-जुलानी को सत्ता सौंपी गयी।

आज उसी सीरिया पर इस्राईल तरह तरह के बहाने बनाकर हमलावर है।इस्राईली वायुसेना ने गत 16 जुलाई को सीरिया की राजधानी दमिश्क में सीरियाई सेना के मुख्यालय और दक्षिणी सीरिया के दर्रा और स्वीदा क्षेत्रों में सैन्य ठिकानों पर हवाई हमला किया । इस्राईल की ओर से हमले का उद्देश्य द्रूज व अन्य अल्पसंख्यक समुदाय की सुरक्षा के लिए उठाया जाने वाला रणनीतिक कदम बताया गया। जबकि राजनैतिक विश्लेषकों का मानना है कि गजा में नरसंहार की इबारत लिखने वाली इस्राईली सेना का सीरिया में द्रूज समुदाय की सुरक्षा के लिए खड़े होने की बात करना ही अपने आप में हास्यास्पद है। दरअसल इस हमले का मकसद व सन्देश सीरिया का असैनिकीकरण करना है। और इस बहाने वह अपनी सीमा से लगते सीरिया पर गिद्ध दृष्टि लगाए हुये है। अपनी इसी दूरगामी लक्ष्य को साधते हुये इस्राईल ने विशेष रूप से 2024 और 2025 में, सीरिया में कई हवाई और जमीनी हमले किए हैं। इन हमलों का मुख्य लक्ष्य सीरिया के सैन्य ठिकानों, हथियार भंडारों, और ईरान समर्थित समूहों (जैसे हिजबुल्लाह) को निशाना बनाना रहा है। 2024 के दिसंबर में तो इस्राईल ने सीरिया के 250 से अधिक ठिकानों पर हमला किया, जिसमें 70-80% रणनीतिक सैन्य संपत्तियों को नष्ट करने का दावा किया गया था । इसी तरह इस्राईल ने गोलान हाइट्स के पास बफर जोन पर नियंत्रण बढ़ाया और दक्षिणी सीरिया में द्रूज समुदाय की सुरक्षा का हवाला देते हुए हमले किए। इस्राईली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, ने इन हमलों को राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने और आतंकवादी समूहों या शत्रुतापूर्ण ताकतों (जैसे ईरान और हिजबुल्लाह) को सीरिया में मजबूत होने से रोकने के लिए आवश्यक बताया।

वर्तमान समय में सीरिया के अंतरिम राष्ट्रपति अबू मोहम्मद अल-जुलानी को अमेरिका व इस्राईल ने सत्ता पर बिठाकर इतना अलग थलग व असहाय कर दिया है कि वह न तो रूस की ओर देख सकता है न ईरान की ओर। उल्टे सीरिया की रही सही सैन्य क्षमता को भी समाप्त करने की भरपूर कोशिश की जा रही है। हालाँकि ताजा प्राप्त समाचारों के अनुसार इस्राइल और सीरिया के बीच युद्धविराम (सीज फायर) की घोषणा की गई है। गत 17 जुलाई को, सीरिया के दक्षिणी शहर सुवायदा में ड्रूज अल्पसंख्यक और बेदुईन समुदायों के बीच हिंसक झड़पों के बाद, जिसमें इस्राइल ने हस्तक्षेप किया था, एक युद्धविराम पर सहमति बनने की खबर है । अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने घोषणा की है कि इस्राइल सहित सभी पक्षों ने युद्ध विराम के लिए सहमति जताई है। इस युद्ध विराम के के तहत सीरियाई सेना सुवायदा से वापस हट रही है, और ड्रूज नेताओं के साथ एक समझौता हुआ है जिसमें सैन्य कार्रवाइयां पूरी तरह से रोकने और क्षेत्र को सीरियाई राज्य में पूरी तरह से एकीकृत करने की बात शामिल है। अमेरिकी दूत टॉम बैरक ने भी पुष्टि की है कि इस्राइल और सीरिया ने तुर्की, जॉर्डन और अन्य पड़ोसी देशों के समर्थन से युद्ध विराम पर सहमति जताई है। इस्राइल ने सुवायदा में सीरियाई आंतरिक सुरक्षा बलों को 48 घंटों के लिए सीमित प्रवेश की अनुमति भी दी है ताकि व्यवस्था बहाल की जा सके। इन्हीं खबरों के बीच कुछ ड्रूज नेताओं, जैसे शेख हिकमत अल-हजरी, ने इस युद्धविराम को खारिज कर दिया है और लड़ाई जारी रखने की बात कही है, जिससे युद्ध विराम की स्थिरता पर भी सवाल उठ रहे हैं। इसी वजह से यह युद्धविराम नाजुक भी माना जा रहा है, क्योंकि पहले भी एक युद्धविराम कुछ ही घंटों में टूट चुका है। स्थिति अभी भी तनावपूर्ण है, और यह स्पष्ट नहीं है कि यह समझौता लंबे समय तक कायम रहेगा भी अथवा नहीं ।

परन्तु बशर अल-असद को सत्ता से बेदखल करने से लेकर अपने पिट्ठू अंतरिम राष्ट्रपति जुलानी के दौर में भी सीरिया को सैन्य विहीन करने के लिये चलाया जाने वाला इस्राईली सैन्य अभियान इस निष्कर्ष पर पहुँचने के लिये काफी है कि गोलान की पहाड़ियों पर कब्जा जमाने के बाद अब इस्राईल की कुदृष्टि सीरिया पर लगी हुई है। और कोई आश्चर्य नहीं कि इसके लिये खुद अंतरिम राष्ट्रपति अबू मोहम्मद अल-जुलानी को ही अमेरिका-इस्राईल का मोहरा बनने के लिये बाध्य होना पड़े। पूरे विश्व के लिये यह आँखें खोलने का अवसर है और मध्य एशिया में अमेरिकी मोहरे के रूप में इस्तेमाल किये जा रहे इस्राईल के इरादों को समझने का वक़्त है। यह कहने में कोई हर्ज नहीं कि फिलिस्तीन पर कब्जे के बड़े हिस्से पर कब्जे के बाद अब गजा के नरसंहार से लेकर सीरियाई हमलों तक इस्राईल 'ग्रेटर इस्राईल' के निर्माण की राह पर आगे बढ़ने के लिये प्रयासरत है?

सृष्टि का आधार हैं शिव

अरूण कुमार दिक्षित

सावन चहुँदिश उल्लास लाता है। प्रकृति श्रृंगार करती है। वनस्पतियों का सौंदर्य आकर्षित करता है। नदियों झीलों सरोवरों में जल प्रवाह बढ़ जाता है। सावन मनुष्यों के साथ प्रत्येक जीव को आनंदित करता है। दादुर (मेंढक) कोयल, पपीहा भी गीत गाने लगते हैं। सब तरफ हरियाली दिखाई देती है। सावन की हरीतिमा प्रत्येक का आकर्षण है। आकाश में जल भरे मेघ देखकर ही हृदय प्रफुल्लित होता है। तपिश की विदाई हो जाती है। वह बार-बार मुड़कर देखती है पर उसे जाना ही पड़ता है। मेघों की प्रत्येक अमृत बूंद सबको ताजगी स्फूर्ति से भर देती है। खेती किसानी का कार्य आरंभ हो जाता है। किसानों के हृदय से गीत उठने लगते हैं। वह भी बरसात में आनंदित होते हैं। सावन में धान की खेती का कार्य अधिकतम होता है। धान से ही अक्षत निकलते है। धान बाद में अक्षत (चावल)हो जाता है। भारतीय संस्कृति में अक्षत का बड़ा महत्व है। मांगलिक कार्यक्रमों में अक्षत का प्रयोग हर जगह है। माटी का कलश रखा जाता है कलश पर सतरंगी अक्षतों की छटा सबने देखी है।

सावन का भारतीय संस्कृति में अति महत्व है। सृष्टि का आधार शिव हैं। पूरे सावन माह देवाधिदेव महादेव का पूजन अर्चन किए जाने के भारतीय धार्मिक ग्रन्थो में निर्देश हैं। वह आदि देव हैं। उन्हें महादेव कहा गया है। वे उमापति अर्थात वे मां पार्वती के पति हैं। वह ही अर्धनारीश्वर हैं। राम जब श्रीलंका युद्ध के लिए प्रस्थान करते हैं उससे पूर्व समुद्र तट पर शिवलिंग की स्थापना करते हैं। वही रामेश्वरम शंकर ही हैं। शिव शक्ति अनादि है। पार्वती शक्ति का अंश है। वह ही शिव की अर्धांगिनी हैं। कहा जाता है श्रावण मास में पार्वती ने शिव को पति के रूप में पाने की तपस्या की थी। जब हम अपनी भीतर की यात्रा में होते हैं अपने अंतस की वाणी को सुनते हैं। अन्तस् में स्थिर होकर वह शक्ति बाहर गतिशील होती है। जीवन में शुभ अशुभ, दिन रात, प्रकाश अंधकार, हर्ष-विषाद, अमृत-विष, मंगल- अमंगल साथ-साथ हैं। शिव सृजन और प्रलय के देवता हैं।

रुद्र संहिता में शिव ने दक्ष से कहा मैं अपने सगुण स्वरूप के गोपनीय रहस्य को धर्म की दृष्टि से तुम्हारे सामने प्रकट करता हूँ। जगत का मैं ही परम कारण ब्रह्मा और विष्णु हूँ। मैं सबका आत्म ईश्वर और साक्षी हूँ। अपनी त्रिगुणात्मिका शक्ति को स्वीकार करके मैं ही जगत की सृष्टि पालन और संहार करता हूँ। ब्रह्मा विष्णु और रुद्र नाम धारण करता हूँ।

गीता के दसवें अध्याय विभूति योग में श्री कृष्ण कहते हैं, रुद्रो में मैं ही शंकर हूँ। मैं देवताओं का महर्षियों का आदि हूँ। इससे पूर्व वे कहते हैं कि जो मनुष्य अजन्मा अनादि और संपूर्ण लोकों को ईश्वर जानता है संदेह रहित स्वीकारता है वह मनुष्यों में ज्ञानवान है। परमात्मा सभी शक्तियों विद्याओं का स्रोत है। शक्ति चिन्मय परम तत्व में ही रहती है।

शिव महापुराण में महादेव ने पार्वती से कहा यदि साधक के मन में श्रद्धा भक्ति न हो तो पूजन, कर्म, तपस्या, जप, आसन आदि अन्य साधन से भी मैं वशीभूत नहीं होता हूँ। मैं श्रद्धा से वश में होता हूँ। फिर वह मेरा दर्शन स्पर्श पूजन और संभाषण भी कर सकता है। श्रद्धा स्वधर्म के हेतु है। वही इस लोक में रक्षा करने वाली है। मेरे बताएं मार्ग से ही मुझमें स्थिर भाव से चित लगाने वाले साधक द्वारा जो अंतःकरण की वृत्तियों का निरोध किया जाता है। उसी को योग कहते हैं। फिर कहते हैं देवी चित को निर्मल एवं प्रसन्न बनाना अश्वमेध यज्ञों के समूह से श्रेष्ठ है। वही मुक्ति प्रदाता है। आगे कहते हैं प्राणियों पर दया करनी चाहिए। ज्ञान का संग्रह आवश्यक है। मुझ में श्रद्धा करना। इंद्रियों का संयम वेद पढ़ना यज्ञ, करना मेरा चिंतन करना आवश्यक है। प्रिये, कर्ममय यज्ञ द्वारा मेरी पूजा करके फिर ज्ञान योग का साधक अभ्यास करें। मेरा पूजन दो तरह का है वाह्य है और आभ्यंतर। मन वाणी और शरीर। त्रिविध साधनों के भेद से मेरा भजन तीन प्रकार माना गया है। तप,कर्म, जप, ध्यान और ज्ञान। मेरे भजन के पांच स्वरूप हैं। मूर्ति पूजन वाह्य पूजन है। वहीं, भजन पूजन जब मन के द्वारा होने से केवल अपने ही अनुभव का विषय होता है। तब आभ्यन्तर कहा जाता है। मुझ में लगा चित्त मन कहलाता है। जो वाणी मेरे नाम जप कीर्तन में लगी हुई है वही वाणी कहलाने योग्य है। शरीर नहीं। शास्त्र में बताए हुए त्रिपुण्ड्र आदि चिन्हों से अंकित है निरंतर मेरी सेवा पूजा में लगा है वही शरीर है दूसरा नहीं। मेरे स्वरूप का चिंतन स्मरण ही ध्यान है। मैं सदा ही कृतकृत्य हूँ।

शिव का रुद्राभिषेक, जलाभिषेक अनेक तरह के पदार्थों से वस्तुओं से किया जाता है। वे ही नील कंठ हैं। समुद्र मंथन में अमृत के साथ निकले विष को भी शिव ने लोक मंगल के लिये पान किया। यह भी समझना है कि जब शिव को विष पान करना पड़ा तब साधारण मनुष्य को विषपान करके ही उसके भी मनोरथ पूरे होंगे। मनोरथ चाहे स्वयं के हो अथवा राष्ट्र समाज के लोकमंगल के हों। बाधाएं हैं। बाधा रूपी विषपान के बाद ही शिवत्व घटित होता है। फिर राम हों, कृष्ण हों परशुराम हो विष बाधा प्रत्येक को पार करनी पड़ती है। तभी शिवत्व घटित होता है।

प्रत्येक मनुष्य के अंतस में एक स्त्री भाव है। नारी भाव है। प्रत्येक स्त्री के अंतस में पुरुष भाव है। यही कारण है कि प्रत्येक पुरुष स्वयं को अकेला समझता है। जानता है। वह संपूर्ण पुरुष नहीं है। वह पुरुष आधा है। वह स्त्री भी आधी है। इसलिए बात पूर्ण की एकत्व की होती है। जो तत्व जो भाव पुरुष में है वह स्त्री में नहीं है। जो भाव ऊर्जा स्त्री में है वह पुरुष में नहीं है। जब दो मिलते हैं तब वह संपूर्ण होते हैं। ऊर्जा भी धनात्मक और ऋणात्मक है। यह विज्ञान की भाषा है। विज्ञान का भी काम कम दो से ही चलता है। एक से नहीं। दोनों के मिलने से ही एकत्व ऊर्जा घटित होती है। ऊर्जा प्रवाहित होती है। सघन होती है। तभी सावन माह शिव के लिए समर्पित है।

सावन में चंपा, चमेली, रातरानी, नरगिस, मधु मालती मनोकामिनी, अपराजिता, सावनी, लिली सहित हजारों लाखों पुष्पों की प्रजातियां पुष्पों से भर जाती हैं। वातावरण महक लहक जाता है।सावन में ही झूला झूलने का परंपरा रही है। अब यह परंपरा लगभग क्षीण हो रही है। साथ ही कजरी, सावन गीत गाँव गली में गूँजते थे। सावन के गीतों को भारतीय सिनेमा ने विशेष रूप से दशार्या है। नायक नायिकाओं के मिलन और विरह की कहानियां भी फिल्मों में प्रदर्शित की गई हैं।

अनेक साहित्यकारों ने भी सावन को विषय बनाया है। सावन की बरसात और मस्ती सबको मद मस्त बनाती ही है। एक गीत है सावन की घटाओं में इन मस्त फिजाओं में आग सी लगती है जिया में इन सावन की घटाओं से तुमको, तुमको भी तो ऐसा कुछ होता होगा ओ सजनी। और टिप टिप बरसा पानी। आग लगा दो सावन को। सावन ने आग लगाई। सावन का महीना पवन करे शोर जियरा रे झूमे ऐसे जैसे वनमा नाचे मोर यह प्रसिद्ध गीत मनमोहक है। सावन और शिवत्व की अमृत बूंदें वर्षा ऋतु में सबको अभिसिंचित करती हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

स्क्रॉल संस्कृति और अंधविश्वास : तकनीक के युग में मानसिक गुलामी

डॉ सत्यवान सौरभ

आज का युग तकनीक और सूचना का है। हर हाथ में मोबाइल है, हर जेब में इंटरनेट। लेकिन क्या वास्तव में हम ज्यादा जागरूक हुए हैं या बस स्क्रीन पर फिसलती उंगलियों के गुलाम बन गए हैं? विज्ञापन, वीडियो, मीम्स, रील्स और टोटकों की अंतहीन दुनिया में लोग उलझे हुए हैं। ₹स्क्रॉल संस्कृति₹ ने हमारे ध्यान की डोर काट दी है। पहले जो बातें गहराई से समझी जाती थीं, वे अब 30 सेकेंड के शॉर्ट्स और 280 कैरेक्टर की पोस्ट में सिमट चुकी हैं। हमारा मस्तिष्क सतही जानकारी से भर चुका है लेकिन ज्ञान की गहराई खो चुकी है। एक समय था जब हम अखबार में लंबा लेख पढ़ते थे, चर्चा करते थे, विचार करते थे। अब हम "स्क्रॉल" करते हैं- बिना रुके, बिना सोचे। नतीजा? मानसिक थकावट, एकाकीपन, दिखावे की होड़ और डिजिटल अवसाद। लोग मुस्कुराते हुए सेल्फी पोस्ट करते हैं लेकिन भीतर से टूटे हुए होते हैं। "हैशटैग हैप्पी" के पीछे एक गहरा खालीपन छिपा होता है।

सोशल मीडिया पर तथाकथित "इन्फ्लुएंसर" अब जीवन के हर क्षेत्र में सलाह दे रहे हैं- स्वास्थ्य, शिक्षा, रिश्ते, यहां तक कि अध्यात्म भी। लेकिन इनका ज्ञान सतही है और उद्देश्य? व्यूज और लाइक्स। जिन्हें खुद का मानसिक स्वास्थ्य संभालना नहीं आता, वे "मेंटल हेल्थ एक्सपर्ट" बन बैठे हैं। स्क्रॉल संस्कृति ने हमारी सोच को टुकड़ों में बाँट दिया है। एक तरफ "माइंडफुलनेस" की बात हो रही है, दूसरी तरफ हम खुद से कटते जा रहे हैं। सोशल मीडिया पर स्क्रॉल करते हुए लोग घंटों बर्बाद कर देते हैं लेकिन वास्तविक संवाद की शक्ति खो चुके हैं। एक क्लिक में हजारों राय मिलती हैं लेकिन उनकी वैधता कौन जाँचे?

तकनीकी युग में यह उम्मीद थी कि अंधविश्वास खत्म होगा। लेकिन अब ये 'डिजिटल भूत-प्रेत' बन चुके हैं। व्हाट्सएप पर: "रात को ये मंत्र जरूर पढ़ें" फेसबुक पर: "इस फोटो को 5 लोगों को भेजो, नहीं तो दुर्भाग्य आएगा" यूट्यूब पर: "पितृ दोष हटाने का चमत्कारी उपाय। क्या ये डिजिटल इंडिया है? या अंधविश्वास का नया किला? शिक्षित लोग भी वैज्ञानिक सोच की बजाय "महादेव वाले अंकल" की वीडियो से समाधान खोज रहे हैं। लोग जीवन की अनिश्चितता से डरते हैं। इस डर में वे अंधविश्वास का सहारा लेते हैं, जिससे उन्हें भावनात्मक सुरक्षा का भ्रम मिलता है।

इंटरनेट पर जानकारी है, लेकिन छँटाई करने की क्षमता नहीं सिखाई गई। नतीजतन, झूठ भी सच लगता है। हर कोई मोटिवेशनल स्पीकर, लाइफ कोच, एस्ट्रोलॉजर बन गया है। बिना प्रमाणिकता के। इनका मकसद है ट्रैफिक और पैसा। बचपन में सवाल करने पर डांटा जाता है - "श्रद्धा रखो।" यही सोच वयस्क होते ही भ्रम फैलाने वाली सामग्री को ग्रहण करने में सक्षम बना देती है। एक रिपोर्ट के अनुसार, औसतन भारतीय युवा रोजाना 4-6 घंटे सोशल मीडिया पर बिताता है। इस दौरान वह कितनी बार खुद से जुड़ता है? स्क्रॉल करते हुए हम दूसरों की ज़िंदगी की झलक देखते हैं- उनकी पार्टियों, छुट्टियों, खुशियों की तस्वीरें और अपनी ज़िंदगी से असंतुष्ट हो जाते हैं। यह तुलना भीतर एक बेचैनी और अवसाद को जन्म देती है। हमने जीवन को रील में बदल दिया है। जो दिखता है वही बिकता है- यही सोच आत्मा को खोखला कर रही है।

नींद की कमी, ध्यान भटकाव, सोशल एंग्जायटी, आत्म-संदेह, आत्महत्या की प्रवृत्ति -ये सब स्क्रॉल संस्कृति की भेंट चढ़ते मानसिक परिणाम हैं। कई शोधों में पाया गया है कि इंस्टाग्राम, टिकटॉक और फेसबुक का अधिक प्रयोग किशोरों और युवाओं में आत्म-संकोच और डिप्रेशन बढ़ाता है। टीवी चैनल्स भी अब "रहस्यमयी मंदिर", "भूतिया हवेली", "ज्योतिष समाधान" जैसे कार्यक्रमों से टीआरपी बटोरते हैं। विज्ञापन कंपनियाँ भी "राहु-केतु दोष" जैसे शब्दों से डराकर उत्पाद बेचती हैं। जब संस्थान ही वैज्ञानिक दृष्टिकोण के खिलाफ काम करें, तो जनता कैसे जागरूक हो?

रोज 1 घंटा मोबाइल-मुक्त समय बिताएं। सप्ताह में 1 दिन डिजिटल डिटॉक्स करें। रात को सोने से 1 घंटा पहले स्क्रीन न देखें। अधूरी जानकारी के आधार पर राय न बनाएं। हर बात पर शक नहीं, पर हर बात पर सोच जरूर हो। बच्चों को सवाल पूछने के लिए प्रोत्साहित करें। विज्ञान, लॉजिक और तथ्य आधारित शिक्षा प्रणाली अपनाएं। स्कूलों में "सूचना की जाँच कैसे करें" जैसे पाठ्यक्रम हों। "फैक्ट चेकिंग" एक सामाजिक आदत बने। यू-ट्यूब पर देखी गई हर बात को सच न मानें। धर्म को आत्मा से जोड़ें, डर से नहीं। श्रद्धा का मतलब है समझना, अंधा पालन नहीं। तथाकथित चमत्कारी समाधानों की जांच-पड़ताल करें।

तकनीक ने हमें जोड़ने का दावा किया था, लेकिन आज हम सबसे कट चुके हैं- खुद से भी, और समाज से भी। हम स्क्रीन पर हैं, लेकिन जीवन से बाहर हैं। हम क्लिक करते हैं लेकिन महसूस नहीं करते। सोशल मीडिया के इस कोलाहल में आत्मचिंतन की आवाज कहीं गुम हो गई है। आज सबसे बड़ी जरूरत है डिजिटल डिटॉक्स और मानसिक वैचारिक पुनर्जागरण की। वरना ये स्क्रॉल संस्कृति और अंधविश्वास मिलकर हमें उस अंधे युग में ले जाएंगे, जहां रोशनी होगी- सिर्फ स्क्रीन से निकलती- पर भीतर घुप्प अंधेरा होगा। ज्ञान कभी स्क्रॉल में नहीं आता, वह ठहराव माँगता है। श्रद्धा कभी अंधी नहीं होती, वह तर्क से ताकत पाती है। और आज के समय में सबसे बड़ा विद्रोह है- सोचना।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

दैनिक पंचांग

21 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	कर्क	05.06 बजे से
चंद्र	वृष में	सिंह	07.26 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	09.38 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	11.49 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	14.03 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	16.19 बजे से
शनि	मीन में	मकर	18.25 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	20.11 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	21.44 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		मेष	23.14 बजे से
		वृष	00.55 बजे से
		मिथुन	02.53 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 202 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** एकादशी 09.39 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** रोहिणी 21.07 बजे को समाप्त। **योग** वृद्धि 18.39 बजे को समाप्त। **करण** बालव 09.39 बजे तदनन्तर कौलव 20.22 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 20° 28' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872412 **जूलियन दिन** 2460877.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** मोहर्रम **तारीख** 25 **विशेष** कामिका एकादशी, श्रावण सोमवार व्रत, रोहिणी व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

ग्रामीणों ने तीन संदिग्ध युवकों की पिटाई कर किया पुलिस के हवाले

सरायकेला : सरायकेला-खरसावां जिला में बीती देर रात एक बजे के लगभग राजनगर प्रखंड के ईचा गांव में डकैती की मंशा से घूम रहे तीन संदिग्ध युवकों को ग्रामीणों ने पकड़ लिया। ग्रामीणों ने पहले उनकी जमकर पिटाई की फिर उन्हें बिजली के पोल से बांध दिया। एक युवक के हाथ गुच्छा से बांध दिए गए थे। इसके बाद तीनों को पुलिस के हवाले कर दिया गया। ग्रामीणों के अनुसार, तीनों युवक एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर गांव के आसपास संदिग्ध अवस्था में घूम रहे थे। उनकी हरकतों पर शक होने पर सतर्क ग्रामीणों ने उन्हें घेरकर पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान वे संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। तलाशी लेने पर एक युवक के पास से अवैध देशी पिस्तौल और नाइन एमएम की जिंदा गोली बरामद हुई। इसके बाद ग्रामीणों ने बांधकर उनकी पिटाई कर दी। ग्रामीणों की सूचना पर राजनगर पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों युवकों को गिरफ्तार कर थाने ले गई। पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुनायत ने बताया कि पकड़े गए आरोपितों की पहचान वीरेंद्र सिंह, पिंटू कुमार और आकाश हेंब्रम के रूप में हुई है। इनके पास से मोटरसाइकिल और चार मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं। जांच में पता चला है कि तीनों के खिलाफ सरायकेला और पश्चिम सिंहभूम जिलों में पहले से ही आपराधिक मामले दर्ज हैं। फिलहाल तीनों आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

चास में दो बहनों के साथ बेरहमी से मारपीट

बोकारो : चास के इस्पात कॉलोनी में दो सगी बहनों के साथ बेरहमी से मारपीट करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़िता अंशिका राज ने बताया कि वे परिवार सहित अपने पिता की हिस्सेदारी की जमीन पर बने घर में प्लास्टर करवा रही थीं, तभी पड़ोसी अंकित कुमार, आलोक ठाकुर, श्याम नारायण समेत कुल सात लोग वहां पहुंचे। आरोप है कि इन लोगों ने ज्योति कुमारी और अनीता कुमारी को जबरन घसीटते हुए घर में ले जाकर उनके साथ मारपीट की और उनके कपड़े फाड़ दिए। पीड़िता का आरोप है कि घटना की शिकायत जब स्थानीय थाना में की गई, तो कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद पीड़ित परिवार एसपी कार्यालय पहुंचा, जहां रीडर ने मामले का संज्ञान लिया और घायल बहनों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया।

जमीन चली गई और मुआवजा का राशि 86 लाख का हुआ धोखाधड़ी

बोकारो : पेटरवार प्रखंड अंतर्गत बुंडू पंचायत ग्राम गागी निवास मदन प्रसाद के परिवार के पुरुष, महिलाएं एवं बच्चों ने अजय कुमार जैन के घर के सामने पैसा और जमीन कागजात को लेकर धरना पर बैठे। बताया जाता है कि मौजा बुंडू, खाता संख्या 1, प्लॉट संख्या 439, रकबा 82 डिसमिल की जमीन स्व. कपिल देव पटवा वगैरह के नाम पर दर्ज थी। इस जमीन का अधिग्रहण भारतमाला परियोजना के अंतर्गत भू-अर्जन विभाग द्वारा किया गया था। इसके एवज में रैयत मदन प्रसाद के खाते में 1 करोड़ 81 लाख 70 हजार रुपए मुआवजा राशि के रूप में भेजी गई थी। इस दौरान अजय जैन उर्फ पन्नू द्वारा पेपर वर्क करने के नाम पर रैयत से हस्ताक्षर किया गया 9 खाली चेक लिए गए। आरोप है कि अजय जैन ने धोखे से इन खाली चेकों का इस्तेमाल कर अलग-अलग तरीकों से करीब 81लाख रु और नगद पांच लाख सहित 86 लाख निकाल लिए और इस दौरान रैयतों के जमीन संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेज भी अपने पास रख लिए।

डायन बिसाही व बाल विवाह एक सभ्य समाज के लिए अभिशाप है : राकेश चंद्रा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार नई दिल्ली एवं झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देश पर जिले के डोमचांच प्रखंड सभागार में दिन रविवार को 11:00 बजे जिला विधिक सेवा प्राधिकार एवं जिला प्रशासन कोडरमा के संयुक्त तत्वाधान में विधिक सेवा-सह- सशक्तिकरण शिविर का आयोजन किया गया। विधिक सेवा सह सशक्तिकरण शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में अपर जिला सत्र न्यायाधीश तृतीय राकेश चंद्रा मौजूद थे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के अतिथि के रूप में अंचल अधिकारी रविंद्र पांडेय मौजूद थे। वही कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी भोला पांडेय के द्वारा किया किया गया। सबसे पहले मुख्य अतिथि राकेश चंद्रा को जेएसएलपीएस महिलाओं के द्वारा तिलक लगाकर, झारखंड के पारंपरिक पत्ते का मुकुट पहनाकर एवं फूल छीटकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम स्थल पहुंचते ही प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा मुख्य अतिथि को शॉल व फूलों का गुलदस्ता देकर प्रखंड विकास पदाधिकारी भोला पांडेय ने उनका स्वागत के साथ ही विधिक सेवा-सह- सशक्तिकरण कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि राकेश चंद्रा ने कहां कि जिस प्रकार कोई बच्चा शिक्षा से वंचित नहीं रह सकता है ठीक उसी प्रकार समाज के अंतिम व्यक्ति न्याय से वंचित नहीं रह सकता है, इसके लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकार आपकी सेवा में तत्पर है। आज लोग जानकारी के अभाव में बहुत सारी कल्याणकारी सरकारी लाभ से वंचित रहते हैं, इसलिए उनका जागरूक होना बहुत जरूरी है। जिला विधिक सेवा प्राधिकार में जरूरतमंद लोग आवेदन देकर निशुल्क कानूनी सहायता प्राप्त कर सकते हैं इसके लिए उन्हें एक पैसा भी नहीं देना पड़ता है। प्राधिकार से उन्हें कानूनी सेवा के लिए अधिवक्ता के साथ उनका न्यायालय शुल्क भी मुफ्त मिलता है, इसके साथ ही उन्होंने कहा कि डायन बिसाही एक सभ्य समाज के लिए अभिशाप है, और समाज में डायन बिसाही जैसा जघन्य कुरीति का मामला आज भी प्रकाश में आता है, इसमें जानकारी के अभाव में लोगो के द्वारा एक महिला को डायन बताकर उनको प्रताड़ित करते हैं, लेकिन वह नहीं जानते हैं कि वह अपराध के श्रेणी में आता है और इसके लिए कानून में कठोर प्रावधान है तथा उन्होंने कहा चोरी छिपे अभी भी छोटी-छोटी बच्चियों का बाल विवाह होता है जो एक सभ्य समाज के लिए बहुत ही चिंता का विषय है इसे दूर करने के लिए बहुत ही जरूरी है समय-समय पर लोगों को जागरूक करना एवं अगर किसी क्षेत्र में बाल विवाह की सूचना मिलती है तो इसकी सूचना तत्काल संबंधित थाना प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार को तुरंत दे। वही प्रखंड विकास पदाधिकारी भोला पांडेय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज लोगों को कानून की जानकारी नहीं होने पर गलत तरीके से झूठ मुकदमा में फस जाते हैं इसलिए उनको कानूनी जानकारी होना बहुत आवश्यक है।

समाज में महिलाओं का सशक्त होना बहुत जरूरी है : उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

लोहरदगा : जिला प्रशासन लोहरदगा के तत्वाधान में पंचायत संसाधन केंद्र में सशक्त पंचायत नेत्री अभियान के तहत जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन जिला के महिला निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत उपायुक्त डॉ तारांचद, उप विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत और जिला पंचायत राज पदाधिकारी अंजना दास की ओर से द्वीप प्रज्वलित कर की गई। कार्यक्रम में उपायुक्त ने कहा कि समाज में महिलाओं का सशक्त होना बहुत जरूरी है। विकसित और जागरूक समाज के लिए गांवों में व्याप्त डायन प्रथा, बाल विवाह प्रथा जैसी कुरीतियों को दूर करना होगा। गांवों के विभिन्न विकास कार्यों के लिए अलग-अलग टास्क फोर्स गठित कर योजनाबद्ध तरीके से कार्य करें। इसमें महिलाओं की भूमिका बहुत अहम होती है। अपने क्षेत्र में संवेदनशील रहें और लोगों के सुख दुख में सहभागी होकर उनकी समस्याओं का निष्पादन करें। संवैधानिक पद पर होने के नाते महिलाओं को अनेकों अधिकार दिए गए हैं, उनका सदुपयोग करें। उपायुक्त ने कहा कि पंचायत स्तर पर योजनाओं को लागू करने के लिए अपने निचले स्तर के वार्ड सदस्यों से परामर्श अवश्य लें। साथ ही प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी और पंचायत सचिवों से आप अपने कार्यों से संबंधित कई जानकारी ले सकते हैं। अगर आप ठान लें तो पंचायत में सकारात्मक बदलाव आने से कोई रोक नहीं सकता है। आप देश के विकसित पंचायतों से प्रतियोगिता करें और अपने पंचायत को भी उस स्तर तक लाने का प्रयास करें। उपायुक्त ने कहा कि पंचायत को विकसित करने के कई सूचकांक निर्धारित हैं। आप सभी सूचकांकों को ध्यान में रखते हुए उस पर मेहनत करें तो आपका पंचायत सबसे उपर होगा।

कम्प्यूटर सेंटर में प्रमाण पत्र वितरण समारोह का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : तोरपा रोड खूंटी टोली स्थित जेआइआइटी एकेडमी कम्प्यूटर सेंटर में रविवार कों 12 माह का एडवांस्ड कम्प्यूटर कोर्स, छह माह का डिप्लोमा कम्प्यूटर कोर्स एवं अन्य कोर्स पूरा करने वाले विद्यार्थियों के बीच प्रमाण-पत्र वितरण समारोह आयोजित किया गया। केंद्र निदेशक बिरेंद्र नाग ने विद्यार्थियों का स्वागत किया। मौके पर 70 विद्यार्थियों के बीच कम्प्यूटर प्रमाण-पत्र का वितरण किया गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले तीन विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र के साथ उत्कृष्टता पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। इनमें एजेंल अंजलि चोंड़े को प्रथम, जोसेफ तोपनो को द्वितीय एवं प्रीति कुमारी को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। निदेशिका बुलबुल आईच ने विद्यार्थियों के उज्वल भविष्य की कामना की और उनके मनोबल को बढ़ाते हुए सबको कम्प्यूटर के महत्व के बारे में समझाया। केंद्र निदेशक बिरेंद्र नाग ने बताया कि अगले कोर्स जैसे एडीसीए, डीटीपी, टैली, डिजीटल मार्केटिंग, टाइपिंग और अन्य कोर्स करने वाले विद्यार्थियों के लिए कम फीस में कोर्स कराया जाएगा। मौके पर सहायक शिक्षिका मोनी रानी, रोजलिन, दिव्या, अभिनव, पूर्वी, गणेश सहित अन्य उपस्थित थे।

खूंटी के 60 कावंरियों का जत्था देवघर के लिए रवाना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : खूंटी जिला कावंरिया संघ के बैनर तले खूंटी के 60 कांवरियों का जत्था रविवार को देवघर के लिए रवाना हुआ। जयप्रकाश भाला और विहिप जिलाध्यक्ष विनोद जायसवाल के नेतृत्व में बाबा धाम रवाना हुए कांवरियों के जत्थे को नेताजी चौक स्थित देवी मंडप के पास लोगों की ओर से मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं देते हुए रवाना किया। मौके पर विहिप के जिला उपाध्यक्ष विकास मिश्रा, बजरंग दल संयोजक मुकेश जायसवाल, विहिप के जिला सहमंत्री एमपी सिंह, लव चौधरी, संजीव चौरसिया सहित अन्य लोग उपस्थित थे। कांवरियों के इस दल में आरएसएस के सुनील साहू, बजरंग बाहेती, राजेश्वर गुप्ता, सुरजू साहू, दिलीप जायसवाल, विहिप के एमपी सिंह, प्रवीण जायसवाल, विक्की गुप्ता सहित अन्य कांवरिया शामिल हैं। कांवरियों के जत्थे का नेतृत्व कर रहे जयप्रकाश भाला ने बताया कि एक बस और तीन छोटे वाहन में खूंटी के 60 कांवरिया सर्वप्रथम सुल्तानगंज जाएंगे और वहां से उत्तरवहिनी गंगा का पवित्र जल लेकर पैदल देवघर पहुंचेंगे। वहां पूजा अर्चना और जलाभिषेक के

जात पात और ऊंच नीच का भेदभाव मिटाकर ईश्वर से मिलाता है सद्गुरू : निरंकारी राज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : निरंकारी संत समागम का आयोजन रविवार को धुर्वा स्थित जगन्नाथ मैदान में किया गया। संत समागम में झारखंड के विभिन्न जिलों के अलावा बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा सहित कई राज्यों के भक्त पहुंचे थे। इस दौरान भक्तों के लिए लंगर की भी व्यवस्था की गई थी, जबकि सैकड़ों वॉलिंटियर श्रद्धालुओं को अनुशासित कर रहे थे। श्रद्धालु भी बेहद अनुशासित थे। वहीं संत समागम में सदगुरु राज पिताजी ने कहा कि सद्गुरु हमें मानव जाती को जात पात और ऊंच नीच का भेदभाव मिटाकर ईश्वर से मिलाता है। उन्होंने कहा कि हम मानव को यह संदेश देना चाहते हैं कि हम सभी परमात्मा की रचना हैं और सभी एक हैं। उन्होंने कहा कि हमें मानव जीवन बहुत बड़े भाग्य से मिला है। यह जीवन हमें 84 लाख योनियों में भटकने के बाद मिलता है। उन्होंने कहा कि मानव जीवन में भी ईश्वर को पाया जा सकता है। श्रीमद्भागवत गीता में भी इसका जिक्र है कि जिस प्रकार हम कपड़े बदलते हैं आत्मा भी शरीर को बदलता है। आत्मा इस चक्र में चलती रहती है। हमें सतगुरु आत्मा को शरीर से संबंधित ज्ञान का आभास कराते हैं। कृष्ण भक्त मीराबाई ने भी गाना गा कर आवाज लगाई की परमात्मा को पाया जा सकता है। भक्ति एक संपूर्ण प्रेम की अवस्था है। आत्मा को प्रेम करने के लिए ईश्वर को जानना और देखना जरूरी है। ईश्वर का बोध होना जरूरी है, लेकिन आज अलग-अलग विचारों के चलते मानव के बीच दीवारें बन रही हैं। कोई राम बोल रहा है तो कोई खुदा और कोई गॉड बोलता है। इस भिन्नता के कारण ही लोगों में वैमनस्य है। हम एक दूसरे से अलग मान बैठे हैं और हमें यह भय है कि कहीं कोई दूसरा व्यक्ति हमारा नुकसान न कर दे। इस अंतर और भिन्नता की वजह अज्ञानता है। लेकिन ब्रह्मज्ञान आने से यह अज्ञानता रूपी भेद मिट जाता है।

कुजू में विश्व युवा कौशल दिवस पर जन शिक्षण संस्थान का प्रतियोगिता व जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कुजू : जन शिक्षण संस्थान रामगढ़ के तत्वाधान में कुजू दक्षिणी पंचायत सचिवालय के सभागार में विश्व युवा कौशल दिवस, स्किल इंडिया मिशन व स्वच्छता पखवाड़ा के तहत संस्थान द्वारा चलाए जा रहे प्रशिक्षण केन्द्रों की महिला व किशोरियों के बीच मेंहदी, डांस, वाद विवाद आदि प्रतियोगिता सहित कौशल विकास के महत्व पर प्रेरक अभिभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आयोजित कार्यक्रम कुजू दक्षिणी पंचायत भवन में दृष्टि कला केंद्र की प्रशिक्षिका शाहनाज खातून के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जेएसएस संस्थान के निर्देशक आकाश शाह व संचालन करण साहू ने किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि कुजू ओपी प्र. प्रभारी अख्तर अली तथा विशिष्ट अतिथि के रुप में कुजू दक्षिणी पंचायत मुखिया राकेश कुमार रॉक, कुजू पश्चिमी मुखिया जयकुमार ओझा व कुजू पूर्वी मुखिया ललिता देवी उपस्थित थी। कार्यक्रम का शुभारंभ आगत सभी अतिथियों के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। साथ ही अतिथियों का स्वागत बुके देकर व फूल माला पहनाकर किया गया। तत्पश्चात जन शिक्षण संस्थान के विभिन्न समूहों में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही महिला व किशोरियों द्वारा मेंहदी, डांस, वाद विवाद आदि कौशल विकास के तहत लोगों को आत्मनिर्भर बनाने के महत्व पर प्रेरक अभिभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के पश्चात सभी सफल प्रतिभागियों को पारितोषिक मेडल देकर परिष्कृत किया गया। कार्यक्रम के दौरान बतौर मुख्य अतिथि कुजू ओपी प्र. प्रभार अख्तर अली ने संबोधित करते हुए कहा कि सभी को अपनी रुचि के अनुसार ही कार्य करना चाहिए, जिसे जन शिक्षण संस्थान द्वारा क्षेत्र की बेरोजगार युवा पीढ़ियों को रोजगार सृजन से जोड़ा जा रहा है। जो अपने आप में काफी सराहनीय कार्य है। साथ ही सभी लोगों को शुभ कामना देते हुए कहा कि आप सभी को अपना लक्ष्य प्राप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। मौके पर संस्थान के निदेशक आकाश साह, करण साहू, देवेश कुमार पांडा, विभूति कुमार, दृष्टि कला केंद्र की प्रशिक्षिका शहनाज खातून, कुजू दक्षिणी उप मुखिया मीना अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, आशीष कुमार मुखर्जी, सीमा देवी, निक्की अग्रवाल दीपा झा आदि लोग मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रीय सेवा मंच ने भुरकुंडा बाजार में गरीबों के बीच भोजन का किया वितरण

भुरकुंडा : समाजसेवी संस्था राष्ट्रीय सेवा मंच ने प्रत्येक सप्ताह की भांति इस रविवार को भी साप्ताहिक हाट भुरकुंडा में सावन माह के पावन अवसर पर दुर-दराज ग्रामीण क्षेत्रो से दातुन-पत्तल बेचने आने वाले गरीबों को भोजन कराया। इस दौरान मंच के अध्यक्ष डब्लू सिंह ने लगभग 150 गरीब महिला-पुरूष व बच्चों के बीच खीर-पुरी का वितरण करते हुए बताया कि जन सहयोग के माध्यम से पिछले 10 वर्षो से मंच द्वारा गरीबो को भोजन कराने का कार्य किया जा रहा है, जो आगे भी जारी रहेगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में मंच के अध्यक्ष डब्लू सिंह, उमाशंकर जायसवाल, अनुपम पाठक, रिंकू वर्णवाल, शिवकुमार यादव, बारीक अंसारी, उदयभान दुबे, कपिल राम, रामशरण गिरी, आजाद भुइयां, लखन राम, कारू यादव, मुस्कान परवीन, रंजीत यादव, मेराज अंसारी, गौतम अग्रवाल, संजू सिन्हा हरि साहू, मो. शाहिद आदि का विशेष योगदान रहा।

भुरकुंडा अंबेडकर स्थल पर आत्मरक्षा हेतु एक दिवसीय कराटे प्रशिक्षण शिविर संपन्न

भुरकुंडा : मार्शल आर्ट सितोरियू कराटे डू फेडरेशन ऑफ भुरकुंडा शाखा के तत्वाधान में रविवार को भुरकुंडा पेट्रोल पंप स्थित अंबेडकर स्थल प्रांगण में एक दिवसीय कराटे प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को आत्मरक्षा के प्रति जागरूक करना और उन्हें कराटे की बारीकियों से अवगत कराना था। प्रशिक्षण शिविर का संचालन कराटे कोच सेंसाई कंचन दास की देखरेख में किया गया। जबकि प्रशिक्षण देने का नेतृत्व ब्लैक बेल्ट द्वितीय डेन धारक एवं प्रशिक्षिका सेम्पाइ आस्था सिंह ने किया। उन्होंने ब्राउन बेल्ट कराटे छात्राओं को सीनियर काता, बोम्काई और फाईट का विशेष प्रशिक्षण दिया। शिविर में विकास कुमार, शिवांश राज, रेयांश राज, मो. अनीस, खुशी, भूमि, मो. अजीज और चित्रलेखा कुमारी सहित कई प्रतिभागियों को आत्मरक्षा की तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया। मौके पर प्रशिक्षिका सेंपाई आस्था सिंह जो ए ला एंगलाइज स्कूल की कक्षा 11वीं की छात्रा हैं, ने कहा कि उन्हें जो भी ज्ञान और कौशल मिला है, उसका पूरा श्रेय उनके गुरु कंचन दास को जाता है। शिविर को सफल बनाने में कंचन दास सहित स्मृति मुंडा का विशेष योगदान रहा।

भुरकुंडा में रक्षाबंधन पर्व पर नशामुक्ति का संदेश, ब्रह्माकुमारीज ने की विशेष पहल

भुरकुंडा : शास्त्री चौक भुरकुंडा स्थित ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र हिताची एटीएम के समीप रविवार को एक विशेष मीडिया सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें नशामुक्त भारत अभियान एवं दिव्य ईश्वरीय रक्षाबंधन कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ किया गया। राजयोग ट्रेनर बीके रामदेव ने बताया कि यह अभियान पवित्र सावन मास में 20 जुलाई से 29 जुलाई 2025 तक भुरकुंडा और पतरातू क्षेत्र सहित अन्य स्थानों पर विभिन्न सरकारी एवं गैर-सरकारी संस्थानों में चलाया जाएगा। इस अभियान के तहत नशामुक्ति फार्म भरवाकर एवं शिव रक्षासूत्र बांधकर समाज को व्यसनमुक्त बनाने का संदेश दिया जाएगा। बीके रामदेव ने मौके पर मीडिया प्रतिनिधियों को शिव पट्टा से सम्मानित किया और राजयोग मेडिटेशन की सरल विधि भी समझाई, जिससे जीवन में शांति और आत्मबल प्राप्त किया जा सकता है। सेवाकेंद्र की संचालिका ब्रह्माकुमारी रोशनी बहन ने उपस्थित लोगों को नशा न करने का संकल्प दिलाया और शिव रक्षासूत्र बांधकर दीघार्यु एवं मंगलमय जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि राजयोग का नियमित अभ्यास व्यक्ति को सहज ही दुर्व्यसनों से मुक्त कर सकता है, और इसका लाभ स्थानीय सेवाकेंद्र पर लिया जा सकता है। यह अभियान समाज को व्यसनमुक्त बनाकर आध्यात्मिक एवं सकारात्मक जीवन की ओर अग्रसर करने का सार्थक प्रयास है। कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी रीना और ब्रह्माकुमार प्रकाश भी विशेष रूप से उपस्थित थे।

रोटरी क्लब की दोहरी पहल: सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षा और छात्रा की शिक्षा का संपूर्ण प्रायोजन

बोकारो : रविवार सुबह सेक्टर 4 रोटरी क्लब परिसर में रोटरी क्लब बोकारो स्टील सिटी ने सामुदायिक सेवा के तहत दो महत्वपूर्ण परियोजनाओं का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जो जनस्वास्थ्य और शिक्षा के प्रति क्लब की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

परियोजना 1: सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण शिविर क्लब द्वारा महिलाओं के स्वास्थ्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत, सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 84 छात्राओं को एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) वैक्सीन की दूसरी खुराक दी गई। सर्वाइकल कैंसर दुनिया भर में महिलाओं को प्रभावित करने वाले सबसे सामान्य कैंसरों में से एक है, जिसका मुख्य कारण हाई-रिस्क एचपीवी संक्रमण होता है। एचपीवी वैक्सीन एक सुरक्षित और प्रभावी बचाव उपाय है, जो किशोरावस्था में दिए जाने पर सबसे अधिक प्रभावी होता है। यह शिविर मुस्कान हॉस्पिटल के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसमें डॉ. एस.सी. मुंशी (निदेशक) के नेतृत्व में वंदना सहाय (उप मुख्य चिकित्सा अधीक्षक), संतोष कुमार गोप, सुचिता सिंह, एवं पुष्पा उपस्थित रहे। अशोक तनेजा, अशोक जैन, अशोक केडिया, घनश्याम दास (सचिव), प्रदीप राय (उपाध्यक्ष), डॉ. राजदीप (कोषाध्यक्ष), शाइनी जकारिया (परियोजना चेयरपर्सन), पीडीजी महेश केजरीवाल, महेश गुप्ता, प्रदीप नारायण, उत्पल मुखर्जी, संजय जैन, नरेश लोधा और महेश कुमार लाल। हम इस आयोजन में भाग लेने वाली छात्राओं और उनके परिवारों का धन्यवाद करते हैं, साथ ही समर्पित चिकित्सा दल और स्वयंसेवकों का भी जिन्होंने इस शिविर को सफल और सुरक्षित रूप से संपन्न कराया। रोटरी क्लब के सचिव श्री घनश्याम दास ने लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम उठाते हुए, एक छात्रा की स्नातक तक की संपूर्ण शिक्षा का प्रायोजन करने की जिम्मेदारी ली है।

एक नजर

सांप के काटने से 40 वर्ष व्यक्ति हुआ मूर्छित

साहिबगंज: मुफ्फसिल थाना क्षेत्र अंतर्गत एक व्यक्ति को जहरीले सांप के काटने से मूर्छित हो गया। मिली जानकारी के अनुसार छोटी कोदरजन्ना निवासी स्वर्ग मो फरजुरुदीन का 40 वर्ष पुत्र मो शमीम अख्तर सुबह में शौच करने के लिए आम के बगीचे में गया हुआ था, शौच करने के दौरान जहरीले सांप ने पैर में काट लिया। उक्त व्यक्ति ने घर आकर सारा घटना परिजनों को बताया और वह मूर्छित होने लगा। परिजनों ने आनन–फानन में इलाज के लिए सदर अस्पताल साहिबगंज लाया। जहां ड्यूटी में तैनात चिकित्सकों ने इलाज किया। जहां उक्त व्यक्ति का सदर अस्पताल में चिकित्सकों के देखरेख में इलाज चल रहा है।

चोरी के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

साहिबगंज: मिजाचौकी थाना पुलिस ने चोरी के आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार मिजाचौकी थाना कांड संख्या 95/24, 22 दिसंबर 2024 धारा 334(1)/305 बीएनएस एक्ट के प्राथमिक अभियुक्त मो शाहबाज 25 वर्ष, पिता मो कलाम, साकिन एलसी रोड कसाई मोहल्ला, थाना नगर, को पुलिस ने विधिवत गिरफ्तार किया। मिजाचौकी पुलिस ने कागजी प्रक्रिया करने के उपरांत सदर अस्पताल साहिबगंज में अभियुक्त को शारीरिक जांच करने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

लिक्विड पीने से किशोरी का तबियत बिगड़ा

साहिबगंज: मुफ्फसिल थाना क्षेत्र अंतर्गत एक किशोरी लिक्विड पीने से तबीयत बिगड़ गई। मिली जानकारी के अनुसार महादेवगंज मुस्लिम टोला निवासी मो नासिर का 15 वर्ष पुत्री करीना खातून घर में किसी बात को लेकर गुस्से में आकर दिन में 3:30 बजे के लगभग हार्पिक लिक्विड पीने से तबीयत बिगड़ गई। परिजनों को पता चलते ही इलाज के लिए सदर अस्पताल साहिबगंज लाया गया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों ने उक्त किशोरी का इलाज किया। इलाज करने के उपरांत तबीयत में सुधार है।

मंडल कारा में जेल अदालत, स्वास्थ्य शिविर एवं विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

साहिबगंज: झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देश पर एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में आज साहेबगंज मंडल कारा परिसर में जेल अदालत, स्वास्थ्य शिविर एवं विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी तुषार आनंद द्वारा बंदियों को उनके विधिक अधिकारों एवं लाभकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से आयोजित स्वास्थ्य शिविर में सभी बंदियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया एवं आवश्यक परामर्श दिया गया।लीगल एड डिफेंस काउंसिल की टीम द्वारा उन बंदियों की पहचान की गई, जिनके मुकदमों में अभी तक कोई अधिवक्ता नियुक्त नहीं है। ऐसे बंदियों को नि:शुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराने की दिशा में कदम उठाए गए। महिला बंदियों को लीगल एड सेवाओं की विशेष जानकारी दी गई। इस अवसर पर कारा अधीक्षक चंद्रशेखर सुमन ने बंदियों को समाज से पुन: जुड़ने और अपराध से दूर रहने की प्रेरणा दी।

परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकों को शॉल ओढ़ाकर एवं मोमेंटो देकर सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले में प्रोजेक्ट परख 2.0 के अंतर्गत सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस के बच्चों एवं अभिभावकों के साथ 10 वीं एवं 12 वीं के परीक्षा में उत्कृष्ट परिणाम हेतु एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन रविन्द्र भवन टाउन हॉल में किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त मनीष कुमार व जिला शिक्षा अधीक्षक नयन कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी अनीता पुरती के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। वहीं मौके पर उपायुक्त ने कहा कि बिना मेहनत के कोई फल नहीं मिलता है। उन्होंने छात्रों को बताया कि 2025 के मैट्रिक बोर्ड परीक्षा में आश्चर्यजनक परिणाम आपके मेहनत से ही आया है। 22 वें स्थान से सीधे दूसरे स्थान पर पाकुड़ जिला का पहुंचना एक अच्छी रणनीति का परिणाम है जिसमें प्रशासन का प्रयास और बच्चों एवं अभिभावकों का लगन छिपा हुआ है। आप सभी छात्रों से भी यही अपेक्षा है कि 2026 में बोर्ड रिजल्ट में सभी को प्रथम स्थान लाना है। इसके लिए अभी से ही पूरी लगन और मेहनत से पढ़ाई करें। उन्होंने कहा कि सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस की परिकल्पना माननीय मुख्यमंत्री जी ने की थी। इस बार प्रोजेक्ट परख 2.0 का टैगलाईन टॉप से टॉपर तक का सफर। आप सभी छात्रों को टॉपर बनने के लिए बाजार समिति में अतिरिक्त क्लास दी जाएगी। अतिरिक्त क्लास में जो बच्चे बेहतर करेंगे फिर उन्हें डेढ़ घंटे और अतिरिक्त क्लास दिया जाएगा। नवंबर महीने में सभी बच्चों का टेस्ट लिया जाएगा। जो बच्चे टेस्ट में फेल होते हैं उन्हें बोर्ड परीक्षा का फॉर्म अप्लाई नहीं करने दिया जाएगा। साथ ही जो बच्चे पास करते हैं,उन्हें प्री बोर्ड टेस्ट लिया जाएगा।उन्होंने कहा कि जो बच्चे बोर्ड परीक्षा में टॉप करेंगे उन्हें महेंद्र सिंह धोनी से भी मिलाया जाएगा। सभी बच्चों स्कूल ड्रेस पहनकर स्कूल जाएंगे।उपायुक्त ने अभिभावकों से अनुरोध किया कि आप अपने बच्चों का निगरानी जरूर करें, बच्चों को प्रतिदिन स्कूल जरूर भेजें।इसके अलावा छात्रों को प्रेरणादायक वीडियो दिखाकर प्रेरित किया गया एवं केक काटकर बच्चों का जन्मदिन मनाया गया।

सिविल सर्जन साहिबगंज ने किया ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस का निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : सिविल सर्जन साहिबगंज डॉ रामदेव पासवान ने तितलियां आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने एमपीडब्ल्यू, की उपस्थिति एवं एएनएम के टीकाकरण की जाँच की जिसमें उन्होंने जितने भी लाभुक गर्भवती महिला एवं बच्चे थे उन्हें डीलिस्ट के अनुरूप टीके से आच्छादित करने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान सिविल सर्जन ने भोजन बनाने की व्यवस्था की जांच करते हुए उक्त केंद्र पर मेन्यू के अनुरूप बने खिचड़ी को स्वयं खा कर गुणवत्ता की जांच की जिसमें तेल एवं मसाले बच्चों के खाने योग्य बनाए गए थे।निरीक्षण के क्रम में पाया की 2 गर्भवती महिलाओं को जननी सुरक्षा योजना अंतर्गत मिलने वाले राशि का भुगतान नहीं किया गया है, जिसपर राजमहल प्रभारी चिकित्सा प्रभारी से कारण पृच्छा करने हेतु निर्देशित किया। सिविल सर्जन द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र उधवा का निरीक्षण किया गया, निरीक्षण के क्रम में वहां पदस्थापित चिकित्सा पदाधिकारी अनुपस्थित पाये गए एवं ओपीडी रजिस्टर 12 जुलाई के बाद अद्यतन नहीं किया गया था, जिसपर सिविल सर्जन द्वारा रोष प्रकट किया गया एवं राजमहल प्रभारी को दूरभाष के माध्यम से जाँच कर 24 घंटों के भीतर अधोहस्ताक्षरी को जमा करने का निर्देश दिया।

साहिबगंज में संथाल परगना क्षेत्रीय अधिवेशन का भव्य आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : शहर में ईस्टर्न झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के तत्वाधान में रविवार को जिला परिषद स्थित बैंक्वेट हॉल में फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर आफ कमर्स एंड इंडस्ट्रीज का संथाल परगना क्षेत्रीय अधिवेशन का आयोजन हुआ। अध्यक्षता जिला अध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में फेडरेशन के अध्यक्ष परेश गटानी, महासचिव आदित्य मल्होत्रा, सहसचिव विकास विजयवर्गीय, कोषाध्यक्ष रोहित अग्रवाल व अन्य ने शिरकत की। वहीं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य प्रमोद शास्वत, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष रमेश कुमार चीनी, प्रदीप अग्रवाल, संजय अग्रवाल, पूर्व क्षेत्रीय उपाध्यक्ष प्रीतम गाड़िया, देवघर अध्यक्ष गोपाल कृष्ण शर्मा, निरंजन कुमार सिंह, रवि केसरी, दुमका अध्यक्ष मो मुश्ताक अली, मनोज घोष, पाकुड़ संजीव खत्री, गोड्डा सचिव मो कामरान सहित अन्य भी शामिल हुए। अतिथियों को बुके, अंग वस्त्र व मोमेंटो देकर भव्य रूप से सम्मानित किया गया। इसके पूर्व जेएन राय रोड स्थित बघवा कुआं स्थित शहीद चौक से नगर भ्रमण कर सभी अतिथि गांधी चौक पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इधर अधिवेशन को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने सभी अतिथियों को जोहार करते हुए स्वागत किया। उन्होंने कहा कि राज्य का ऐसा जिला जहां से मां गंगा बहती है। दूसरी तरफ राजमहल की पहाड़ी प्रकृति रूप से इसे संवारती है। लेकिन इसके बावजूद साहिबगंज जिला उद्योग व व्यवसाय में पिछड़ा है। आजादी के पहले साहिबगंज एक विकसित इलाका था। आजादी के बाद जिला पिछड़ता चला गया। व्यवसाय के लोग दूसरी जगह पलायन कर गए। हालांकि बाहर गए यहां के लोग आज भी यहां अपना व्यवसाय करने के लिए लालायित हैं।

डीसी ने आपदा प्रबंधन को लेकर अधिकारियों के साथ की वर्चुअल बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले के उपायुक्त मनीष कुमार ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जिलास्तरीय पदाधिकारियों और सीओ के साथ वर्चुअल बैठक कर भारी बारिश, वज्रपात व अन्य प्राकृतिक आपदाओं को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। बैठक में लगातार बारिश से क्षतिग्रस्त पुल-पुलिया, सड़क, सरकारी भवन, निजी घरों एवं जानमाल की क्षति का रिपोर्ट अविलंब भेजे जाने, मुआवजा भुगतान की प्रक्रिया में अपेक्षित तेजी लाने का निर्देश दिया गया। बैठक में अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन, अनुमंडल पदाधिकारी साईमन मरांडी, सिविल सर्जन सुरेन्द्र कुमार मिश्रा उपस्थित रहे। वहीं सभी सीओ ऑनलाइन जुड़े। बैठक को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि वर्तमान में मौसम की परिस्थिति को देखते हुए आपदा की संवेदनशीलता बनी हुई है, जिला प्रशासन की टीम पूरी तरह से अलर्ट मोड में रहे। समीक्षा के क्रम में भारी बारिश से मकान गिरने, पेड़ या दीवार गिरने तथा सड़क दुर्घटना जैसी घटनाओं में हुई जानमाल की क्षति को त्वरित रूप से रिपोर्ट करने का निर्देश सभी सीओ को दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि सरकार के आपदा प्रबंधन प्रभाग के दिशा-निदेर्शों के अनुसार मुआवजा भुगतान की प्रक्रिया शीघ्र की जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि मृत्यु से संबंधित मामलों में पोस्टमार्टम रिपोर्ट की प्रक्रिया में कोई अनावश्यक देरी न हो, सिविल सर्जन से समन्वय बनाकर पोस्टमार्टम रिपोर्ट ससमय उपलब्ध कराने का प्रयास करें।

सड़क दुर्घटना मुआवजा हेतु ईडीएआर व आईआरएडी पर ऑनलाइन आवेदन को लेकर प्रशिक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : एसपी अमित कुमार सिंह के निर्देश पर रविवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागार कक्ष में सड़क दुर्घटना से संबंधित मुआवजा हेतु ईडीएआर व आईआरएडी में ऑनलाइन डाटा इंट्री ऑनलाइन आवेदन करने के लिए प्रशिक्षण दिया गया। जहां सड़क व परिवहन विभाग केंद्र सरकार द्वारा लॉन्च किए गए मोर्थ एप्प पर डाटा इंट्री ऑनलाइन अपलोड करने के लिए सभी थाना प्रभारी एवं सड़क दुर्घटना से संबंधित अनुसंधानकर्ता को प्रशिक्षण दिया गया। जहां यह प्रशिक्षण कार्यक्रम एनआईसी मैनेजर मनोज कुमार, सड़क सुरक्षा मैनेजर अनुज कुमार, मुख्यालय डीएसपी विजय कुमार कुशवाहा, सीसीटीएनएस कर्मी प्रभात कुमार के द्वारा दिया गया। जहां बताया गया कि सड़क दुर्घटना से संबंधित मुआवजा के लिए कई विभाग सम्मिलित होते हैं जिसमें पुलिस विभाग के अलावा जिला परिवहन विभाग, चिकित्सा विभाग, बीमा कंपनी विभाग शामिल हैं। वही ऑनलाइन आवेदन से सभी विभाग एक मंच ईडीएआर व आईआरएडी के ऐप में डाटा अपलोड करेंगे जिसके कारण मुआवजा काफी आसानी से पीड़ितों को प्राप्त हो सकेगा।

पॉक्सो एक्ट के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : बच्चों के खिलाफ यौन अपराधों की रोकथाम और न्यायिक प्रक्रियाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डीएलएसए) जमशेदपुर की ओर से रविवार को लोक अदालत हॉल में जिला स्तरीय बहु-हितधारक परामर्श कार्यशाला (मल्टी स्टेकहोल्डर कंसल्टेशन) का आयोजन किया गया। कार्यशाला का विषय पॉक्सो एक्ट 2012 के प्रभावी क्रियान्वयन पर केंद्रित था। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अरविंद कुमार पांडेय ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर कुटुंब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश अजीत कुमार सिंह, ग्रामीण एसपी ऋषभ गर्ग, झारखंड स्टेट बार काउंसिल के वाइस चेयरमैन राजेश कुमार शुक्ला, जिला बार संघ के अध्यक्ष आरएन दास, सचिव कुमार राजेश रंजन, सभी न्यायिक अधिकारी और डीएलएसए सचिव धर्मेन्द्र कुमार सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। स्वागत भाषण डीएलएसए सचिव धर्मेन्द्र कुमार ने दिया। मुख्य अतिथि न्यायाधीश अरविंद कुमार पांडेय ने कहा कि जरूरतमंद लोग डीएलएसए के माध्यम से अपनी समस्याओं का शीघ्र समाधान पा सकते हैं। उन्होंने जांच अधिकारियों को सलाह दी कि वे जांच के दौरान अत्यंत सावधानी बरतें ताकि अपराधियों को सजा दिलाई जा सके और पीड़ितों को न्याय मिल सके। स्टेट बार काउंसिल के वाइस चेयरमैन राजेश शुक्ला ने कहा कि डीएलएसए कमजोर और वंचित वर्ग को उनके अधिकार दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। लोक अदालतों के माध्यम से हजारों लोगों को त्वरित और सस्ता न्याय मिल रहा है। ग्रामीण एसपी ऋषभ गर्ग ने डीएलएसए के ह्यन्याय तक पहुंच के दृष्टिकोण को रेखांकित किया। कार्यशाला को दो सत्रों में आयोजित किया गया। प्रथम सत्र में सीजेएम विशाल गौरव, मध्यस्थ अधिवक्ता केके सिन्हा और मुख्य एलएडीसी बिदेश सिन्हा ने पॉक्सो एक्ट, किशोर न्याय बोर्ड, बाल कल्याण समिति और बच्चों एवं महिलाओं से संबंधित अन्य धाराओं पर विस्तृत जानकारी दी। दूसरे सत्र में डीएलएसए के कार्यों और उद्देश्यों के बारे में बताया गया। धन्यवाद ज्ञापन सहायक एलएडीसी योगिता कुमारी ने दिया। सेमिनार में न्यायिक पदाधिकारियों के अलावा डॉक्टर्स, बाल कल्याण समिति के सदस्य, थाना अधिकारी, पैनल लॉयर्स और पीएलवी मुख्य रूप से शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

पॉक्सो एक्ट पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

साहिबगंज: झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेर्शानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में पॉक्सो एक्ट को लेकर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन संयुक्त रूप से प्रधान न्यायाधीश, कुटुंब न्यायालय, साहेबगंज संजय कुमार उपाध्याय एवं जिला जज सह अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रथम सह विशेष न्यायाधीश, पॉक्सो कोर्ट रजनीकांत पाठक द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंस पोक्सो एक्ट के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। वक्ताओं ने बताया कि यह अधिनियम भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा वर्ष 2012 में लागू किया गया था, जिसका उद्देश्य बच्चों को यौन शोषण, उत्पीड़न और अश्लीलता से सुरक्षा प्रदान करना है। इसमें दोषियों के लिए कठोर सजा एवं जुमार्ने का प्रावधान है। कार्यक्रम के दौरान यह भी बताया गया कि पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए केस को किस प्रकार से विधिक रूप से प्रस्तुत करना चाहिए। साथ ही पीड़िता को क्षतिपूर्ति दिलाने की प्रक्रिया पर भी प्रकाश डाला गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से आमजन को जागरूक किया जाता है। उन्होंने बताया कि किसी भी विधिक सहायता की आवश्यकता होने पर प्राधिकार कार्यालय या नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100 पर संपर्क किया जा सकता है।कार्यक्रम में जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष प्रेम नाथ तिवारी, पुलिस उपाधीक्षक विजय कुशवाहा, अपर लोक अभियोजक, मेडिकल ऑफिसर, एलएडीसी के प्रमुख अरविन्द गोयल एवं उनकी टीम, जिले के अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं विभिन्न संबंधित स्टेकहोल्डर्स उपस्थित थे।

ऑटो और मोटरसाइकिल की भिड़ंत में एक घायल, दो की मौत

साहिबगंज: जिले के बोरियो थाना क्षेत्र में शनिवार की शाम को हुए सड़क हादसे में दो युवक की जान चली गई। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार मनीराम हांसदा 17 वर्ष, पिता तालु हांसदा, साकिन मंगरा, थाना बोआरीजोर, जिला गोड्डा व मनोज पहाड़िया उम्र 19 वर्ष, पिता बुद्धू पहाड़िया, साकिन दलदली पहाड़, बीते रात्रि को 10 बजे बोरियो बोआरीजोर मुख्य पथ के बालडीह पेट्रोल पंप के पास ऑटो और मोटरसाइकिल की टक्कर में घटनास्थल पर ही दोनों युवक की मौक पर मौत हो गई। एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है। सवारी लेकर ऑटो बोआरीजोर की ओर से आ रहा था। इसी दौरान बालीडीह पेट्रोल पंप के पास अचानक बोरियो की ओर से आ रहे मोटरसाइकिल के साथ ऑटो की जोरदार टक्कर हो गई। घटना की सूचना मिलते ही बोरियो थाना प्रभारी पंकज वर्मा घटनास्थल पर पहुंच कर दोनों शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल साहिबगंज भेज दिया। बोरियो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को डॉक्टर विवेक भारती ने प्राथमिक उपचार करने के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल साहिबगंज रेफर कर दिया। सदर अस्पताल साहिबगंज में डॉक्टर के द्वारा प्राथमिक उपचार करने के बाद उक्त घायल व्यक्ति का बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया। वहीं सदर अस्पताल में दोनों मृतक का शव का पोस्टमार्टम किया गया। पोस्टमार्टम होने के उपरांत पुलिस ने शव को परिजनों को सौंप दिया है। वहीं परिजनों का रो–रो कर बुरा हाल है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। खबर लिखे जाने तक घायल की पहचान नहीं हो सकी थी।

अनुमंडलीय अस्पताल में दिव्यांगजनों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र जारी करने हेतु जांच शिविर का हुआ आयोजन

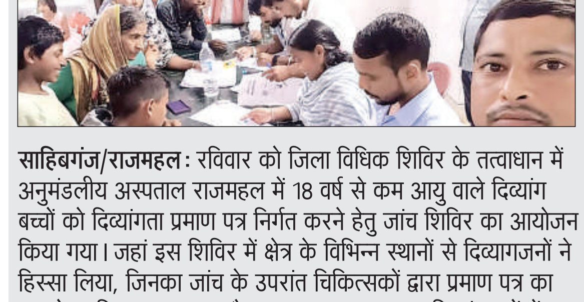

साहिबगंज/राजमहल: रविवार को जिला विधिक शिविर के तत्वाधान में अनुमंडलीय अस्पताल राजमहल में 18 वर्ष से कम आयु वाले दिव्यांग बच्चों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र निर्गत करने हेतु जांच शिविर का आयोजन किया गया। जहां इस शिविर में क्षेत्र के विभिन्न स्थानों से दिव्यागजनों ने हिस्सा लिया, जिनका जांच के उपरांत चिकित्सकों द्वारा प्रमाण पत्र का अनुमोदन किया गया। इस दौरान प्रमाण पत्र प्राप्त कर दिव्यांगजनों में काफी खुशी दिखी। वही अब इस दिव्यांगता प्रमाण पत्र प्राप्त कर ये सभी दिव्यांग विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने में इसका उपयोग कर सकेंगे। उधर शिविर को सफल बनाने में अनुमंडलीय अस्पताल राजमहल के उपाधीक्षक डॉ. उदय टुडू, ईएनटी रोग विशेषज्ञ डॉ. सत्यप्रकाश, डॉ. अनिमेष नोवल कुजूर, चिकित्सा पदाधिकारी कोटालपोखर, डॉ शाहबाज हुसैन नेत्र रोग विशेषज्ञ, राजकुमार साह, नेत्र पदाधिकारी राजमहल के अलावा समस्त अस्पताल कर्मी ने अपना बहुमूल्य योगदान दिया।

जिला शिक्षा स्थापना समिति की बैठक आयोजित हुई

पाकुड़ : ज़िले के उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में जिला शिक्षा स्थापना समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अंतरजिला स्थानांतरण हेतु प्राप्त कुल आवेदन 106 पर निर्णय लिया गया। साथ ही अन्य महत्वपूर्ण न्यायालीय मामलों तथा वैसे 2 विद्यालय जहां शिक्षकों की घोर कमी है जहां शिक्षक का प्रतिनियोजन करने का निर्णय लिया गया। बैठक में उप विकास आयुक्त, परियोजना निदेशक आईटीडीए अरूण कुमार एक्का, अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन, जिला शिक्षा पदाधिकारी अनीता पुरती, जिला शिक्षा अधीक्षक नयन कुमार उपस्थित रहे।

पटना में गंगा का जलस्तर बढ़ा, 78 स्कूल बंद: कश्मीर मार्ग पर लैंडस्लाइड

पटना। हो रही भारी बारिश आफत बन गई है। नागौर में तालाब भर गए हैं और पानी बाहर आ गया है, सड़क पर सैकड़ों मछलियां तैर रही है। वहीं, पिछले 24 घंटों में बारिश के कारण अलग-अलग हादसों में 7 लोगों की मौत हो गई। जोधपुर के दो पुराने बांध भी टूट गए। अजमेर, पुष्कर, बूंदी, सवाई माधोपुर और पाली सहित कई शहरों में बाढ़ जैसे हालात हैं। अजमेर में पूरे मानसून सीजन में 458 बारिश होती है, लेकिन इस साल जुलाई में ही 609 बारिश हो चुकी है। यानी 19 दिन में पूरे सीजन से ज्यादा बरसात हो चुकी है। उधर बिहार के कई नदियों का जलस्तर बढ़ने लगा है। पटना में गंगा नदी उफान पर है। पटना DM ने जिले के 78 स्कूलों को 21 जुलाई तक बंद रखने का आदेश दिया है। वहीं, जम्मू-कश्मीर में लैंडस्लाइड के चलते कश्मीर जाने वाला मार्ग बंद हो गया है। मौसम विभाग ने कर्नाटक, बिहार, सिक्किम, बंगाल, केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी, उत्तर-दक्षिण कर्नाटक और उत्तराखंड में कुमाऊं क्षेत्र के कुछ हिस्सों में रविवार को भारी बारिश का अलर्ट जारी

किया है। वहीं, हिमाचल में कुल 141 सड़कें अभी भी बंद हैं। जोधपुर के बालेसर में 175 (7 इंच) बरसात हुई। जोधपुर में शनिवार रात गुलजारपुरा इलाके में एक जर्जर मकान गिर गया। हालांकि हादसे में जनहानि नहीं हुई। जोधपुर के शेरगढ़ में भारी बारिश के कारण 40 साल पुराना बांध टूट गया। प्रशासन ने ढाणियों में फंसे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। बालेसर नगरपालिका क्षेत्र में भी 20 साल पुराना अमृतनगर बांध टूट गया। बारिश के कारण प्रदेश में बीते 24 घंटे में हुए अलग-अलग हादसों में 7 लोगों की मौत हुई है। बीते एक हफ्ते में 25 से ज्यादा लोगों की डूबने, मकान गिरने से मौत हुई है। बिहार के बेगूसराय में गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने से बाढ़ की स्थिति बन गई है। बाढ़ के कारण बछवाड़ा में 33 केवी पोल गिर गया , जिससे 30 गांवों में बिजली कट गई है। विभाग की ओर से वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है। जयपुर के कानोता डेम में पानी की चादर चलने लगी है। इसका पानी 15 गांवों तक पहुंचता है। पिछले साल भी कानोता बांध ओवरफ्लो हुआ था। इसमें जल महल, लंगड़ियावास, सुगली नदी, बरसाती नालों और आसपास के पहाड़ों का पानी आता है। इस बांध का गेज 5.18 मीटर है। फुल होने के

बाद यहां पानी ओवरफ्लो होकर बहने लगा। भागलपुर में देर रात से ही तेज बारिश हो रही है। नाथ नगर थाने में 3 फीट तक पानी भर गया है। पुलिसकर्मियों को काफी परेशानी हो रही है। हाजत में भी पानी भरने से कैदी खड़े रहने को मजबूर हैं। अजमेर के आना सागर चौपाटी इलाके में लगातार बारिश के कारण झील का पानी रिहायशी इलाकों में आ गया है। सड़क पर सिर्फ बड़े वाहनों को जाने की परमीशन दी गई है। बाइक और छोटी गाड़ियों के लिए नो इंट्री है छत्तीसगढ़ के बस्तर, रायपुर और दुर्ग संभाग के जिलों में रविवार को तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। इस तरह राजनांदगांव, महासमुंद, गरियाबंद, कोंडागांव, कांकेर समेत 17 जिलों में भारी बारिश का यलो अलर्ट है। प्रदेश के दक्षिणी और उत्तरी हिस्से में मानसून ने एक बार फिर रफ्तार पकड़ी है। इन हिस्सों के कई स्थानों पर शनिवार दोपहर बाद मौसम बदला, और इसके बाद से ही अच्छी बारिश हो रही है। राजधानी रायपुर का में यही हाल रहा। दोपहर में कुछ देर की तेज बारिश के हुई। इसके बाद रुक-रुक रिमझिम वर्षा का दौर चला। रात को फिर तेज बारिश शुरू हुई, जो सुबह तक जारी है। रायपुर में बिजली गिरने से एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो घायल हैं। तीनों युवक छत पर गेम खेलने बैठे थे। इसी दौरान अचानक बिजली गिरी। घायलों का इलाज जारी है। घटना खम्हारडीह के भावना नगर की है।

पिछले 24 घंटे की बात करें शुक्रवार को सबसे अधिक टेंपरेचर 35 डिग्री सेल्सियस राजनांदगांव और सबसे कम न्यूनतम तापमान 22.6 डिग्री सेल्सियस पेंड्रा रोड में दर्ज किया गया। छत्तीसगढ़ में 1 जून से अब तक 422.0 मि.मी. औसत बारिश दर्ज की जा चुकी है। प्रदेश में अब तक बलरामपुर जिले में सबसे ज्यादा 719.3 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है। बेमेतरा जिले में सबसे कम 229.9 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई है। जिलेवार बात करें तो रायपुर संभाग में रायपुर जिले में 411.2 मि.मी., बलौदाबाजार में 426.2 मि.मी., गरियाबंद में 348.8 मि.मी., महासमुंद में 385.9 मि.मी. और धमतरी में 337.3 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। बिलासपुर संभाग में बिलासपुर जिले में 452.8 मि.मी., मुंगेली में 468.7 मि.मी., रायगढ़ में 556.5 मि.मी., जांजगीर-चांपा में 542.3 मि.मी., कोरबा में 504.0 मि.मी.है।

मध्यस्थता से मिलेगा त्वरित न्याय

शिवहर। 90 दिवसीय मध्यस्थता (मेडिएशन) अभियान की शुरूआत की गई है। यह अभियान 1 जुलाई से 30 सितंबर 2025 तक चलेगा। इसमें वर्षों से लंबित मामलों को बातचीत और आपसी सहमति से सुलझाया जाएगा। इस अभियान का उद्देश्य न्यायिक प्रक्रिया को आसान और तेज बनाना है। यह विशेष अभियान सुप्रीम कोर्ट, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (NALSA) और बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर चलाया जा रहा है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, शिवहर के सचिव एवं न्यायाधीश ललन कुमार रजक ने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य न्यायिक प्रणाली पर बढ़ते बोझ को कम करना और लोगों को शीघ्र न्याय दिलाना है। बातचीत से होगा समाधान, न्यायालय देगा अंतिम निर्णय न्यायाधीश रजक ने कहा, ऐसे मामलों की पहचान की जा रही है जो वर्षों से अदालत में लंबित हैं और जिन्हें आपसी सहमति से सुलझाया जा सकता है। ऐसे मामलों में पक्षकारों को नोटिस भेजकर मध्यस्थता केंद्र बुलाया जाता है। प्रशिक्षित मध्यस्थ दोनों पक्षों के बीच संवाद कराकर समझौते का प्रयास करते हैं। यदि सहमति बनती है, तो न्यायालय उस समझौते को वैध करार देते हुए निर्णय पारित करता है। मध्यमार्ग से समाधान के लाभ इस मध्यस्थता अभियान से लोगों को कई फायदे मिल सकते हैं। इसमें समय और पैसे की बचत, आपसी संबंधों में सुधार और कानूनी प्रक्रिया की जटिलता से मुक्ति शामिल है।

कहीं महाकाल की पालकी, कहीं शिव के वेश में श्रद्धालु: दूसरी सोमवारी पर देवघर में 2.5 लाख कांवरिए करेंगे जलाभिषेक

भागलपुर। सावन की दूसरी सोमवारी पर देवघर में करीब 2.5 लाख से अधिक कांवरियों के जल चढ़ाने की संभावना है। रविवार की सुबह सुल्तानगंज से 1 लाख डाक बम ने जल भरा है। ये सभी सोमवार को बाबा बैद्यनाथ का जलाभिषेक करेंगे। सुल्तानगंज से देवघर पैदल जाने के दौरान श्रद्धालु महाकाल की पालकी तो कहीं शिव के वेश में दिखे। वहीं, कांवरिया नाचते गाते झूमते कांवर यात्रा कर रहे हैं। रविवार सुबह से ही बारिश हो रही है। बारिश में भींगते हुए कांवरिए मंदिर की ओर बढ़ रहे हैं। भागलपुर, मुंगेर और बांका और देवघर जिला प्रशासन ने बारिश को देखते हुए विशेष इंतजाम किए हैं। मंदिर परिसर और कांवरिया पथ पर टेंट लगाए गए हैं, ताकि श्रद्धालु बारिश से बच सकें। इसके बावजूद कई कांवरिए बारिश में भींगने का आनंद ले रहे हैं। भागलपुर से आए एक श्रद्धालु रमेश महतो ने कहा कि, बारिश हो या धूप, बाबा का

आशीर्वाद हमेशा हमारे साथ है। यह बारिश तो भोलेनाथ की कृपा है। हम तो नाचते-गाते जल चढ़ाने जाएंगे। करीब 1 लाख डाक बम जल लेकर देवघर के लिए निकले हैं। करीब 2 लाख लोगों के जल उठाते की संभावना है। डाक बम वे श्रद्धालु हैं जो सुल्तानगंज से गंगा जल लेकर 24 घंटे के अंदर देवघर पहुंचते हैं। ये भक्त अपनी यात्रा को एक अनुष्ठान की तरह पूरा करते हैं, जिसमें वे बिना रुके, भक्ति में लीन होकर मंदिर तक पहुंचते हैं। देवघर में सावन मेले की तैयारियां इस बार हाईटेक और व्यवस्थित हैं। जिला प्रशासन ने 319 पारा मेडिकल कर्मियों और 19 एंबुलेंस की तैनाती की है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में श्रद्धालुओं को तुरंत चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो। मंदिर परिसर में सुरक्षा के लिए अक कैमरों का उपयोग किया जा रहा है, जो भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा निगरानी में मदद कर रहे हैं। इस बार श्रावणी मेले के दौरान मंदिर के नियमों में कुछ बदलाव किए गए हैं। सप्ताह में केवल पांच दिन ही श्रद्धालु शीघ्र दर्शनम कर सकेंगे। यह बदलाव भीड़ प्रबंधन और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखकर किया गया है। रास्ते में कई स्थानों पर सामाजिक संगठनों, स्थानीय लोगों और स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा सेवा शिविर लगाए गए हैं। कहीं नींबू-पानी और ग्लूकोज का इंतजाम है, तो कहीं डॉक्टरों की टीम प्राथमिक उपचार दे रही है। पूर्णिया के अखिलेश गुप्ता भगवान शिव का वेश लेकर कांवर यात्रा पर निकले हैं। वो बीत 15 सालों से ऐसी ही कांवर यात्रा कर रहे हैं। उन्होंने बिजली-पानी की समस्या को लेकर प्रशासन से इंतजाम करने को कहा। सावन की दूसरी सोमवारी पर करीब ढाई लाख भक्तों के देवघर पहुंचने की उम्मीद है। पहली सोमवारी पर भी ढाई लाख श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया था।

प्यार में बच्चों संग मुंबई से 2000किमी दूर पूर्णिया आई:प्रेमी का मोबाइल बंद, बोली- शादी करने बुलाया था

इंस्टाग्राम पर हुई थी दोस्ती

पूर्णिया। महाराष्ट्र के भंडारा की रहने वाली 27 साल की महिला दो बच्चों को गोद में लेकर प्रेमी से शादी करने बिहार के पूर्णिया पहुंची। हालांकि प्रेमी गायब मिला। महिला ने बताया, 'हम दोनों ने एक दूसरे से प्यार का इजहार किया और शादी करने का फैसला किया।' 'लड़के के कहने पर ही हम मुंबई से दो दिन पहले पूर्णिया पहुंचीं। जब से यहां आई हूं, लगातार प्रेमी को कॉल कर रही हूं, लेकिन उसका कॉल नहीं लग रहा है।' महिला ने अपना नाम आम्रपाली (काल्पनिक नाम) बताया। उन्होंने बताया, 'सोशल मीडिया के जरिए शहजाद से संपर्क हुआ और दोनों बातचीत करने लगे। शहजाद बताता था- हम पूर्णिया के कसबा प्रखंड के रहने वाले है।' आम्रपाली ने बताया, '6 महीने पहले मेरी और शहजाद की इंस्टाग्राम पर दोस्ती हुई थी। थोड़े दिनों के बातचीत के बाद हम दोनों वीडियो कॉल पर बातचीत करने लगे। 10 जुलाई को बातचीत के दौरान शहजाद ने कहा- 'हम दोनों शादी कर लेते हैं, तुम यहां आ जाओ।' 'फिर मैंने शादी के लिए अपने परिवार को छोड़ दिया और दोनों बच्चों को लेकर 13 जुलाई को पूर्णिया के लिए ट्रेन पकड़ ली। मैं 1300 किलोमीटर की दूरी तय कर 15 जुलाई को पूर्णिया पहुंची।' शहजाद ही मुंबई आने वाला था आम्रपाली ने बताया, 'पहले शहजादा खुद महाराष्ट्र आने की बात कर रहा था। लेकिन बाद में उसने मुझे पूर्णिया बुला लिया। यहां आने के बाद उसने धोखा दिया है।' महिला ने

बताया कि '13 जून को घर से निकलने से पहले शहजाद को कॉल किया। उसने कहा आ जाओ कोई दिक्कत नहीं होगा। लेकिन, यहां आने के बाद शहजाद का कुछ पता नहीं चल रहा है। दो दिनों तक काफी तलाश की, लेकिन वो नहीं मिला। फिर वापस लौटना पड़ रहा है।' 2017 में हुई थी पहली शादी महिला ने बताया कि साल 2017 में पुणे के रहने वाले महेश चौधरी से मेरी शादी हुई थी। महेश से मुझे दो बेटियां हुई, एक की उम्र 4 साल और दूसरी की 1 साल है। लड़का नहीं होने से ससुराल वाले प्रताड़ित और मारपीट करने लगे। मजबूरन तलाक लेना पड़ा था। मेरी बड़ी बेटी को पति ने बेचने की कोशिश की महिला ने बताया कि 'मेरे पति महेश चौधरी ने मेरी बड़ी बेटी को बेचने की कोशिश की। इसकी सूचना मिली तो पति और ससुरालवालों के खिलाफ लोकल थाने में शिकायत भी की। इसके बाद दो साल पहले मेरा महेश चौधरी से तलाक हो गया। महिला दो बच्चों की मां बिंदिया है, जो उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद की रहने वाली है। वहीं प्रेमी युवक नवगछिया का रहने वाला मेराज है। धोखे की इस प्रेम कहानी के बीच तीन महीने पहले ही मेराज ने अपने धर्म की लड़की से शादी कर ली थी, जिसके कारण प्रेमिका नाराज हो गई और नवगछिया पहुंच गई। महिला जिद पर अड़ी है कि उसे अपने प्रेमी के साथ उसके घर पर रहना है, जबकि प्रेमी का कहना है, 'शादी से पहले कई बार मैंने कोशिश की, लेकिन इसने मुझसे बात नहीं की। आखिर में मुझे शादी करनी पड़ी, अब जब मैंने शादी कर ली है, तो इसे कैसे साथ रख सकता हूं।' मामले को लेकर नवगछिया महिला थाना प्रभारी नीति राय ने कहा- 'पीड़िता के आवेदन पर मामला दर्ज कर लिया गया है।' नवगछिया एसपी प्रेरणा कुमार ने कहा, 'शिकायत पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।'

संक्षिप्त डायरी

भागलपुर में थाना डूबा, 32 जिलों में अलर्ट

पटना। में मानसून एक बार फिर मजबूत स्थिति में है। पटना, हाजीपुर समेत 5 जिलों में बारिश हुई। भागलपुर में तेज बारिश के बाद कई इलाकों में जलजमाव की स्थिति बन गई है। भागलपुर का नाथ नगर थाना डूब गया है। हाजत में पानी भरने से 3 फीट पानी में कैदी घंटों खड़े रहे। बेगूसराय में बाढ़ के कारण 33KB का बिजली का पोल गिर गया है, जिससे 30 गांवों में बिजली कट गई है। मुंगेर में देर रात से हो रही लगातार बारिश के बाद गंगटी नदी में उफान पर है। दबाव के कारण डायवर्सन बह जाने से तारापुर-खड़गपुर का संपर्क पूरी तरह से टूट गया। मौसम विज्ञान केंद्र ने रविवार यानी आज प्रदेश के 32 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। उत्तर बिहार के 19 जिलों में भारी बारिश की संभावना है। पटना समेत 13 जिलों में यलो अलर्ट है। इन जिलों में आकाशीय बिजली गिरने की आशंका है। 40KM/H की रफ्तार से हवा भी चल सकती है। कटिहार, मुंगेर में देर रात से ही बारिश हो रही है। सुपौल में भी हल्की बूंदाबांदी हुई। जबकि नालंदा समेत अधिकांश जिलों में काले बादल छाए हैं। इधर, बिहार के कई नदियों का जलस्तर बढ़ने लगा है। पटना समेत 4 जिलों में गंगा नदी उफान पर है। दानापुर में गंगा खतरे के निशान के पास पहुंच गई है। उफनाती गंगा में शिक्षक बिना लाइफ जैकेट के पढ़ाने के लिए स्कूल जा रहे हैं। बढ़ते जलस्तर को देखते हुए पटना उट ने जिले के 78 स्कूलों को 21 जुलाई तक बंद रखने का आदेश दिया है। भागलपुर, हाथीदह में भी गंगा वॉर्निंग लेवल को क्रॉस कर गई है। बक्सर में गंगा का पानी सड़कों पर आ गया है। मुंगेर में गंगा के बढ़ते जलस्तर से निचले इलाके डूबे हैं। भागलपुर: जिले में देर रात से ही तेज बारिश हो रही है। कई इलाकों में जलजमाव हो गया है। यहां रविवार को अधिकतम तापमान 28 डिग्री दर्ज किया गया। बारिश के चलते सिपाही भर्ती परीक्षा में शामिल होने वाले कैंडिडेट्स की मुश्किलें बढ़ गई हैं। यहां गंगा खतरे के निशान को पार कर चुका है बक्सर: जिले के सिमरी प्रखंड स्थित सड़क पर बाढ़ का पानी आ गया है। जिससे दर्जनों गांव से संपर्क टूट गया है। सड़क पर बाढ़ का पानी आने से यूपी जाने वाले लोगों की भी परेशानी बढ़ गई है। सूचना मिलने के बाद प्रशासन ने फिलहाल इन रास्तों को बंद कर दिया है मुंगेर: देर रात से लगातार बारिश हो रही है। सुबह 9 बजे गंगा वार्निंग लेबल 38.33 को पार कर गया है। जिसके चलते दियारा और निचले इलाके जलमग्न हैं। क्षेत्र में कई जगहों पर कटाव जारी है। गंगा का जलस्तर बढ़ने से हेमजापुर वार्ड 12 में गंगा का जलस्तर बढ़ने के बाद कटाव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। पटना: दानापुर में गंगा खतरे के निशान के पास पहुंच गई है। प्रशासन ने 21 जुलाई को पटना के 78 स्कूलों को बंद कर दिया है। हाथीदह में भी गंगा खतरे के निशान को पार कर चुका है।

बिजली चोरी के आरोप में 34 कंज्यूमर पर FIR

भागलपुर। के नवगछिया में बिजली चोरी और बकाया बिल को लेकर विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। 1 जुलाई से अब तक 34 उपभोक्ताओं पर बिजली चोरी की प्राथमिकी दर्ज की गई है। कुल 7.25 लाख का जुमार्ना लगाया गया है। कार्यपालक पदाधिकारी पवन कुमार ने बताया कि अनुमंडल क्षेत्र में 250 ऐसे उपभोक्ता हैं, जिन पर 55 लाख बकाया है। पेमेंट के लिए नोटिस जारी किया गया है। 5600 ऐसे उपभोक्ता चिन्हित किए गए हैं, जिनके घरों में पिछले 30 दिनों से बिजली मीटर बंद है। इसको लेकर जांच टीम गठित की गई है। जांच रिपोर्ट के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। वर्तमान में नवगछिया अनुमंडल में कुल 1,25,000 बिजली उपभोक्ता हैं। जिनमें से अब तक 71,000 उपभोक्ताओं के घरों में प्रीपेड मीटर लगाए जा चुके हैं। विभाग की ओर से समस्या के समाधान के लिए नंबर जारी किए गए हैं। साथ ही उपभोक्ताओं से समय पर बिल भुगतान करने की अपील की गई है।

फ्री हेल्थ कैंप, 11 विशेषज्ञ डॉक्टर करेंगे जांच

नालंदा। हेल्थ कैंप का आयोजन किया जा रहा है। बिहार शरीफ स्थित भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी भवन में साप्ताहिक शिविर सुबह 7:30 से 9 बजे तक संचालित होगा। जिसमें 11 विशेषज्ञ डॉक्टर अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे। शिविर में शामिल होने वाले चिकित्सकों में शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. श्याम बिहारी, हड्डी एवं नस रोग विशेषज्ञ डॉ. सुमित राज, आंखों की समस्या के लिए डॉ. अरविंद कुमार सिंह, फिजिशियन डॉ. इंद्रजीत कुमार, डॉ. दीनानाथ वर्मा, डॉ. उमेश कुमार सिंह, डॉ. अखिलेश कुमार, डेंटिस्ट डॉ. उदय देव रंजन मरीजों की समस्या का समाधान करेंगे। शिविर में आधुनिक एलोपैथिक चिकित्सा के साथ-साथ वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति भी उपलब्ध है। फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. मोहम्मद शहजाद आलम, होम्योपैथिक डॉ. गौतम कुमार और ऑडियोलॉजिस्ट डॉ. प्रदीप कुमार सिंह मरीजों की सेवा में तैनात रहेंगे। यहां मधुमेह की जांच भी की जाएगी। रेड क्रॉस सोसाइटी की ओर से बताया गया है कि यहां मधुमेह की जांच भी की जाएगी। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि नियमित जांच से कई गंभीर बीमारियों का समय रहते पता लगाया जा सकता है।

भगवान भोलेनाथ शिव के रहस्य

भगवान शिव अर्थात पार्वती के पति शंकर जिन्हें महादेव, भोलेनाथ, आदिनाथ आदि कहा जाता है, उनके रहस्य यहां प्रस्तुत हैं।

- **आदिनाथ शिव**

सर्वप्रथम शिव ने ही धरती पर जीवन के प्रचार-प्रसार का प्रयास किया इसलिए उन्हें 'आदिदेव' भी कहा जाता है। 'आदि' का अर्थ प्रारंभ। आदिनाथ होने के कारण उनका एक नाम 'आदिश' भी है।

- **शिव के अस्त्र-शस्त्र**

शिव का धनुष पिनाक, चक्र भवरेंदु और सुदर्शन, अस्त्र पाशुपतास्त्र और शस्त्र त्रिशूल है। उक्त सभी का उन्होंने ही निर्माण किया था।

- **शिव का नाग**

शिव के गले में जो नाग लिपटा रहता है उसका नाम वासुकि है। वासुकि के बड़े भाई का नाम शेषनाग है।

- **शिव की अर्द्धांगिनी**

शिव की पहली पत्नी सती ने ही अगले जन्म में पार्वती के रूप में जन्म लिया और वही उमा, उर्मि, काली कही गई हैं।

- **शिव के पुत्र**

शिव के प्रमुख 6 पुत्र हैं- गणेश, कार्तिकेय, सुकेश, जलंधर, अयप्पा और भूमा। सभी के जन्म की कथा रोचक है।

- **शिव के शिष्य**

शिव के 7 शिष्य हैं जिन्हें प्रारंभिक सप्तऋषि माना गया है। इन ऋषियों ने ही शिव के ज्ञान को संपूर्ण धरती पर प्रचारित किया जिसके चलते भिन्न-भिन्न धर्म और संस्कृतियों की उत्पत्ति हुई। शिव ने ही गुरु और शिष्य परंपरा की शुरुआत की थी। शिव के शिष्य हैं- बृहस्पति, विशालाक्ष, शुक्र, सहस्राक्ष, महेन्द्र, प्राचेतस मनु, भरद्वाज इसके अलावा 8वें गौरशिरस मुनि भी थे।

- **शिव के गण**

शिव के गणों में भैरव, वीरभद्र, मणिभद्र, चंदिस, नंदी, श्रृंगी, भृगिरिटी, शैल, गोकर्ण, घंटाकर्ण, जय और विजय प्रमुख हैं। इसके अलावा, पिशाच, दैत्य और नाग-नागिन, पशुओं को भी शिव का गण माना जाता है। शिवगण नंदी ने ही 'कामशास्त्र' की रचना की थी। 'कामशास्त्र' के आधार पर ही 'कामसूत्र' लिखा गया।

- **शिव पंचायत**

भगवान सूर्य, गणपति, देवी, रुद्र और विष्णु ये शिव पंचायत कहलाते हैं।

- **शिव के द्वारपाल**

नंदी, स्कंद, रिटी, वृषभ, भृंगी, गणेश, उमा-महेश्वर और महाकाल।

- **शिव पार्षद**

जिस तरह जय और विजय विष्णु के पार्षद हैं उसी तरह बाण, रावण, चंड, नंदी, भृंगी आदि शिव के पार्षद हैं।

- **सभी धर्मों का केंद्र शिव**

शिव की वेशभूषा ऐसी है कि प्रत्येक धर्म के लोग उनमें अपने प्रतीक

ढूंढ सकते हैं। मुशरिक, यजीदी, साबिईन, सुबी, इब्राहीमी धर्मों में शिव के होने की छाप स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है। शिव के शिष्यों से एक ऐसी परंपरा की शुरुआत हुई, जो आगे चलकर शैव, सिद्ध, नाथ, दिगंबर और सूफी संप्रदाय में विभक्त हो गई।

- **देवता और असुर दोनों के प्रिय शिव**

भगवान शिव को देवों के साथ असुर, दानव, राक्षस, पिशाच, गंधर्व, यक्ष आदि सभी पूजते हैं। वे रावण को भी वरदान देते हैं और राम को भी। उन्होंने भस्मासुर, शुक्राचार्य आदि कई असुरों को वरदान दिया था। शिव, सभी आदिवासी, वनवासी जाति, वर्ण, धर्म और समाज के सर्वोच्च देवता हैं।

- **शिव चिह्न**

वनवासी से लेकर सभी साधारण व्यक्ति जिस चिह्न की पूजा कर सकें, उस पत्थर के ढेले, बटिया को शिव का चिह्न माना जाता है। इसके अलावा रुद्राक्ष और त्रिशूल को भी शिव का चिह्न माना गया है। कुछ लोग डमरू और अर्द्ध चन्द्र को भी शिव का चिह्न मानते हैं, हालांकि ज्यादातर लोग शिवलिंग अर्थात शिव की ज्योति का पूजन करते हैं।

- **शिव की गुफा**

शिव ने भस्मासुर से बचने के लिए एक पहाड़ी में अपने त्रिशूल से एक गुफा बनाई और वे फिर उसी गुफा में छिप गए। वह गुफा जम्मू से 150 किलोमीटर दूर त्रिकूटा की पहाड़ियों पर है। दूसरी ओर भगवान शिव ने जहां पार्वती को अमृत ज्ञान दिया था वह गुफा 'अमरनाथ गुफा' के नाम से प्रसिद्ध है।

- **शिव के अवतार**

वीरभद्र, पिप्पलाद, नंदी, भैरव, महेश, अश्वत्थामा, शरभावतार, गृहपति, दुर्वासा, हनुमान, वृषभ, यतिनाथ, कृष्णदर्शन, अवधूत, भिक्षुवर्य, सुरेश्वर, किरात, सुनटनर्तक, ब्रह्मचारी, यक्ष, वैश्यानाथ, द्विजेश्वर, हंसरूप, द्विज, नतेश्वर आदि हुए हैं। वेदों में रुद्रों का जिक्र है। रुद्र 11 बताए जाते हैं- कपाली, पिंगल, भीम, विरुपाक्ष, विलोहित, शास्ता, अजपाद, आपिर्बुध्य, शंभू, चण्ड तथा भव।

- **शिव का विरोधाभासिक परिवार**

शिवपुत्र कार्तिकेय का वाहन मयूर है, जबकि शिव के गले में वासुकि नाग है। स्वभाव से मयूर और नाग आपस में दुश्मन हैं। इधर गणपति का वाहन चूहा है, जबकि सांप मूषकभक्षी जीव है। पार्वती का वाहन शेर है, लेकिन शिवजी का वाहन तो नंदी बैल है। इस विरोधाभास या वैचारिक भिन्नता के बावजूद परिवार में एकता है।

- **शिव के पैरों के निशान**

श्रीपद- श्रीलंका में रतन द्वीप पहाड़ की चोटी पर स्थित श्रीपद नामक मंदिर में शिव के पैरों के निशान हैं। ये पदचिह्न 5 फुट 7 इंच लंबे और 2 फुट 6 इंच चौड़े हैं। इस स्थान को सिवानोलीपदम कहते हैं। कुछ लोग इसे आदम पीक कहते हैं।

रुद्र पद- तमिलनाडु के नागपट्टीनम जिले के थिरुवेंगडू क्षेत्र में श्रीस्वेदारण्येश्वर का मंदिर में शिव के पदचिह्न हैं जिसे 'रुद्र पदम' कहा जाता है। इसके अलावा थिरुवन्नामलाई में भी एक स्थान पर शिव के पदचिह्न हैं।

तेजपुर- असम के तेजपुर में ब्रह्मपुत्र नदी के पास स्थित रुद्रपद मंदिर में शिव के दाएं पैर का निशान है।

जागेश्वर- उत्तराखंड के अल्मोड़ा से 36 किलोमीटर दूर जागेश्वर मंदिर की पहाड़ी से लगभग साढ़े 4 किलोमीटर दूर जंगल में भीम के मंदिर के पास शिव के पदचिह्न हैं। पांडवों को दर्शन देने से बचने के लिए उन्होंने अपना एक पैर यहां और दूसरा कैलाश में रखा था।

रांची- झारखंड के रांची रेलवे स्टेशन से 7 किलोमीटर की दूरी पर 'रांची हिल' पर शिवजी के पैरों के निशान हैं। इस स्थान को 'पहाड़ी बाबा मंदिर' कहा जाता है।

- **शिव भक्त** : ब्रह्मा, विष्णु और सभी देवी-देवताओं सहित भगवान राम और कृष्ण भी शिव भक्त है। हरिवंश पुराण के अनुसार, कैलास पर्वत पर कृष्ण ने शिव को प्रसन्न करने के लिए तपस्या की थी। भगवान राम ने रामेश्वरम में शिवलिंग स्थापित कर उनकी पूजा-अर्चना की थी।
- **शिव ध्यान** : शिव की भक्ति हेतु शिव का ध्यान-पूजन किया जाता है। शिवलिंग को बिल्वपत्र चढ़ाकर शिवलिंग के समीप मंत्र जाप या ध्यान करने से मोक्ष का मार्ग पुष्ट होता है।
- **शिव मंत्र** : दो ही शिव के मंत्र हैं पहला- ऊं नम: शिवाय। दूसरा महामृत्युंजय मंत्र- ऊं ह्रौं जू स:। ऊं भू: भुव: स्व:। ऊं त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम। उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय मामृतात। स्व: भुव: भू: ऊं। स: जू ह्रौं ऊं, है।
- **शिव व्रत और त्योहार** : सोमवार, प्रदोष और श्रावण मास में शिव व्रत रखे जाते हैं। शिवरात्रि और महाशिवरात्रि शिव का प्रमुख पर्व त्योहार है।
- **शिव प्रचारक** : भगवान शंकर की परंपरा को उनके शिष्यों बृहस्पति, विशालाक्ष (शिव), शुक्र, सहस्राक्ष, महेन्द्र, प्राचेतस मनु, भरद्वाज, अगस्त्य मुनि, गौरशिरस मुनि, नंदी, कार्तिकेय, भैरवनाथ आदि ने आगे बढ़ाया। इसके अलावा वीरभद्र, मणिभद्र, चंदिस, नंदी, श्रृंगी, भृगिरिटी, शैल, गोकर्ण, घंटाकर्ण, बाण, रावण, जय और विजय ने भी शैवपंथ का प्रचार किया। इस परंपरा में सबसे बड़ा नाम आदिगुरु भगवान दत्तात्रेय का आता है। दत्तात्रेय के बाद आदि शंकराचार्य, मत्स्येन्द्रनाथ और गुरु गुरुगोरखनाथ का नाम प्रमुखता से लिया जाता है।

बौद्ध साहित्य के मर्मज्ञ अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त विद्वान प्रोफेसर उपासक का मानना है कि शंकर ने ही बुद्ध के रूप में जन्म लिया था। उन्होंने पालि ग्रंथों में वर्णित 27 बुद्धों का उल्लेख करते हुए बताया कि इनमें बुद्ध के 3 नाम अतिप्राचीन हैं- तणंकर, शणंकर और मेघंकर।

तिब्बत स्थित कैलाश पर्वत पर उनका निवास है। जहां पर शिव विराजमान हैं उस पर्वत के ठीक नीचे पाताल लोक है जो भगवान विष्णु का स्थान है। शिव के आसन के ऊपर वायुमंडल के पार क्रमश: स्वर्ग लोक और फिर ब्रह्माजी का स्थान है।

- **शिव महिमा**

शिव ने कालकूट नामक विष पिया था जो अमृत मंथन के दौरान निकला था। शिव ने भस्मासुर जैसे कई असुरों को वरदान दिया था। शिव ने कामदेव को भस्म कर दिया था। शिव ने गणेश और राजा दक्ष के सिर को जोड़ दिया था। ब्रह्मा द्वारा छल किए जाने पर शिव ने ब्रह्मा का पांचवां सिर काट दिया था।

- **शैव परम्परा**

दसनामी, शाक्त, सिद्ध, दिगंबर, नाथ, लिंगायत, तमिल शैव, कालमुख शैव, कश्मीरी शैव, वीरशैव, नाग, लकुलीश, पाशुपत, कापालिक, कालदमन और महेश्वर सभी शैव परंपरा से हैं। चंद्रवंशी, सूर्यवंशी, अग्निवंशी और नागवंशी भी शिव की परंपरा से ही माने जाते हैं। भारत की असुर, रक्ष और आदिवासी जाति के आराध्य देव शिव ही हैं। शैव धर्म भारत के आदिवासियों का धर्म है।

- **शिव के प्रमुख नाम**

शिव के वैसे तो अनेक नाम हैं जिनमें 108 नामों का उल्लेख पुराणों में मिलता है लेकिन यहां प्रचलित नाम जानें- महेश, नीलकंठ, महादेव, महाकाल, शंकर, पशुपतिनाथ, गंगाधर, नटराज, त्रिनेत्र, भोलेनाथ, आदिदेव, आदिनाथ, त्रियंबक, त्रिलोकेश, जटाशंकर, जगदीश, प्रलयंकर, विश्वनाथ, विश्वेश्वर, हर, शिवशंभु, भूतनाथ और रुद्र।

- **अमरनाथ के अमृत वचन**

शिव ने अपनी अर्धांगिनी पार्वती को मोक्ष हेतु अमरनाथ की गुफा में जो ज्ञान दिया उस ज्ञान की आज अनेकानेक शाखाएं हो चली हैं। वह ज्ञानयोग और तंत्र के मूल सूत्रों में शामिल है। 'विज्ञान भैरव तंत्र' एक ऐसा ग्रंथ है, जिसमें भगवान शिव द्वारा पार्वती को बताए गए 112 ध्यान सूत्रों का संकलन है।

- **शिव ग्रंथ**

वेद और उपनिषद सहित विज्ञान भैरव तंत्र, शिव पुराण और शिव संहिता में शिव की संपूर्ण शिक्षा और दीक्षा समाई हुई है। तंत्र के अनेक ग्रंथों में उनकी शिक्षा का विस्तार हुआ है।

- **शिवलिंग**

वायु पुराण के अनुसार प्रलयकाल में समस्त सृष्टि जिसमें लीन हो जाती है और पुन: सृष्टिकाल में जिससे प्रकट होती है, उसे लिंग कहते हैं। इस प्रकार विश्व की संपूर्ण ऊर्जा ही लिंग की प्रतीक है। वस्तुत: यह संपूर्ण सृष्टि बिंदु-नाद स्वरूप है। बिंदु शक्ति है और नाद शिव। बिंदु अर्थात ऊर्जा और नाद अर्थात ध्वनि। यही दो संपूर्ण ब्रह्मांड का आधार है। इसी कारण प्रतीक स्वरूप शिवलिंग की पूजा-अर्चना है।

- **बारह ज्योतिर्लिंग**

सोमनाथ, मल्लिकार्जुन, महाकालेश्वर, ओंकारेश्वर, वैद्यनाथ, भीमशंकर, रामेश्वर, नागेश्वर, विश्वनाथजी, त्र्यम्बकेश्वर, केदारनाथ, घृष्णेश्वर। ज्योतिर्लिंग उत्पत्ति के संबंध में अनेकों मान्यताएं प्रचलित है। ज्योतिर्लिंग यानी 'व्यापक ब्रह्मात्मलिंग' जिसका अर्थ है 'व्यापक प्रकाश'। जो शिवलिंग के बारह खंड हैं। शिवपुराण के अनुसार ब्रह्म, माया, जीव, मन, बुद्धि, चित्त, अहंकार, आकाश, वायु, अग्नि, जल और पृथ्वी को ज्योतिर्लिंग या ज्योति पिंड कहा गया है। दूसरी मान्यता अनुसार शिव पुराण के अनुसार प्राचीनकाल में आकाश से ज्योति पिंड पृथ्वी पर गिरे और उनसे थोड़ी देर के लिए प्रकाश फैल गया। इस तरह के अनेकों उल्का पिंड आकाश से धरती पर गिरे थे। भारत में गिरे अनेकों पिंडों में से प्रमुख बारह पिंड को ही ज्योतिर्लिंग में शामिल किया गया।

- **शिव का दर्शन**

शिव के जीवन और दर्शन को जो लोग यथार्थ दृष्टि से देखते हैं वे सही बुद्धि वाले और यथार्थ को पकड़ने वाले शिवभक्त हैं, क्योंकि शिव का दर्शन कहता है कि यथार्थ में जियो, वर्तमान में जियो, अपनी चित्तवृत्तियों से लड़ो मत, उन्हें अजनबी बनकर देखो और कल्पना का भी यथार्थ के लिए उपयोग करो। आइंस्टीन से पूर्व शिव ने ही कहा था कि कल्पना ज्ञान से ज्यादा महत्वपूर्ण है।

- **शिव और शंकर**

शिव का नाम शंकर के साथ जोड़ा जाता है। लोग कहते हैं- शिव, शंकर, भोलेनाथ। इस तरह अनजाने ही कई लोग शिव और शंकर को एक ही सत्ता के दो नाम बताते हैं। असल में, दोनों की प्रतिमाएं अलग-अलग आकृति की हैं। शंकर को हमेशा तपस्वी रूप में दिखाया जाता है। कई जगह तो शंकर को शिवलिंग का ध्यान करते हुए दिखाया गया है। अत: शिव और शंकर दो अलग अलग सत्ताएं है। हालांकि शंकर को भी शिवरूप माना गया है। माना जाता है कि महेष (नंदी) और महाकाल भगवान शंकर के द्वारपाल हैं। रुद्र देवता शंकर की पंचायत के सदस्य हैं।

- **देवों के देव महादेव**

देवताओं की दैत्यों से प्रतिस्पर्धा चलती रहती थी। ऐसे में जब भी देवताओं पर घोर संकट आता था तो वे सभी देवाधिदेव महादेव के पास जाते थे। दैत्यों, राक्षसों सहित देवताओं ने भी शिव को कई बार चुनौती दी, लेकिन वे सभी परास्त होकर शिव के समक्ष झुक गए इसीलिए शिव हैं देवों के देव महादेव। वे दैत्यों, दानवों और भूतों के भी प्रिय भगवान हैं। वे राम को भी वरदान देते हैं और रावण को भी।

- **शिव हर काल में**

भगवान शिव ने हर काल में लोगों को दर्शन दिए हैं। राम के समय भी शिव थे। महाभारत काल में भी शिव थे और विक्रमादित्य के काल में भी शिव के दर्शन होने का उल्लेख मिलता है। भविष्य पुराण अनुसार राजा हर्षवर्धन को भी भगवान शिव ने दर्शन दिए थे।

चौथे टेस्ट से पहले टीम इंडिया मैनचेस्टर पहुंची, इंग्लैंड के खिलाफ ओल्ड ट्रैफर्ड में होगा मुकाबला

मैनचेस्टर (यूके) (एजेंसी)। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी की 5 मैचों की श्रृंखला के चौथे टेस्ट से पहले टीम इंडिया रविवार को मैनचेस्टर पहुंची। यह टेस्ट मैच बुधवार 23 जुलाई से ओल्ड ट्रैफर्ड में खेला जाएगा। जिन खिलाड़ियों के यहां पहुँचने की सूचना मिली, उनमें टीम के कप्तान शुभमन गिल, उप-कप्तान ऋषभ पंत और सलामी बल्लेबाज केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल शामिल थे।

बाएं हाथ के बल्लेबाज साई सुदर्शन, दाएं हाथ के बल्लेबाज करुण नायर, अनकैप्ड खिलाड़ी अभिमन्यु ईश्वरन और ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी जैसे अन्य खिलाड़ी भी मैनचेस्टर पहुंचते ही सुर्खियों में आ गए। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने कुछ अन्य खिलाड़ियों की तस्वीरें भी पोस्ट कीं, जिनमें ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर और शार्दुल ठाकुर के साथ विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल शामिल थे।

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप और अर्शदीप के साथ-साथ बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव भी नजर आए। 193 रनों का पीछा करते हुए पुछल्ले बल्लेबाजों और रवींद्र जडेजा के संघर्षपूर्ण प्रयास के बावजूद लॉर्ड्स में तीसरा टेस्ट सिर्फ 22 रन से हारने के बाद भारत पांच मैचों की श्रृंखला में 1-2 से पीछे है और चौथे टेस्ट में जीत दर्ज करना चाहेगी।

भारत की टीम

शुबमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नितीश रेड्डी, रवींद्र जड़ेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रित बुमरा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह और कुलदीप यादव।

श्रीशंकर ने पुर्तगाल में लंबी कूद का खिताब जीता, तोक्यो में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप पर नजरें

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के स्टार लांग जंपर मुरली श्रीशंकर ने पुर्तगाल के माइया में विश्व एथलेटिक्स उपमहाद्वीपीय टूर के कांस्य स्तर के टूर्नामेंट मीटिंग माइया सिडाडे डो डेसपोर्टो में 7.75 मीटर की कूद लगाकर खिताब जीत लिया।

एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता श्रीशंकर ने शनिवार की रात को दूसरे दौर में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया। उन्होंने 7.63 मीटर की कूद के साथ शुरूआत की और दूसरे दौर में 7.75 मीटर की कूद लगाई। तीसरी कूद में उन्होंने 7.69 मीटर का फासला नापा। अगला प्रयास फाउल रहा और इसके बाद 6.12 और 7.58 मीटर की कूद लगाई।

पोलैंड के पियोत्र तारकोवस्की ने भी 7.75 मीटर की कूद लगाई लेकिन उनका दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रयास 7.58 मीटर था जो श्रीशंकर के 7.69 मीटर से कम था। विश्व एथलेटिक्स के नियमों के अनुसार अगर दो खिलाड़ियों में टाई होता है तो दूसरी वैध कूद को टाइब्रेकर माना जाता है।

घुटने के आपरेशन के कारण लंबे समय खेल से दूर रहे श्रीशंकर ने इस महीने की शुरूआत में इंडियन ओपन एथलेटिक्स मीट के जरिये वापसी की है। उनकी नजरें सितंबर में तोक्यो में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई करने पर लगी है जिसके लिए स्वतः क्वालीफिकेशन मार्क 8.27 मीटर है। वह 14 अगस्त तक यूरोप और मध्य एशिया में टूर्नामेंट खेलेंगे जिसके लिए सरकार ने 5.58 लाख रुपए मंजूर किए हैं।

एक-दो नहीं, तीन रिकॉर्ड्स पर शुभमन गिल की नजरें, एक है 19 साल पुराना

मैनचेस्टर (यूके) (एजेंसी)। भारतीय टीम मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड क्रिकेट ग्राउंड पर इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज के चौथे टेस्ट मैच में खेलने के लिए पहुंच चुकी है। मुकाबला 23 जुलाई (बुधवार) से शुरू होगा। मेहमान टीम के लिए यह करो या मरो का मुकाबला है क्योंकि टीम लॉड्र्स में हार गई थी जिस वजह से सीरीज में इंग्लैंड 2-1 से आगे है। इस मैच में भारतीय कप्तान शुभमन गिल एक बार फिर सुर्खियों में होंगे क्योंकि वह एक-दो नहीं बल्कि तीन रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। इसमें से एक रिकॉर्ड तो 19 साल पुराना है।

शुभमन गिल ने अब तक सीरीज में 101 की औसत और 269 के सर्वोच्च स्कोर के साथ 607 रन बनाए हैं। यदि गिल आगामी मैच में 25 रन बना लेते हैं, तो वह पाकिस्तान के महान बल्लेबाज मोहम्मद यूसुफ को पीछे छोड़कर इंग्लैंड में द्विपक्षीय टेस्ट सीरीज में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले एशियाई बल्लेबाज बन जाएंगे। यूसुफ ने 2006 में इंग्लैंड के खिलाफ उनके मैदानों पर 631 रन बनाए थे।

अगर शुभमन गिल मैनचेस्टर टेस्ट में 146 रन बनाते हैं, तो उनके नाम इस सीरीज में 753 रन हो जाएंगे जिससे वह भारत और इंग्लैंड के बीच किसी एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। यह रिकॉर्ड फिलहाल ग्राहम गूच के नाम है जिन्होंने 1990 में 752 रन बनाए थे।

इन दो रिकॉर्ड्स के अलावा अगर शुभमन गिल 107 रन बनाते हैं, तो वह इंग्लैंड के खिलाफ एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज भी बन सकते हैं। यशस्वी जायसवाल फिलहाल 712 रनों के साथ शीर्ष पर हैं जो उन्होंने 2024 में बनाए थे।

केएल राहुल 9,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे करने के कगार पर, चाहिए मात्र इतने रन

मैनचेस्टर (यूके) (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में चौथा टेस्ट नजदीक आ रहा है और सभी की नजरें भारतीय सलामी बल्लेबाज केएल राहुल पर होंगी जिन्होंने अब तक इंग्लैंड में अपने करियर को परिभाषित करने वाली श्रृंखला खेली है और 9,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे करने से सिर्फ 60 रन दूर हैं। इंग्लैंड श्रृंखला में 2-1 से आगे और भारत को सीरीज बराबर करने के लिए चौथा टेस्ट जीतना होगा।

अपने अब तक के अंतरराष्ट्रीय करियर में केएल ने 218 मैचों की 254 पारियों में 39.73 की औसत से 19 शतकों और 58 अर्द्धशतकों के साथ 8,940 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 199 है। वे सर्वकालिक सूची में भारत के लिए 16वें सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। अपनी उत्कृष्ट तकनीक, संयम और विविध शॉट्स के बावजूद टेस्ट क्रिकेट आश्चर्यजनक रूप से उनका सबसे कम असफल प्रारूप रहा है, जिसमें उन्होंने 61 मैचों और 107 पारियों में 35.26 की औसत से 3,632 रन बनाए हैं, जिसमें 10 शतक और 18 अर्द्धशतक शामिल हैं, और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 199 रहा है।

उनके प्रदर्शन में निरंतरता की कमी और इसके परिणामस्वरूप बल्लेबाजी औसत में ठहराव की भी जांच की जा रही है, यहां तक कि केएल ने भी स्वीकार किया कि उनके बल्लेबाजी औसत को

देखकर उन्हें ÷दुख होता है÷। वे एकदिवसीय मैचों में कहीं अधिक सफल रहे हैं, जहां उन्होंने 85 मैचों और 79 पारियों में 49.08 की औसत और 88.17 की स्ट्राइक रेट से 3,043 रन बनाए हैं, जिसमें 7 शतक और 18 अर्द्धशतक शामिल हैं। टी20आई में वह भारत के चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। राहुल ने 72 मैचों और 68 पारियों में 37.75 की औसत और लगभग 140 के स्ट्राइक रेट से 2,265 रन बनाए हैं जिसमें दो शतक और 22 अर्द्धशतक शामिल हैं। हालांकि, उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में एक विनाशकारी टी20 विश्व कप 2022 के बाद से टी20आई नहीं खेला है, क्योंकि भारत में युवा, निडर और कठोर टी20आई विशेषज्ञों की तुलना में उनकी स्कोरिंग दर कई बार पुरानी लगती है।

मौजूदा श्रृंखला में केएल ने तीन मैचों और छह पारियों में 62.50 की औसत से 375 रन बनाए हैं, जिसमें 137 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर, दो शतक और एक अर्द्धशतक शामिल है। वह श्रृंखला में चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। इंग्लैंड में 12 टेस्ट मैचों की 24 पारियों में उन्होंने 41.20 की औसत से 989 रन बनाए हैं, जिसमें चार शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं। इंग्लैंड में उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 149 रन है। अपने फॉर्म में उतार-चढ़ाव के बावजूद वह एशिया के बाहर भारत के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में से एक हैं, क्योंकि उनके दस में से नौ टेस्ट शतक घर से बाहर आए हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उनके 7 टेस्ट शतक दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया (स्श्वद्ब) देशों में आए हैं, जिनमें से एक शतक ऑस्ट्रेलिया में और दो दक्षिण अफ्रीका में हैं। दो मैच शेष रहते हुए, केएल के पास इस श्रृंखला को सांख्यिकीय रूप से अपना सर्वश्रेष्ठ टेस्ट शतक बनाने का पूरा मौका है। उनकी सर्वश्रेष्ठ टेस्ट सीरीज 2016-17 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज रही है जिसमें उन्होंने चार मैचों और सात पारियों में 65.50 की औसत से 393 रन बनाए हैं जिसमें उनके नाम छह अर्धशतक और 90 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है।

इस दौरे पर अब तक राहुल ने 670 गेंदों का सामना किया है, जो 1990 के बाद से इंग्लैंड में किसी भारतीय सलामी बल्लेबाज द्वारा किसी दौरे पर चौथा सबसे ज़्यादा है। दो और मैच बचे हैं, ऐसे में उनके पास 2021 के दौरे के दौरान 735 गेंदों के अपने ही रिकॉर्ड, रोहित शर्मा द्वारा इसी दौरे में सामना की गई 866 गेंदों और 2014 में मुरली विजय के 1,054 गेंदों के सर्वकालिक रिकॉर्ड को पीछे छोड़ने का पूरा मौका है। टीम में एक सीनियर खिलाड़ी के रूप में राहुल ने युवाओं और पुरानी पीढ़ी के बीच एक बेहतरीन कड़ी का काम किया है। जहां आलोचकों ने पहले हर टेस्ट मैच के साथ लय और रन खोने के लिए उनकी आलोचना की थी, वहीं केएल ने इस बार अपने बल्ले से उन्हें चुप करा दिया है और कम से कम हर टेस्ट में पचास से ज़्यादा का स्कोर बनाया है।

बीसीसीआई ने कंबोज को भारतीय दल में शामिल किया

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंग्लैंड दौरे में भारतीय खिलाड़ियों के चोटिल होने के सिलसिले को देखते हुए तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज को कवर के तौर पर शामिल किया है। भारत और इंग्लैंड के बीच चौथा टेस्ट 23 जुलाई से मैनचेस्टर में खेला जाएगा। इस मुकाबले से पहले उपकप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत चोटिल हैं जबकि आकाशदीप की कमर में दर्द है। वहीं अर्शदीप सिंह की अंगुली में चोट लगी है। चोटिल खिलाड़ियों की बढ़ती संख्या से परेशान होकर ही बीसीसीआई चयनसमिति ने भारतीय दल में कंबोज को शामिल करने का फैसला किया। कंबोज को अर्शदीप के चोटिल होने के बाद कवर के तौर पर शामिल किया गया है। बीसीसीआई के अनुसार, अर्शदीप के हाथ में टांके लगे हैं। ऐसे में उन्हें पूरी तरह से फिट होने में कम से कम दस दिन लगेंगे। इसी को देखते हुए ही चयनकर्ताओं ने कंबोज को टीम से जोड़ा है। कंबोज पिछले महीने भारत ए टीम में शामिल थे, ऐसे में उन्होंने वहां दो तीन दिवसीय मैच खेले थे जिस कारण उन्हें हालातों का अंदाजा है। उन्होंने भारत ए की ओर से अच्छी गेंदबाजी करते हुए अपने दोनों मैचों में पांच विकेट लिए थे। इस तेज गेंदबाज ने अपनी गति और कसी हुई लाइन से सभी को प्रभावित किया था। कंबोज ने फर्स्ट क्लास करियर में अब तक हरियाणा के लिए अभी तक 24 मैचों में 79 विकेट लिए हैं। ऐसे में अगर आकाशदीप मैच से पहले पूरी तरह फिट हो पाते हैं या नहीं। तो प्रसिद्ध कृष्णा या फिर कंबोज में से किसी को अवसर मिल सकता है।

अर्शदीप के चोटिल होने से मैनचेस्टर टेस्ट से डेब्यू का सपना टूटा

लंदन। 23 जुलाई से मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले बांए हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के चोटिल होने से भारतीय टीम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। अर्शदीप के हाथ में अभ्यास सत्र के दौरान चोट लग गयी। ऐसे में अब उनके इस मैच तक फिट होने की काफी कम संभावनाएं हैं। भारतीय टीम के लिए ये इसलिए भी बड़ा झटका

है क्योंकि दूसरे टेस्ट में जीत दिलाने वाले तेज गेंदबाज आकाशदीप सिंह पहले ही कमर के दर्द से पीड़ित हैं। इसको देखते हुए टीम प्रबंधन आकाशदीप की जगह अर्शदीप को उतरना चाहता था पर अब ये संभव नजर नहीं आता। अभ्यास सत्र के दौरान साई सुदर्शन की गेंद को फॉलो-थ्रू पर रोकते समय अर्शदीप के हाथ में चोट लग गई थी। उनके हाथ में टांके लगाए गए हैं, ऐसे में अब उनके खेलने के लिए फिट होने की संभावना कम है। इससे उनका टेस्ट डेब्यू का सपना भी टल गया है। वहीं आकाश दीप की उपलब्धता पर अभी भी संशय बना हुआ है क्योंकि वह कमर के दर्द से पीड़ित हैं। आकाश दीप ने मैनचेस्टर रवाना होने से पहले भारतीय टीम द्वारा आयोजित नेट सेशन में भी भाग नहीं लिया था। इंग्लैंड दौरे पर खिलाड़ियों विशेषकर गेंदबाजों के चोटिल होने से भारतीय टीम प्रबंधन भी परेशान हैं। आकाशदीप और अर्शदीप सिंह से पहले उप-कप्तान ऋषभ पंत भी लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच के दौरान चोटिल हो गए थे। ऐसे में ऋषभ के भी मैनेचेस्टर में खेलने की संभावनाएं भी काफी कम है, उनकी जगह ध्रुव जुरेल को अवसर मिल सकता है। वहीं मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का खेलना भी तय नहीं है। बुमराह ने पहले ही साफ कर दिया था कि इस दौरे पर वह तीन मैच ही खेलेंगे। उन्होंने लीड्स और लॉर्ड्स में दो टेस्ट मैच खेल लिए हैं पर गेंदबाजों के फिट नहीं होने के कारण उन्हें उतरना पड़ सकता है।

महिला विश्व कप शतरंज: इतिहास रचते हुए हंपी, हरिका, वैशाली और दिव्या पहुँची क्वार्टर फाइनल में

बातुमी , जॉर्जिया (एजेंसी)। भारतीय महिला शतरंज टीम द्वारा पिछले वर्ष शतरंज ओलंपियाड का स्वर्ण पदक जीतना कोई तुक्का नहीं था और शतरंज में पुरुषो की तरह महिलाएं भी इतिहास रच रही है। विश्व शतरंज दिवस के ठीक पहले फीडे महिला विश्व कप शतरंज 2025 में भारतीय महिला शतरंज ने नया इतिहास रच दिया है। प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में पहली बार चार भारतीय महिलाएं जगह बनाने में सफल हुई हैं। इसका मतलब है कि अंतिम आठ में से आधी खिलाड़ी भारत से हैं। ग्रैंडमास्टर कोनेरू हंपी, हरिका द्रोणावल्ली, आर वैशाली और इंटरनेशनल मास्टर दिव्या देशमुख ने चौथे राउंड में अपने-अपने टाईब्रेक मुकाबले जीतकर क्वार्टर फाइनल का टिकट कटाया।

दिव्या ने जिनेर झू को चौंकाया - दिव्या देशमुख ने चीन की दूसरी वरीय ग्रैंडमास्टर जिनेर झू को 2.5-1.5 से हराकर सबसे बड़ी जीत हासिल की। पहले गेम में जीत

हासिल करने के बाद उन्होंने दूसरा गेम ड्रॉ करते हुए मैच अपने नाम किया।

हंपी ने कोस्टेनियुक को किया बाहर - रूस की पूर्व विश्व चैम्पियन अलेक्ज़ान्द्रा कोस्टेनियुक को दो रैपिड टाईब्रेक में पछाड़ते हुए कोनेरू हंपी ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। इससे यह तय हो गया कि इस बार विश्व कप में नया विजेता मिलेगा क्योंकि कोस्टेनियुक 2021 की पहली विजेता थीं। हरिका द्रोणावल्ली ने पहले टाईब्रेक गेम में हारने के बाद जोरदार वापसी की और अंततः 3.5-2.5 के स्कोर से रूस की कतेरीना लाग्नो को मात दी।

वैशाली की सबसे लंबी लड़ाई - आर वैशाली को कजाखस्तान की मेरुएर्त कमालिदेनोवा के खिलाफ आठ गेम की लंबी टाईब्रेक लड़ाई लड़नी पड़ी। अंततः उन्होंने 4.5-3.5 से जीत दर्ज कर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

सेमीफाइनल में भारत की उपस्थिति तय

क्वार्टर फाइनल में दिव्या देशमुख और हरिका द्रोणावल्ली आमने-सामने होंगी, जिससे यह सुनिश्चित हो गया है कि सेमीफाइनल में भारत की कम से कम एक खिलाड़ी जरूर पहुंचेगी। यह उपलब्धि भारतीय महिला शतरंज के इतिहास में पहली बार होगी।

क्वार्टर फाइनल में कोनेरू हंपी चीन की युशिन सॉन्ग से दिव्या देशमुख हमवतन हरिका द्रोणावल्ली से , आर वैशाली चीन की जीएम झोंगी तान से और चीन की तिंगजी लेई जॉर्जिया की नाना डजगनिड्जे से मुक़ाबला खेलेंगी । आज तक कोई भी भारतीय महिला खिलाड़ी नें विश्व कप नहीं जीता है क्या इस बार यह कारनामा होगा इस पर दुनिया भर की नजरे होंगी ।

अगले माह श्रीलंका में खेलते नजर आ सकते हैं विराट और रोहित

मुम्बई । क्रिकेट प्रशंसकों का विराट कोहली और रोहित शर्मा को खेलते देखने का सपना शीर्ष ही पूरा हो सकता है। विराट और रोहित टी20 और टेस्ट से संन्यास लेने के कारण अब केवल एकदिवसीय प्रारुप में ही खेलेंगे, इसी कारण ये दोनो लंबे समय से मैदान से बाहर हैं। रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम को अगस्त में बांग्लादेश दौरे पर जाना था पर वहां के खराब हालातों को देखते हुए भारतीय बोर्ड ने ये दौरा रद्द कर दिया था। जिससे प्रशंसक निराश थे पर अब प्रशंसकों की इन दोनो को खेलते हुए देखने की इच्छा शीघ्र पूरी हो सकती है क्योंकि भारतीय टीम अब अगले माह श्रीलंका दौर पर जा सकती है। श्रीलंका बोर्ड ने बीसीसीआई से सामने एक सीरीज का प्रस्ताव रखा है जिसपर बोर्ड विचार कर रहा है। माना जा रहा है कि बीसीसीआई श्रीलंकाई बोर्ड का ये प्रस्ताव मान लेगा। ऐसे में प्रशंसकों को रोहित और विराट को खेलते हुए देखने का अवसर मिल जाएगा। इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैच की टेस्ट सीरीज के बाद भारत को 17 अगस्त से बांग्लादेश का दौरा करना था पर बांग्लादेश में सुरक्षा संबंधित चिंताओं की वजह से दोनों देशों के बोर्ड ने इस दौरे को अगले सात तक के लिए स्थगित कर दिया था। वहीं श्रीलंका क्रिकेट के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, हमें बीसीसीआई से सकारात्मक जवाब की उम्मीद है। इसपर आगे की चर्चा सिंगापुर में आईसीसी बैठक के दौरान होगी। अगर इस दौरे की अनुमति मिलती है तो इस सीरीज का आयोजन कोलंबो और कैंडी में हो सकता है। श्रीलंका ने पहले तीन मैच की एकदिवसीय और इतने ही मैच की टी20 सीरीज का प्रस्ताव दिया था, मगर अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए टी20 सीरीज के मैचों को बढ़ाया भी जा सकता है।

अब बिहार में अकादमी खोल रहे पठान बंधु

मधुबनी । पूर्व क्रिकेट इरफान पठान और उनके भाई यूसुफ पठान प्रतिभाशाली क्रिकेटरों को एक मंच देने के लिए बिहार के एक छोटे से शहर मधुबनी में क्रिकेट अकादमी खोलने जा रहे हैं। पठान भाइयों का लक्ष्य छोटे शहरों के बच्चों को भी बेहत कोचिंग की सुविधा देना है। इस अकादमी के लिए रजिस्ट्रेशन अभी से शुरु हो गया है। उम्मीद की जा रही है कि इस महीने के अंत तक या अगले महीने तक इसका उद्घाटन भी करा दिया जाएगा। पठान भाइयों ने पहले से ही देश के कई शहरों में अपनी अकामियां खोली हुई हैं। जिससे प्रतिभावान बच्चों को खेलने में कोई परेशानी न आये। इस कड़ी में दोनों भाइयों ने मिलकर मधुबनी में भी क्रिकेट अकादमी खोलने की ये योजना बनाई है। इसमें नामांकन को लेकर संख्या अभी स्पष्ट नहीं है पर रजिस्ट्रेशन शुरू हो गया है। इसी के तहत ही मैदान तैयार करने के साथ ही जगह-जगह पर नेट्स लगाए गए हैं।

टीम इंडिया से बाहर होने के बाद भी करोड़ों कमा रहे ईशान किशन

मुम्बई । भारतीय टीम से बाहर चल रहे युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने कुछ ही समय में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी पहचान बनायी है। उनके नाम एकदिवसीय में सबसे तेज दोहरा शतक लगाने का विश्व रिकार्ड है। घरेलू क्रिकेट नहीं खेलने के कारण उन्हें अनुशासनहीनता के कारण पिछले दो साल से भारतीय टीम में जगह नहीं मिली है पर इसके बाद भी उनकी कमाई पर कोई अधिक प्रभाव नहीं पड़ा है। बीसीसीआई ने हालांकि इस बार उन्हें सी वर्ग का करार दिया है। जिससे सालाना एक करोड़ रुपये की राशि मिलेगी। माना जा रहा है कि उनकी भविष्य में टीम में वापसी हो सकती है। ईशान की कमाई क्रिकेट के अलावा बड़ी कंपनियों के विज्ञापन

से होती है। इसके अलावा आईपीएल से भी उनको करोडों की रकम मिलती है। वह काउंटी से भी कमाई करते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार ईशान की नेटवर्थ तकरीबन 60 करोड़ रुपये है। 2025 की आईपीएल मेगा ऑक्शन में ईशान किशन को सनराइजर्स हैदराबाद ने 11.25 करोड़ रुपये में खरीदा था। वहीं साल 2022 से 2024 तक उन्हें मुंबई इंडियंस से आईपीएल में वेतन के तौर पर 15.25 करोड़ रुपये मिले हैं।

हम परिस्थितियों से जल्दी सामंजस्य नहीं बिठा सके: स्मृति मंधाना

इस्लामाबाद (एजेंसी)। लंदन = अनुभवी सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना तीन मैचों की श्रृंखला के दूसरे एकदिवसीय में इंग्लैंड से हार के बाद स्वीकार किया कि भारतीय खिलाड़ी लॉड्र्स मैदान की मुश्किल परिस्थितियों के अनुकूल नहीं ढल पाए और बल्लेबाजों ने समझदारी भरे शॉट नहीं खेले। भारत ने साउथम्पटन में खेले गए पहले मैच में चार विकेट से जीत हासिल की लेकिन शनिवार को लॉड्र्स में खेले गये बारिश से प्रभावित मुकाबले में उन्हें आठ विकेट से करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा। उप-कप्तान मंधाना (42) और दीप्ति शर्मा (30 नाबाद) को छोड़कर कोई भी भारतीय बल्लेबाज इंग्लैंड के गेंदबाजों के सामने चुनौती पेश करने में विफल रहा। भारतीय टीम 29 ओवर में आठ विकेट पर 143 रन ही बना सकी।

मंधाना ने मैच के बाद कहा, 'मुझे लगता है कि बल्लेबाजी इकाई के तौर पर हम परिस्थितियों के अनुकूल जल्दी नहीं ढल पाये। हमने कुछ ऐसे शॉट खेलने की कोशिश की जो लॉड्र्स जैसी पिच शायद आसान नहीं थे।' मंधाना ने स्वीकार किया कि मैच शुरू होने से पहले बारिश के कारण लंबे ब्रेक से खिलाड़ियों की एकाग्रता प्रभावित हुई। उन्होंने कहा, 'बारिश से प्रभावित मैच में ध्यान केंद्रित करना हमेशा बहुत मुश्किल होता है। हमें मैच शुरू होने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा। इस तरह के मैचों में टॉस अगर आपके पक्ष में नहीं रहा तो मुश्किलें और बढ़ सकती है। यह हम सभी के लिए एक कड़ी चुनौती थी। हम कुछ पहलुओं पर और बेहतर कर सकते थे।'

इस खब्बू बल्लेबाज ने कहा कि कहा कि लॉड्र्स में रन बनाना हमेशा मुश्किल काम होता है और उनकी टीम कुछ महत्वपूर्ण सबक लेकर वापस लौटेगी। उन्होंने कहा, 'कई खिलाड़ियों को लॉड्र्स में पहली बार खेलने का मौका मिला। उत्साह काफी ज्यादा था। इसलिए मुझे यकीन है कि बहुत से इन खिलाड़ियों ने काफी कुछ सीखा होगा।'

भारत ने 2017 में इसी मैदान पर इंग्लैंड से विश्व कप फाइनल हारा था। इस मैच में नौ रन की हार के बावजूद टीम के प्रदर्शन का ग्राफ उसके बाद ऊपर चढ़ा। मंधाना ने कहा कि पिछले आठ साल भारत में महिला क्रिकेटरों के लिए शानदार रहे हैं। उन्होंने कहा, 'महिला क्रिकेट, खास कर भारत में 2017 के बाद काफी बदलाव आया है। हम सब उस दिन जीत नहीं पाने से बहुत निराश थे, लेकिन जब हम भारत लौटे तब हमें नायकों जैसा स्वागत मिला। हर कोई महिला क्रिकेट के बारे में बहुत कुछ जानने लगा।'

उन्होंने कहा, 'पिछले आठ वर्षों से हम जहां भी खेलते हैं स्टेडियम में मौजूद भारतीय प्रशंसकों की संख्या से हमें लगता है कि हम

घरेलू मैदान पर खेल रहे हैं। लोग हमें देखने आते हैं, हमारी आलोचना करते हैं, हमारी सराहना करते हैं, जो सब अच्छा है क्योंकि इससे क्रिकेट को बढ़ावा मिल रहा है।'

राष्ट्र सर्वोपरि है, पार्टी सिर्फ राष्ट्र को बेहतर बनाने का एक माध्यम: थरूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व सांसद शशि थरूर ने हाल ही में कोच्चि में एक कार्यक्रम में कांग्रेस पार्टी के साथ अपनी असहमति और देश के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर खुलकर बात की। कार्यक्रम में एक एक छात्र द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में थरूर ने कहा कि उनकी पहली वफादारी पार्टी नहीं बल्कि देश की है। इस बयान के बाद राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई है क्योंकि यह कांग्रेस के अंदर चल रही विवाद की गूंज है।

छात्र ने सवाल किया कि क्या वह अपनी पार्टी के साथ असहज महसूस करते हैं। इस पर थरूर ने कहा कि उनकी सबसे बड़ी निष्ठा देश के प्रति है। राजनीति में मतभेद होना स्वाभाविक है लेकिन देश की सुरक्षा और भलाई सर्वोपरि होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों को अपने-अपने मतभेद हो सकते हैं। कोई ज्यादा पूंजीवाद का समर्थन करता है तो कोई समाजवाद का। कुछ लोग ज्यादा नियामक नियंत्रणों के पक्ष में होते हैं और कुछ इसके खिलाफ, लेकिन यह सब मतभेद होते हुए भी अंततः सभी दलों का उद्देश्य एक बेहतर, सुरक्षित और समृद्ध भारत बनाना होना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि ÷राष्ट्र सर्वोपरि है÷ और पार्टी सिर्फ राष्ट्र को बेहतर बनाने का एक माध्यम है।

थरूर का यह बयान उस समय आया जब पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के जवाबी कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर पर कांग्रेस के भीतर अंदर थे। थरूर ने इस ऑपरेशन और राष्ट्रीय सुरक्षा के मसलों पर केंद्र सरकार का समर्थन किया, जबकि कांग्रेस के कुछ नेताओं ने सरकार के रुख पर सवाल उठाए हैं। इस पर पार्टी के अंदर तनाव बढ़ गया और थरूर की आलोचना होने लगी। इसके बावजूद थरूर ने अपना रुख मजबूत रखा।

थरूर ने कहा कि जब देश संकट में हो तो राजनीतिक मतभेदों को दरकिनार कर देना चाहिए। उनकी यह बात सिर्फ कांग्रेस के लिए नहीं बल्कि सभी राजनीतिक दलों के लिए थी। उन्होंने कहा कि भारत की संसद में 46 राजनीतिक दल हैं और कुछ मामलों पर सभी का एकजुट होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि देश के हित में सभी दलों को साथ आना होगा ताकि सीमाएं सुरक्षित रहें और देश सुरक्षित रहे।

कांग्रेस नेता थरूर ने भारत के पहले पीएम जवाहरलाल नेहरू की एक प्रसिद्ध पंक्ति का उल्लेख किया- ÷अगर भारत मर गया तो कौन बचेगा।÷ उन्होंने कहा कि यह बात राजनीति में भी याद रखनी चाहिए। भारत पहले आएगा तभी सभी जीवित रह सकेंगे। थरूर ने इस बयान से संकेत दिया है कि देश का हित सबसे ऊपर होना चाहिए न कि किसी पार्टी या व्यक्तिगत राजनीति का।

थरूर के इस बयान के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कांग्रेस के लिए ÷देश पहले÷ है लेकिन कुछ लोग मोदी को पहले रखते हैं। यह टिप्पणी थरूर द्वारा पीएम मोदी की प्रशंसा के बाद आई थी, जिससे पार्टी के अंदर मतभेद उभरने लगे।

थरूर ने एक्स पर एक पोस्ट किया जिसमें उन्होंने लिखा- उड़ने की इजाज़त मत मांगो। पंख तुम्हारे हैं और आसमान किसी का नहीं। इस संदेश से उन्होंने अपनी स्वतंत्र सोच और फैसले लेने की आज़ादी पर जोर दिया।

अहमदाबाद विमान हादसा: उड़ान के दौरान बिजली आपूर्ति में गड़बड़ी होने की आशंका

नई दिल्ली (एजेंसी)। 12 जून को अहमदाबाद से उड़ान भरते ही दुर्घटनाग्रस्त हुई एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-171 की जांच में अब कई चौंकाने वाले खुलासे सामने आ रहे हैं। विमान का पिछला ब्लैक बॉक्स बीजे मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल की छत से मिला था लेकिन उसमें थर्मल डैमेज इतना ज़्यादा था कि डेटा निकालना संभव नहीं हुआ। जबकि आगे वाला ब्लैक बॉक्स 16 जून को मलबे से बरामद हुआ और उसमें से 49 घंटे की उड़ान जानकारी और 6 उड़ानों का डेटा, साथ ही क्रैश के दो घंटे पहले की ऑडियो रिकॉर्डिंग निकाली जा सकी। बोइंग ड्रीमलाइनर विमान के मलबे की जांच कर रही टीम को विमान के पिछले हिस्से पूंछ (टेल सेक्शन) में सीमित इलेक्ट्रिक आग के संकेत मिले हैं। पूंछ के हिस्से को विमान दुर्घटना और ईंधन विस्फोट से अपेक्षाकृत कम नुकसान हुआ। इसमें कुछ इलेक्ट्रिक पार्ट्स में सीमित आग लगी, जिससे संकेत मिलता है कि उड़ान के दौरान बिजली आपूर्ति में गड़बड़ी हो सकती है।

रिपोर्ट में जांच अधिकारियों के हवाले से कहा है कि टेल सेक्शन से बरामद किए गए सामनों को अहमदाबाद में सुरक्षित रखा गया है और इन्हीं के माध्यम से यह पता लगाया जाएगा कि बिजली प्रणाली में कौन-सी तकनीकी गड़बड़ी हुई थी।हादसे में बचे इकलौते यात्री विश्वाशकुमार रमेश ने बताया कि केबिन की लाइट बार-बार जा रही थी, जो बिजली सप्लाई में खराबी की ओर संकेत करता है। क्रैश के 72 घंटे बाद टेल सेक्शन से एक फ्लाइट अटेंडेंट का शव बरामद किया गया। वह आग में नहीं जली थीं, बल्कि सीट बेल्ट में जकड़े होने और टक्कर के प्रभाव से उनकी मौत हुई थी। उनकी पहचान साड़ी के बचे टुकड़ों से की गई, जबकि शरीर ज्यादा समय बीतने और अग्निशमन रसायनों के कारण बुरी तरह सड़ चुका था। ब्लैक बॉक्स डेटा से पता चला कि दोनों इंजन में कुछ सेकंड में ही ईंधन की आपूर्ति बंद हो गई थी।

चार गैर हिंदू कर्मचारियों को तिरुपति ट्रस्ट ने किया निलंबित

तिरुपति (एजेंसी)। श्री वेंकटेश्वर मंदिर के आधिकारिक संरक्षक तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने गैर हिंदू होने और अन्य धर्मों का पालन करने के आरोप में अपने चार कर्मचारियों को निलंबित कर दिया। मंदिर समिति ने उप कार्यकारी अभियंता (गुणवत्ता नियंत्रण) बी. एलिजर, बीआईआरआरडी अस्पताल की नर्स एस. रोजी, बीआईआरआरडी अस्पताल की ग्रेड-1 फार्मासिस्ट एम. प्रेमवती और एस.वी. आयुर्वेद फार्मेसी की कर्मी जी. असुंथा को निलंबित कर दिया। शनिवार को यहां जारी एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि टीटीडी ने दूसरे धर्मों को मानने के आरोप में अपने चार कर्मचारियों को निलंबित कर दिया। इस तरह अभी तक कुल पांच गैर हिंदू कर्मचारियों को यहां से सस्पेंड किया जा चुका है। यह कदम टीटीडी के विजिलेंस विभाग द्वारा पेश रिपोर्ट के बाद उठाया गया है। आधिकारिक मेमोज के मुताबिक कर्मचारियों ने आंध्र प्रदेश सिविल सर्विसेज (कंडक्ट) रूल्स, 1964 का उल्लंघन किया।ऐसा माना जाता है कि इन कर्मचारियों ने संस्था के नियमों का उल्लंघन किया है और एक हिंदू धार्मिक संगठन का प्रतिनिधित्व तथा उसके लिए काम करते हुए अपने कर्तव्यों का गैर-जिम्मेदाराना ढंग से निर्वहन किया है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि टीटीडी सतर्कता विभाग द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों की जांच के बाद नियमों के अनुसार उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की गई और चार कर्मचारियों को तुरंत निलंबित कर दिया गया। बता दें कि टीटीडी ने इससे पहले एईओ ए राजशेखर को निलंबित कर दिया था क्योंकि उन्हें पुत्तूर के स्थानीय चर्च में नियमित रूप से पूजा करते पाया गया था। तिरुमला की अपनी हालिया यात्रा के दौरान केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने टीटीडी के वेतन-सूची से गैर-हिंदुओं को हटाने में हो रही देरी पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की थी।

कैलाश मानसरोवर यात्रा के दौरान मीनाक्षी लेखी म्यूल से गिरीं, कमर में आई गंभीर चोट

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी कैलाश मानसरोवर यात्रा के दौरान गिर गईं जिससे वो गंभीर रूप से घायल हो गई हैं। जानकारी के मुताबिक, तिब्बत के दारचिन क्षेत्र में यात्रा करते समय वे एक म्यूल (खच्चर) से गिर गईं, जिससे उनकी कमर में गंभीर चोट आई है। प्रारंभिक मेडिकल जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि चोट गहरी है और उन्हें तत्काल उपचार की आवश्यकता है। घटना के बाद लेखी को यात्रा बीच में ही छोड़नी पड़ी और उन्हें तुरंत भारत लाया गया। दरअसल जानकारी मिली है कि यात्रा करते हुए रविवार सुबह उन्होंने लिपुलेख बॉर्डर पार किया था और उत्तराखंड के गूंजी क्षेत्र में पहुंचीं थीं। चोटिल होने के कारण उन्हें सड़क मार्ग से धारचूला ले जाया जा रहा है। बताया जा रहा है कि उच्च हिमालयी क्षेत्र में खराब मौसम के चलते हेलीकॉप्टर से रेस्क्यू संभव नहीं हो सका, इसलिए उन्हें जमीनी रास्ते से ही सुरक्षित स्थान तक लाने का इंतजाम किया गया। फिलहाल उनकी स्थिति को लेकर आधिकारिक रूप से कोई जानकारी सामने नहीं आई है। पूर्व मंत्री मीनाक्षी लेखी की यह यात्रा धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जा रही थी, लेकिन दुर्घटना के चलते यात्रा को बीच में ही रोक देना पड़ा। उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की जा रही है।

अरुणाचल के नामसाई में सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता, गांव से आईईडी बरामद

नामसाई (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश के नामसाई जिले में सुरक्षा बलों को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। असम राइफल्स ने जिले के नांगटॉ गांव से एक आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) बरामद किया है। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक (एसपी) सांगे थिनले ने रविवार को जानकारी दी। एसपी थिनले ने बताया कि यह बरामदगी प्योंग सर्कल के अंतर्गत आने वाले नांगटॉ गांव में नियमित तलाशी अभियान के दौरान शनिवार को हुई। असम राइफल्स ने जब यह संदिग्ध विस्फोटक देखा, तो उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचित किया। प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत हो रहा है कि आईईडी पुराना है, लेकिन इसकी जांच अभी जारी है। थिनले ने बताया कि सुरक्षा बलों ने एहतियात के तौर पर इलाके को सील कर दिया है और बम निरोधक दस्ता जल्द ही इस विस्फोटक को निष्क्रिय कर देगा।

स्वतंत्रता दिवस को लेकर सतर्कता

एसपी ने यह भी बताया कि 15 अगस्त को लेकर जिले में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। स्वतंत्रता दिवस से पहले किसी भी प्रकार की सुरक्षा चूक से बचने के लिए सभी संवेदनशील इलाकों में गश्त और तलाशी अभियान तेज कर दिए गए हैं। यह बरामदगी न केवल सुरक्षा बलों की मुस्तैदी और सतर्कता को दर्शाती है, बल्कि यह भी संकेत देती है कि अशांति फैलाने वाले तत्व अब भी सक्रिय हो सकते हैं। पुलिस और असम राइफल्स की टीमें मामले की हर पहलू से जांच कर रही हैं।

चंदन मिश्रा हत्याकांड में बड़ी सफलता, मुख्य आरोपी तौशीफ कोलकाता से गिरफ्तार

पटना (एजेंसी)। चर्चित चंदन मिश्रा हत्याकांड में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। मुख्य आरोपी तौशीफ उर्फ बादशाह सहित कुल चार संदिग्धों को कोलकाता के आनंदपुर स्थित एक गेस्टहाउस से हिरासत में लिया गया है। जानकारी के अनुसार, सभी को कोलकाता पुलिस मुख्यालय लालबाजार ले जाया गया है, जहां उनसे गहन पूछताछ की जा रही है। हालांकि, अब तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि सभी आरोपी सीधे तौर पर पटना कांड से जुड़े हुए हैं या नहीं। बता दें कि 17 जुलाई को पटना के शास्त्रीनगर थाना क्षेत्र स्थित पारस हॉस्पिटल में चंदन कुमार मिश्रा को गोली मार दी गई थी, जिससे उसकी मौत हो गई थी। इस सनसनीखेज वारदात के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। पटना पुलिस द्वारा तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज, इनपुट और अन्य पहलुओं पर गहनता से जांच की गई। इसी क्रम में कोलकाता पुलिस और एसटीएफ के सहयोग से कोलकाता में छापेमारी कर मुख्य आरोपी तौशीफ उर्फ बादशाह को हिरासत में लिया गया। साथ ही, निशु खान और एक अन्य व्यक्ति को भी पकड़ा गया है। शुरुआती पूछताछ में यह बात सामने आई है कि हत्या की साजिश निशु खान के आवास पर रची गई थी और वारदात को अंजाम मुख्य रूप से तौशीफ ने दिया।

कर्नाटक कांग्रेस में नया बवाल: डिप्टी सीएम का नाम सुनते ही भड़के सिद्दारमैया, मंच छोड़कर लौटे शिवकुमार

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक कांग्रेस में एक बार फिर अंदरूनी कलह सतह पर आ गई है। मुख्यमंत्री सिद्दारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच की कथित खींचतान मंगलुरु में आयोजित साधना समवेश कार्यक्रम में सार्वजनिक हो गई। मंच पर सिद्दारमैया, शिवकुमार और अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे, लेकिन तभी जब एक कांग्रेस नेता ने सिद्दारमैया से शिवकुमार का जक्रि करने को कहा, तो उन्होंने तीखी प्रतिक्रिया दी- डीके शिवकुमार यहां नहीं हैं, वे बेंगलुरु चले गए हैं, हम केवल मौजूद लोगों का स्वागत कर सकते हैं।

हैरानी की बात यह रही कि शिवकुमार कार्यक्रम में कुछ समय पहले तक मौजूद थे और अपना भाषण देने के बाद किसी आपात स्थिति का हवाला देते हुए बेंगलुरु लौट गए। इस घटनाक्रम ने दोनों नेताओं के बीच गहराते मतभेदों और सत्ता संघर्ष की चर्चाओं को फिर से तेज कर दिया है। यहां बताते चलें कि 2023 विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की शानदार जीत के बाद सिद्दारमैया को मुख्यमंत्री और डीके शिवकुमार को डिप्टी सीएम तथा पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया था। हालांकि राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा रही कि दोनों नेताओं के बीच सत्ता साझा करने का एक अनौपचारिक समझौता हुआ है, जिसके तहत ढाई साल बाद शिवकुमार को सीएम पद सौंपा जा सकता है। यह समझौता कभी आधिकारिक रूप से पुष्टि नहीं हुआ, लेकिन शिवकुमार के समर्थकों की बयानबाज़ी से यह साफ होता जा रहा है कि असंतोष बढ़ रहा है।

भाजपा ने साधा निशाना तो कांग्रेस ने बताया गलतफहमी

विपक्षी दल भाजपा ने इस घटना को लेकर कांग्रेस की आंतरिक अस्थिरता का आरोप लगाया है। वहीं कांग्रेस के कुछ नेताओं ने इसे महज गलतफहमी बता कर पल्ला झाड़ लिया है। पार्टी हाईकमान मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ने फिलहाल इस विवाद पर कोई सार्वजनिक टिप्पणी नहीं की है, लेकिन सूत्रों के मुताबिक, जल्द ही नेताओं के बीच एक सुलह बैठक आयोजित की जा सकती है।

सीएम योगी पहुंचे दिल्ली, तीन घंटे में तीन बड़े नेताओं से की मुलाकात

यह दौरा कहीं यूपी में संगठन और सरकार में बड़े बदलाव की आहत तो नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के रविवार को अचानक दिल्ली पहुंचे और वहां पीएम नरेंद्र मोदी, बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की। उनकी इन मुलाकातों ने राजनीति में हलचल पैदा कर दी है। इनमें सबसे लंबी बातचीत जेपी नड्डा के साथ करीब एक घंटे तक चली, जिससे कई राजनीतिक संकेत निकाले जा रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आधिकारिक तौर पर बताया गया कि पीएम मोदी से योगी की मुलाकात जेवर एयरपोर्ट के उद्घाटन को लेकर थी, जो अक्टूबर में होना है, लेकिन यह मुलाकातें सिर्फ शिष्टाचार मानी जातीं, अगर इससे पहले दोनों डिप्टी सीएम की दिल्ली में शीर्ष नेतृत्व से अलग-अलग मुलाकातें न हुई होतीं। इससे साफ है कि मुलाकातें सिर्फ औपचारिक नहीं, बल्कि इसके पीछे गंभीर संगठनात्मक और राजनीतिक कारण हैं। यूपी में बीजेपी के नए

प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति अब अधर में है। यह पद रणनीतिक रूप से बेहद अहम है क्योंकि 2027 में यूपी विधानसभा चुनाव और उससे पहले कई स्थानीय चुनाव हैं। साथ ही संगठन के पुनर्गठन की चर्चा भी तेज है, जिससे चुनावी तैयारी को धार दी जा सके। बीजेपी हाईकमान मंत्रिमंडल में बदलाव को लेकर भी विचार कर रहा है। सूत्रों के मुताबिक कुछ मंत्रियों के प्रदर्शन से पार्टी संतुष्ट नहीं है। साथ ही, कुछ पर भ्रष्टाचार या कार्यशैली को लेकर सवाल भी उठ रहे हैं। जेपी नड्डा से मुलाकात में योगी ने संभावित नए चेहरों और मौजूदा मंत्रियों के रिपोर्ट कार्ड पर चर्चा की ऐसा माना जा रहा है।

बता दें अनुप्रिया पटेल, संजय निषाद, नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी', जैसे नेताओं की नाराजगी अब खुलकर सामने आ रही है। अफसरशाही से लेकर संगठन में उपेक्षा तक, कई सहयोगी मीडिया में बयानबाजी कर चुके हैं। वहीं, ओबीसी और दलित वोट बैंक में बीजेपी की पकड़ कमजोर पड़ी है, खासकर 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद। इस पृष्ठभूमि में शीर्ष नेतृत्व के साथ यह चर्चा जरूरी हो गई थी कि इन नाराज वर्गों को कैसे फिर से जोड़ा जाए।

दिल्ली दौरे में सीएम योगी के हाथ में एक फाइल नजर आई, जिसे वे पीएम मोदी से मुलाकात के समय हाथ में लिए थे। कयास लगाए जा रहे हैं कि इसमें कई मुद्दों जैसे प्रशासनिक सुधार, बजट, परियोजनाओं की मंजूरी, सहयोगी दलों की रिपोर्ट आदि शामिल हो सकती है। योगी का यह दौरा संकेत दे रहा है कि यूपी में संगठन और सरकार दोनों स्तरों पर बड़े बदलाव हो सकते हैं। हालांकि ये बदलाव कब और कैसे होंगे, इस पर पार्टी चुप है, लेकिन इतना तय है कि बीजेपी अब 2027 की तैयारी में कोई ढील नहीं बरतना चाहती है।

माइक्रोग्रैविटी में हिलना-डुलना और स्टेशन को समझना मुश्किल था फिर सीखा

मिशन पूरा कर आईएसएस से लौटे शुभांशु शुक्ला ने वीडियो किया शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। शुभांशु शुक्ला ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से लौटने के बाद एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वे माइक्रोग्रैविटी में तैरते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में शुक्ला बिना हिले पूरी तरह स्थिर रहने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने लिखा कि आईएसएस पहुंचने के बाद वे टाइमलाइन का पालन करने और अपने टास्क और प्रयोगों को पूरा करने में लगे थे। शुरू में माइक्रोग्रैविटी में हिलना-डुलना और स्टेशन को समझना मुश्किल था, लेकिन कुछ दिनों बाद उन्होंने अपने शरीर को नियंत्रित करना सीख लिया। हालांकि, पूरी तरह स्थिर रहना उनके लिए चुनौती बना रहा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शुक्ला ने कहा कि अंतरिक्ष में छोटी सी भी हलचल आपके शरीर को हिला देती है। ऐसे में बिल्कुल स्थिर रहने के लिए खास कौशल की जरूरत होती है। उन्होंने इसे मन की शांति से जोड़ते हुए कहा कि हमें कभी-कभी रुकना और शांत रहना भी जरूरी है। शुक्ला ने सुझाव दिया कि तेजी से आगे बढ़ने के लिए कभी-

कभी धीमा होना जरूरी होता है। चाहे गुरुत्वाकर्षण हो या न हो, स्थिर रहना एक बड़ी चुनौती है। बता दें शुभांशु स्पेसएक्स के ड्रैगन कैप्सूल ग्रेस में सवार होकर धरती पर लौटे, जो प्रशांत महासागर में उतरा करीब तीन सप्ताह के एक्सियॉम-4 मिशन में शुक्ला और उनकी टीम ने 31 देशों के 60 से ज्यादा प्रयोग किए, जिनमें भारत के इसरो के सात प्रयोग भी शामिल थे। शुक्ला की वापसी भारत के कॉमर्शियल अंतरिक्ष उड़ान में बढ़ते योगदान का अहम पड़ाव है। इस बीच इसरो ने बताया कि शुभांशु शुक्ला के मेडिकल टेस्ट से संकेत मिला कि उनकी हालत स्थिर है और चिंता की कोई बात नहीं है। अंतरिक्ष यान से बाहर निकलते ही रिकवरी शिप पर अंतरिक्ष यात्रियों की शुरुआती स्वास्थ्य जांच की गई। बाद में अंतरिक्ष यात्रियों को आगे की मेडिकल जांच के लिए रिकवरी शिप पर ले जाया गया।

राज संग गठबंधन पर बेबाक बोले उद्धव ठाकरे- हमारे साथ आने से किसे दिक्कत है?

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर ठाकरे बंधुओं का मेल सुर्खियों में है। करीब दो दशकों तक अलग राहों पर चले उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे, अब साथ आते दिख रहे हैं। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने एक बातचीत में राज ठाकरे के साथ संभावित गठबंधन और राजनीतिक समीकरणों को लेकर खुलकर बात की।

बातचीत के दौरान उद्धव ने दो टूक सवाल किया, हमारे साथ आने से किसे दिक्कत है? यह सवाल पूछकर उद्धव ने सीधे तौर पर उन राजनीतिक हलकों पर निशाना साधा, जो ठाकरे भाइयों के पुनर्मिलन से असहज महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर किसी को इस मिलन से ÷पेट में दर्द÷ हो रहा है, तो यह उनकी समस्या है, वह इसे नजरअंदाज करते हैं। उद्धव ने बताया कि राज ठाकरे के साथ दोबारा जुड़ने से मराठी समाज ही नहीं, बल्कि मुस्लिम, गुजराती और हिंदी भाषी समुदायों ने भी खुशी जताई है। उन्होंने इसे छोटी बात नहीं, बहुत बड़ी बात बताया और कहा कि यह सांस्कृतिक और सामाजिक एकता की ओर एक मजबूत संकेत है।

राजनीति नहीं, अस्मिता पहले

उन्होंने कहा कि फिलहाल उनकी प्राथमिकता राजनीति नहीं, बल्कि मराठी अस्मिता और सांस्कृतिक एकजुटता है। उन्होंने साफ किया कि वो महाराष्ट्र और मराठी लोगों के हितों के लिए जो जरूरी होगा, वह करेंगे।

महाविकास अघाड़ी और मनसे समीकरण

मनसे के साथ संभावित गठबंधन को लेकर पूछे गए सवालों पर उद्धव ने कहा कि कांग्रेस और अन्य घटक दलों को स्थानीय स्तर पर स्वतंत्र फैसले लेने का अधिकार है। उन्होंने माना कि मुंबई की राजनीति महाराष्ट्र से अलग नहीं है और हर नगर निकाय अपने स्तर पर निर्णय लेगा।

क्या बदलेगा समीकरण?

राज और उद्धव का साथ आना, न केवल मुंबई महानगरपालिका चुनावों पर असर डालेगा, बल्कि महाविकास अघाड़ी के भीतर समीकरणों को भी झटका दे सकता है। आने वाले दिनों में यह गठबंधन महाराष्ट्र की राजनीति में नए ध्रुवीकरण की नींव रख सकता है।

चीन सीमा के पास हजारों फीट की ऊंचाई भारत तैयार कर रहा हवाईपट्टी

न्योमा एयरबेस से राफेल भरेंगे उड़ान, लद्दाख में होगा सेना का चौथा ठिकाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के साथ ही भारत के आसपास का सामरिक माहौल लगातार बदल रहा है। बांग्लादेश लगातार चीन को निवेश के लिए अपने यहां आमंत्रित कर रहा है। इन सबके बीच चीन अपनी विस्तारवादी नीतियों को अंजाम देने में जुटा है। लेह-लद्दाख से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक चीन बेतुके दावे करता है। चीन सीमाई इलाकों में लगातार इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत कर रहा है, ऐसे में भारत भी पीछे नहीं है। अब नई दिल्ली ने भी एलएसी से लगे इलाकों में मूलभूत सुविधाओं को दुरुस्त करना शुरू कर दिया है। चीन बॉर्डर से लगे क्षेत्र में चौथा एयरस्ट्रिप यानी हवाईपट्टी जल्द ही तैयार हो जाएगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस साल अक्टूबर महीने से यह एयरस्ट्रिप ऑपरेशन के लिए तैयार हो जाएगा। उसके बाद यहां राफेल से लेकर सुखोई 30केआई जैसे मॉडर्न फाइटर जेट लैंड कर सकेंगे। कुछ दिनों पहले ही लद्दाख में आकाश प्राइम मिसाइल डिफेंस सिस्टम की टेस्टिंग की गई थी। अब न्योमा एयरबेस को लेकर नया अपडेट सामने आया है। चीन से सटे सीमावर्ती इलाकों में सैन्य बुनियादी ढांचे के मोर्चे पर भारत रणनीतिक दृष्टिकोण से अहम लद्दाख के न्योमा में बन रहे एयरबेस का काम इस साल अक्टूबर तक पूरा कर लेगा जबकि अगले पांच सालों में हिमालयी क्षेत्र में स्थित इंडियन आर्मी की सभी अग्रिम चौकियों तक सड़क कनेक्टिविटी पहुंचाने का लक्ष्य तय किया गया है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक बॉर्डर रोड ऑर्गनाइजेशन के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल रघु श्रीनिवासन ने बताया कि पूर्वी लद्दाख के न्योमा में एयरबेस पर पिछले साल कच्ची धूलभरी पट्टी को पक्की रनवे में बदला था। अब अक्टूबर 2025 तक बाकी का काम पूरा हो जाएगा। यह एयरबेस लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल एलएसी से महज 30 किमी दूर स्थित है और समुद्र तल से करीब 13,700 फीट की ऊंचाई पर है, जहां सर्दियों में तापमान -20 डिग्री सेल्सियस तक गिर जाता है। ऐसे में यहां का पूरा निर्माण कार्य अत्यधिक ठंडे मौसम के मुताबिक किया जा रहा है।

न्योमा एयरबेस से विमान टेकऑफ और लैंडिंग के साथ ही मामूली मरम्मत कार्य भी किए जा सकेंगे। इसके अलावा यहां भारतीय वायुसेना के जवानों के लिए रडार स्टेशन और ठहरने की सुविधाएं भी की जा रही है। इस एयरबेस के सक्रिय होने के बाद लद्दाख में भारतीय वायुसेना का यह चौथा सक्रिय ठिकाना होगा। वर्तमान में लेह, कारगिल और सियाचिन के लिए आधार बने थोइस में पूर्ण हवाई पट्टियां हैं, जबकि दौलत बेग ओल्डी जैसे क्षेत्रों में केवल विशेष अभियानों के लिए सीमित सुविधाएं मौजूद हैं। बीआरओ के महानिदेशक के मुताबिक आने वाले पांच सालों में ऐसा कोई अग्रिम इलाका नहीं बचेगा जहां तक सड़क से सेना को तैनात न किया जा सके। मौजूदा समय में लद्दाख और उत्तर-पूर्व के कई दुर्गम क्षेत्रों में सेना के जवानों को केवल पैदल चलकर पहुंचना होता है, लेकिन अब ऐसे सभी फॉरवर्ड पोस्ट को सड़क नेटवर्क से जोड़ा जा रहा है।

लेफ्टिनेंट जनरल श्रीनिवासन ने बताया कि अरुणाचल प्रदेश में बीआरओ दो प्रमुख हाईवे बना रही है, जो राज्य की सभी घाटियों को आपस में जोड़ देंगे। यहां विषम भूगोल और भारी बारिश से निर्माण कार्य चुनौतीपूर्ण है। इसके साथ ही शिंकुन ला टनल पर भी तेजी से काम चल रहा है। यह दुनिया की सबसे ऊंची सुरंग होगी और हिमाचल प्रदेश को लद्दाख से सालभर जोड़ने वाली तीसरी मुख्य सड़क होगी। रणनीतिक रूप से यह सुरंग भारतीय सेना के लिए अहम होगी, क्योंकि यह मौजूदा जोजिला और रोहतांग मार्गों पर मौसमजनित निर्भरता को कम करेगी।

बता दें इस पूरी योजना को चीन के साथ मौजूदा सीमा तनाव के परिप्रेक्ष्य में

देखा जा रहा है। जहां चीन ने एलएसी के उस पार तेज गति से सड़क और हवाई बुनियादी ढांचे का विकास किया है, भारत अब उसी रफ्तार से इन मोर्चों पर प्रतिस्पर्धा करता दिख रहा है। न्योमा एयरबेस और हिमालयी चौकियों तक संपर्क बढ़ाने की यह कवायद भारत की सामरिक ताकत को न केवल मजबूती देगी, बल्कि सीमाई क्षेत्रों के विकास को भी गति देगी।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 7903538992, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**